10 बुमराह...

12 कृति सैनन...

झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

रांची, मंगलवार, 18 फरवरी 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रुपये | रांची संस्करण | वर्ष- 04 | अंक -241 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

विवेक कुमार
थाना प्रभारी, केरेडारी

मैट्रिक वा इंटर की परीक्षा में 56,317 परीक्षार्थी लेंगे भाग। प्रखंड के सभी परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी पर रहेगी पैनी नजर। परीक्षा को लेकर निष्पादन, शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए रहेगी भ्रमण। केन्द्रों में परीक्षार्थी के लिए पीने का शुद्ध पानी, रनिंग वाटर, उक्त शौचालय कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पर्याप्त फर्नीचर बेंचडेस्क, यदि रहेगी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बहाल रखने का निर्देश। केंद्र से 100 मीटर की परिधि में परीक्षा की तिथि को परीक्षा दौरान निषेधज्ञ लागू रहेगी।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **79,800**
चांदी (प्रति किलो) : **1,00,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **75,996.86**
निफ्टी :- **22,959.50**

मौसम

अधिकतम तापमान : **28** °
न्यूनतम तापमान : **16** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **06:19**
संध्या :- **17:46**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1943 को हिटलर के प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स ने जर्मन लोगों को प्रेरित करने के लिए स्पोर्टलैपस्ट भाषण दिया जब द्वितीय विश्व युद्ध का ज्वार जर्मनी के खिलाफ चल रहा था।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज, लिए जाएंगे कई अहम फैसले

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक मंगलवार को अपराह्न 4:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। इस बैठक में कई अहम निर्णय लिए जा सकते हैं, जो राज्य के विकास और जनहित से जुड़े होंगे। जानकारी के अनुसार, राज्य की आर्थिक स्थिति, बजट योजनाएं और नई परियोजनाओं सहित नई नीतियों पर भी फैसला लिया जा सकता है।

सीएम हेमंत 289 युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (खररउ) द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को मंगलवार को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। कार्यक्रम प्रोजेक्ट भवन में होगा। नगर सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के तहत गार्डेन अधीक्षक, वेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाइजर, राजस्व निरीक्षक और विधि सहायक पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके तहत कुल 289 पदों पर नियुक्ति की जायेगी।

पांच देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति मुर्मु को अपने परिचय पत्र सौंपे

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में कंबोडिया, मालदीव, सोमालिया, क्यूबा और नेपाल के राजदूतों व उच्चायुक्तों से परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति भवन के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु को जिन लोगों ने अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए, उनमें कंबोडिया की राजदूत राथ मेनी, मालदीव की उच्चायुक्त ऐशाथ अजीमा, सोमालिया के राजदूत डॉ. अब्दुल्लाही मोहम्मद ओडोवा, क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा और नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा शामिल हैं।

रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 33वीं बैठक आयोजित

बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर बनी सहमति।

झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा आयोजित पिछली बैठकों में आजीवन सजा काट रहे कैदियों के रिहाई से संबंधित अस्वीकृत किए गए मामलों सहित कुल 103 मामलों की समीक्षा की गई।

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित नए मामलों के साथ-साथ वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किए गए थे। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग श्रीमती वंदना दादेल, डीजीपी श्री अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक झारखंड श्री सुदर्शन प्रसाद मंडल, अपर विधि परामर्शी विधि विभाग श्री नीरज कुमार, प्रोवेशन पदाधिकारी श्री चंद्रमौली, एआईजी तुषार रंजन गुप्ता, जेलर श्री मो० नसीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई हेतु अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं अधिकारियों के बीच रिहाई हेतु प्रस्तावित सभी मामलों पर विचारोपरान्त कुल 37 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन जरूर करें। मुख्यमंत्री ने कारा महानिरीक्षक झारखंड को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड अवश्य रखें। जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ सभी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिहा हुए कैदियों का जीवन यापन सुचारू रूप से चले इस निमित्त उनके लिए आय सृजन की व्यवस्था करें। रिहा हुए कैदियों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

होटवार में लगी जेल अदालत, चार बंदियों को किया गया रिहा

रांची। झालसा के निदेर्शानुसार बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार, रांची में जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न न्यायालयों में लंबित 10 मामलों की सुनवाई की गयी और चार बंदियों को जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा मुक्त (रिहा) किया गया। जेल अदालत में सिटु कुशवाहा, विक्की कुमार, पन्ना किस्कू और राकेश अहीर को रिहा किया गया। बताते चलें कि जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर में बंदियों को लीगल एंड क्लिनिक के बारे में भी जानकारी दी गयी। वहीं बंदियों की समस्याओं को सुना गया और उनसे आवेदन लेकर उक्त समस्याओं का तुरंत निराकरण का निर्देश दिया गया। इस दौरान मेडिकल कैंप लगाकर विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों का स्वास्थ्य जांच भी किया गया।

चाईबासा के जंगलों से दो आईईडी बम बरामद, नक्सलियों की नापाक साजिश नाकाम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में लगातार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं. सारंडा स्थित गुआ थाना क्षेत्र के गंगदा के समीप जंगली पहाड़ी में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने साजिश रची थी. नक्सलियों के द्वारा पूर्व में लगाए गए 2 आईईडी बम को जवानों ने बरामद किया. बरामद आईईडी को सुरक्षा के दृष्टिकोण से एसओपी का पालन करते हुए उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से विनिष्ट कर दिया गया है.

जानकारी देते हुए पश्चिम सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन के अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा व कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील होने की सूचना मिली थी. जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ 60बटालियन, 197बटालियन, 174बटालियन, 193बटालियन, 134बटालियन, 26बटालियन की एक संयुक्त टीम गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है.

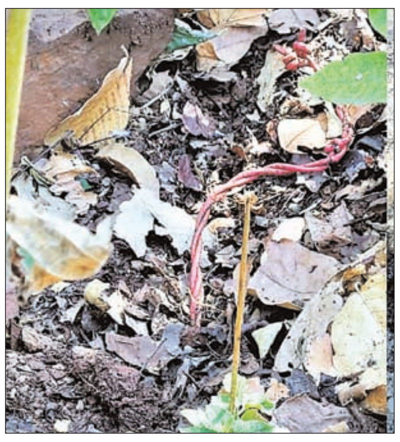

एसपी ने बताया कि सूचना के आलोक में 17 फरवरी को एक संयुक्त अभियान गुआ थाना के आस-पास पहाड़ी जंगली क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है. अग्रतर सर्च अभियान के दौरान सोमवार को गुआ थानांतर्गत गंगदा के समीप जंगली पहाड़ी क्षेत्र से दो क्एऊएक 20 किलो का और दूसरा 5 किलो का बरामद किया गया. एसपी ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है.

रामलीला मैदान में भाजपा का शपथ ग्रहण समारोह 19 को, तैयारी जोरो पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण समारोह 20 फरवरी को हो सकता है. दिल्ली के रामलीला मैदान में समारोह होने की संभावना है. सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण शाम साढ़े चार बजे हो सकता है. समारोह के लिए रामलीला मैदान पर तैयारियां तेजी से हो रही है. कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं.

शपथ ग्रहण समारोह से पहले एनडीए की बड़ी बैठक

दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह से पहले एनडीए गठबंधन शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों की एक बैठक भी दिल्ली में होने वाली है. सूत्रों के मुताबिक बैठक के बाद सभी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे. सूत्रों ने बताया कि अब भाजपा विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी. विधायक दल की बैठक में नेता का चयन किया जाएगा जो दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री होगा. उन्होंने बताया कि इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह के ब्यौरे पर भी चर्चा की जाएगी.

बीजेपी के संगठन नेताओं की आज बड़ी बैठक

सोमवार यानी आज बीजेपी के संगठन नेताओं की बड़ी बैठक भी होने वाली है. बैठक में पार्टी नेता तरुण चुग, विनोद तावड़े, वीरेंद्र सचदेवा सहित कई और लोग शामिल हो सकते हैं. इस बैठक में शपथ ग्रहण की तारीख भी तय की जा सकती है. साथ ही मेहमानों की लिस्ट पर भी फोकस किया जा सकता है. हालांकि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह की जगह, समय और तारीख को अंतिम रूप दिया जा चुका है. इस लिए भी रामलीला मैदान में तैयारियां शुरू कर दी गई है.

सीएम के नाम पर लगेगी मुहर

भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली विधायक दल की बैठक अब 19 फरवरी को होने की खबर है.अगले दिन 20 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह होगा. पहले बैठक आज सोमवार दोपहर 3 बजे होनी थी. जिसमें दिल्ली का नया सीएम चुना जाना था. बता दें कि पहले खबर आयी थी कि दिल्ली के नये सीएम का शपथ ग्रहण समारोह 19 फरवरी को होगा, लेकिन अब कार्यक्रम एक दिन बाद होगा. 20 फरवरी को शपथ ग्रहण कार्यक्रम की जिम्मेदारी भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुग को दी गयी है.

ईमानदारी और नैतिकता की मिसाल: सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर की छात्राओं ने लौटाया खोया हुआ सोने का चेन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा : समाज में ईमानदारी और नैतिकता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर, लोहरदगा की दो छात्राओं, इशिका आर्य एक्का एवं सिद्धि शर्मा, ने एक बहुमूल्य सोने की चेन सोमवार को उसके असली स्वामी तक पहुँचाने का नेक कार्य किया। 3 फरवरी 2025 को सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में सरस्वती पूजा के शुभ अवसर पर अक्षरारंभ संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस विशेष अवसर पर लोहरदगा निवासी विनोद कुमार राय एवं उनकी धर्मपत्नी सुमन राय अपने पोते के अक्षरारंभ संस्कार के लिए विद्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान दुर्भाग्यवश सुमन राय की सोने की चेन गुम हो गई, जिसकी उन्होंने बहुत तलाश की, लेकिन वह नहीं मिल सकी।17 फरवरी को विद्यालय की दो छात्राओं इशिका आर्य एक्का एवं सिद्धि शर्मा को विद्यालय परिसर में एक सोने की चेन प्राप्त हुई। अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए, उन्होंने बिना किसी लालच के इसे विद्यालय की शिक्षिका सुनीता बहन को सौंप दिया। सुनीता बहन ने इस महत्वपूर्ण जानकारी को विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे तक पहुँचाया।प्रधानाचार्य ने जब इसकी जानकारी विनोद कुमार राय को दी, तो वे और उनकी पत्नी अत्यंत हर्षित हुए और तुरंत विद्यालय पहुंचे। विद्यालय प्रशासन ने औपचारिक रूप से वह चेन उन्हें लौटा दी।अपनी ईमानदारी से सबका दिल जीतने वाली इन दोनों छात्राओं को सम्मानित करने के लिए विनोद कुमार राय एवं उनकी धर्मपत्नी सुमन राय ने उन्हें चांदी की चेन उपहार स्वरूप भेंट की। इसके अलावा, उन्होंने विद्यालय के सभी बच्चों के बीच मिष्ठान वितरण कर इस नेक कार्य का उत्सव मनाया। इस पूरे घटनाक्रम में अमर गोस्वामी जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने इस प्रेरणादायक घटना को पूरे समाज तक पहुँचाने में योगदान दिया। हम उनके प्रयासों के लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।इस घटना पर सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे ने कहा,आज के भौतिकतावादी युग में, जब नैतिक मूल्य लगातार कमजोर होते जा रहे हैं, ऐसे में हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा दिखाई गई ईमानदारी अत्यंत प्रेरणादायक है। यह घटना साबित करती है कि सही संस्कार और शिक्षा का प्रभाव बच्चों पर गहरा पड़ता है। हमारा विद्यालय सिर्फ शिक्षा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को सच्चाई, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के मार्ग पर चलना भी सिखाता है।₹उन्होंने आगे कहा,₹यदि हम बच्चों को शुरू से ही नैतिकता और सत्यनिष्ठा का पाठ पढ़ाएँ, तो वे आगे चलकर समाज के आदर्श नागरिक बन सकते हैं। इशिका और सिद्धि जैसी छात्राएँ हमारे विद्यालय की सच्ची धरोहर हैं, और हमें उन पर गर्व है।₹सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर, लोहरदगा ने हमेशा से अपने विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता की शिक्षा दी है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यह विद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि नैतिक मूल्यों के निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह प्रेरणादायक घटना हमें सिखाती है कि यदि बच्चों को उचित संस्कार और शिक्षा मिले, तो वे समाज में सच्चाई और ईमानदारी के आदर्श उदाहरण बन सकते हैं। समाज को ऐसे ही सकारात्मक कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए और सत्यनिष्ठा तथा कर्तव्यपरायणता को हमेशा प्रोत्साहित करना चाहिए।

विधायक ने सड़क का किया शिलान्यास

पतरातू। 15वें वित्त आयोग के तहत पतरातू प्रखंड के जयनगर पंचायत में दिलदार अंसारी के घर से ढाबागढ़ा तक बनने वाली सड़क का शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के द्वारा किया गया। सड़क निर्माण लगभग 582000 की लागत से किया जाना है। इस मौके पर राजाराम प्रजापति जिला परिषद सदस्य, वकील अंसारी, अजीमा खातून, दिलीप प्रजापति, दिलदार हुसैन, मिंटू प्रसाद और अन्य लोग उपस्थित थे।

कटिया से सैकड़ो श्रद्धालु कुंभ स्नान के लिए हुए रवाना

पतरातू। सोमवार को ग्राम पंचायत कटिया बस्ती पतरातु से एकल अभियान पतरातू संच के सभी आचार्य परिवार के साथ प्रयागराज महाकुंभ के लिए 141 सनातनियों को भाजपा युवा नेता सह मुखिया किशोर कुमार महतो तथा एकल अभियान पतरातू संच के प्रमुख नागेश्वर महतो के नेतृत्व में 2 बस से रवाना किया गया। मुखिया किशोर कुमार महतो ने भगवा अंग वस्त्र सभी सनातनियों को दिया तथा उन्होंने कहा कि इस यात्रा में सर्वप्रथम प्रयागराज महाकुंभ में स्नान, अयोध्या में भगवान श्री राम का दर्शन काशी विश्वनाथ और विंध्याचल में भ्रमण किया जाएगा। यह महाकुंभ 144 वर्ष के बाद हो रहा है और जिस तरह से हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सुविधा प्राप्त हो रहा है वह पूरे विश्व में काबिले तारीफ है। यहां तक की भारत देश के अलावा पूरे विश्व के अन्य देशों के लोग भी वहां पहुंच कर आस्था का डुबकी संगम स्थल (गंगा यमुना सरस्वती)पर लगा रहे हैं। अब ऐसा लग रहा है कि भारत देश अखंड भारत तथा परम वैभव की ओर बढ़ रहा है। इस पूरी यात्रा में सभी सनातनियों के लिए स्वास्थय किट का व्यवस्था किया गया है। इस यात्रा में मुख्य रूप से मनीष कुमार महतो सुनील कुमार कमलनाथ महतो पारिजात कुमारी किरण कुमारी संगीता कुमारी रीता कुमारी संजय कुमार खुशबू सिंह कन्हैया प्रसाद मुस्कान सिंह कलावती देवी रामावतार चौधरी नितिन कुमारी पंकज कुमार महतो कविता कुमारी दिनेश कुमार ज्ञानी महतो अन्य सैकड़ो श्रद्धालु महाकुंभ स्नान के लिए प्रस्थान किए।

विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा के विस्थापित नेता एजेंसियों से वसूलते हैं मोटी रकम

लोगों को रोजगार दिलाने के नाम पर लोगों से भी करते हैं उगाही

खुशबू देवी ने कहा : यह विस्थापित नेता अपनी पत्नी एवं अन्य रिश्तेदारों के नाम पर खुलवाते हैं वेंडर

पतरातू। विस्थापित प्रभावित अधिकार समिति की अध्यक्ष खुशबू देवी ने विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा के ऊपर बहुत ही संगीन आरोप लगाते हुए प्रेस रिलीज कर कहा है कि कुछ विस्थापित नेता और एनटीपीसी प्रबंधन के अधिकारी मिलकर विस्थापितों के हक का हनन करने का काम कर रहे हैं। विस्थापन के नाम पर विस्थापित नेता और कंपनी के अधिकारी दुकान चला रहे हैं ऐसा प्रतीत हो रहा है। क्योंकि जानकारी मिली है कि कुछ बाहरी लोग यहां एनटीपीसी में काम कर रहे हैं। ऐसी जानकारी मिल रही है कि यह नेता एनटीपीसी के एजेंसियों के साथ मिलकर 50 से 70000 प्रति माह तक की वसूली करते हैं। कुछ विस्थापित नेता रोजगार देने के नाम पर अपने संबंधियों के यहां भी आने-जाने का काम किए हैं और उसका लेनदेन का भी साक्ष्य हमारे पास है। फिलहाल एक बात और बताना चाहती हूं कि कुछ विस्थापित नेता अपने पत्नियों के नाम पर वेंडर चलाने का काम करते हैं। अगर इसकी सत्यता की जांच की जाए तो सारे विस्थापित नेताओं की पोल खुल जाएगी। इसके लिए हमारी समिति उत्तरदायित्व नहीं होगी। विस्थापित मोर्चा के द्वारा आने वाले दिनों में विस्थापितों की सूची दी जाएगी ऐसी जानकारी मिल रही है। हमारी समिति भी एनटीपीसी प्रबंधन से अपेक्षा करती है कि हमारे विस्थापितों को भी जगह मिले। मोर्चा के लोग ही विस्थापित नहीं है समिति के लोग भी विस्थापित हैं। इसका ख्याल रखना आवश्यक होगा।

हजारीबाग से पैदल चलकर श्री श्याम मंदिर बाबा का निशान लेकर पहुंचे रामगढ़

रामगढ़ ।श्री श्याम मंदिर नेहरू रोड में हजारीबाग से पैदल चलकर बाबा का निशान लेकर सुबह 6:00 बजे यात्रा निकाली यह यात्रा शाम को 7:00 बजे बाबा शाम के दरबार में पहुंची और बाबा को निशाना अर्पित किया यह दुर्लभ क्षण लोगों के लिए आनंददायक और भक्ति भावपूर्ण थे। कोलकाता से मनोज भालोठिया ,ओमप्रकाश बजाज, र कोलकाता तुलसी धाम से मनोज खेतान ,सुदेश खेतान अरुण अग्रवाल राजेश टिंबरेवाल, मनोज खेतान, सुदेश प्रधान ,सु अरुण भालोटिया प्रवेश ,आलोक गोयनका सहित अनेक भक्त बाबा श्याम के दर्शन को पहुंचे। गायक संजय मित्तल के भी बाबा के दर्शन के खातिर पहुंचने की सूचना मिली। निशान लेकर आने वाले सभी भक्तों का अभिवादन कमेटी के अध्यक्ष सांवरमल अग्रवाल सचिव अनिल गोयल शिवकुमार अग्रवाल श्याम सुंदर परशुरामपुरिया मुरारी लाल अग्रवाल सुरेश बगड़िया श्री श्याम शर्मा मनोज बंसल मुन्ना जी अग्रवाल आनंद अग्रवाल राजेश पठारवा ओम प्रकाश अग्रवाल दिनेश पोद्दार कमल बगड़िया सहित अनेक श्याम भक्त उपस्थित थे और उनकी प्रसाद एवं विश्राम की व्यवस्था की गई। सभी को दुपट्टा उड़ा कर सम्मानित किया गया। रांची श्री श्याम मंदिर रांची गौशाला से प्रमोद सारस्वत, एवं श्री कृष्ण गोयल उपस्थित।

लोहरदगा के कृष चंद्र देव ने एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में जीता रजत पदक, झारखंड का किया नाम रोशन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा। लोहरदगा जिले के होनहार तीरंदाज कृष चंद्र देव ने सोमवार को एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से राज्य का मान बढ़ाया है। उन्होंने 44वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप में मिक्स टीम कंपाउंड इवेंट में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पश्चिम बंगाल के बोलपुर में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के युवा तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। इस तीन दिवसीय आयोजन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कृष ने अपने बेहतरीन तीरंदाजी कौशल और आत्मविश्वास के दम पर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की।कृष चंद्र देव का तीरंदाजी सफर मेहनत, समर्पण और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने कम उम्र में ही अपनी लगन और कौशल से खुद को एक बेहतरीन तीरंदाज के रूप में साबित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे झारखंड को गर्व से भर दिया है। बचपन से ही खेलों के प्रति रुचि रखने वाले कृष ने तीरंदाजी को अपना लक्ष्य बनाया और बिरसा आर्चरी सेंटर, सिल्ली में कड़ी मेहनत और अभ्यास के बल पर अपनी तीरंदाजी को निखारा। उनकी इस सफलता के पीछे उनके प्रशिक्षकों, परिवार और पूरे राज्य का समर्थन रहा है। कृष चंद्र देव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाइयों का सिलसिला जारी है। बिरसा आर्चरी सेंटर, सिल्ली के संरक्षक सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, प्रेसिडेंट नेहा महतो, राष्ट्रीय कोच प्रकाश राम और शिशिर महतो ने कृष को इस शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा, उनके माता-पिता, भाई-बहन, रिश्तेदारों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी कृष को इस सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।झारखंड राज्य तीरंदाजी के क्षेत्र में हमेशा से ही अग्रणी रहा है। दीपिका कुमारी, कोमोलिका बारी जैसे नामचीन तीरंदाजों के बाद अब कृष चंद्र देव जैसे युवा खिलाड़ी इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी इस सफलता से राज्य में तीरंदाजी को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा और युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। झारखंड सरकार और खेल संस्थान भी राज्य में तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रहे हैं। उम्मीद है कि कृष की इस उपलब्धि से अन्य युवा भी इस खेल की ओर आकर्षित होंगे और झारखंड को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

केंद्रीय बजट मध्यम वर्ग के लिए नहीं बल्कि झूठ का पुलन्दा है : महेश सिंह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा:17 फरवरी 2025 केन्द्रीय बजट आम जनता के हित के लिए होना चाहिए, न कि पूँजीपतियों के मुनाफा के लिए।मध्यम वर्गों के लिए बजट बल्ले- बल्ले नहीं, बल्कि सरासर झूठ व पूर्ण ठगी का सौदा है यह बात केन्द्रीय बजट में वैकल्पिक प्रस्तावों को जोड़े जाने की मांग को लेकर 14 से 20 फरवरी 2025 तक देश व्यापी अभियान को सफल बनाने के क्रम में सदर ब्लॉक मोड़ लोहरदगा तथा शहीद-ए-आजम सरदार भगतसिंह चौक ,रेलवे साइडिंग न्यु बस स्टैंड लोहरदगा में नुक्कड सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले, जिला प्रभारी कॉ0 महेश कुमार सिंह ने कहा।सी पी एम के पूर्व जिला सचिव दिलीप कुमार वर्मा ने बजट में शिक्षा,सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और मनरेगा के लिए बजट आवंटन में कोई बढोतरी नहीं करने का आरोप लगाया।बच्चू नारायण सिंह ने बजट प्रस्ताव में निजीकरण को आगे बढाने,बीमा क्षेत्र में 100% एफ डी आई लाने और परमाणु उर्जा जैसे संवेदनशील सेक्टर में देशी-विदेशी पूँजीपतियों की घुसपैठ को आसान किया गया है।लाल धनंजय नाथ शाहदेव ने कहा कि किसानों को न्युनतम समर्थन मूल्य देने का कोई प्रस्ताव नहीं है।दिलमुनी कुमारी ने कहा कि देश के दलितों और आदिवासियों लिए राशि आवंटन में कटौती की गई है। देवेन्द्र लाल दास ने कहा कि बीमा क्षेत्र में 100% एफ डी आई वापस लिया जाय। शमसुल होदा ने केन्द्र सरकार से बजट में सुधार की मांग किया है।मो,0कैश ने कहा कि सरकार के जन विरोधी बजट के खिलाफ 20 फरवरी 2025 तक कार्यक्रम किया जायगा।

शहीद वीर बुधू भगत जयंती समारोह में शामिल हुई मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, कहा-शहीदों को जन्मस्थली को दिलाएंगे विशेष पहचान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा : हर वर्ष की भांति इस बार भी विकास मेला-सह-जयंती समारोह का आयोजन मैना बगीचा में आयोजित किया गया। मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग और पंचायती राज विभाग, झारखण्ड, रांची तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय सांसद श्री सुखदेव भगत द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इससे पूर्व माननीय मंत्री व अतिथियों द्वारा मैना बगीचा में वीर बुधू भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि राज्य में जितने शहीदों की जन्मस्थली है वहां को विशेष पहचाने दिलाने का कार्य राज्य सरकार करेगी। टीको, कुडू में शहीद वीर बुधू भगत, शहीद हलधर, गिरधर, रूनिया एवं झुनिया की शहादत स्थली को पर्यटन स्थल के रूप में राज्य सरकार पहचान दिलाएगी। नई पीढी के युवाओं को भी शहीदों के बारे जानना चाहिए। जहां-जहां शहीदों की याद में कार्यक्रम उनकी जन्मस्थली में आयोजित हो रहे हैं, सरकार ऐसे स्थानों में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रही है।

माननीय मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान कर रही है। युवाओं को रोजगार दे रही है। आवास योजना, मईंया सम्मान योजना आदि से अच्छादित किया जा रहा है। युवाओं को कुशल बनाकर उन्हें रोजगार से जोड़ा जा रहा है। हम उद्योग लगाएंगे ताकि यहां के युवाओं को यहीं रोजगार मिल सके। सुदूरवर्ती गांवों को मुख्य धारा से जोड़ेंगे।

टीको शहादत स्थल को पर्यटन क्षेत्र के रूप में करेंगे विकसित :

सुखदेव भगत

सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि कुडू प्रखंड के ग्राम टीको में वीर बुधू भगत, उनके बेटों व बेटियों के शहादत स्थल को राज्य सरकार के प्रयास से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेंगे। यहां के बच्चों को राज्य के शहीदों के बारे उनके पाठ्य-पुस्तकों में ही जानकारी मिले, इसके लिए राज्य सरकार से बातचीत कर पाठ्य पुस्तक में इस अध्याय को शामिल कराया जाएगा। शहीद वीर-बुधू भगत ने लरका आंदोलन में बड़ी भूमिका निभायी। जल, जंगल और जमीन के लिए उन्होंने ना सिर्फ अपनी शहादत दी बल्कि उनके दो बेटों हलधर और गिरधर, बेटियों रूनिया और झुनिया ने भी अपनी शहादत दी। हम सभी को मिल कर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए कार्य करना है।

सांसद ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से सरना कोड को पास कर केंद्र सरकार के पास भेज दिया है। हम पूरी कोशिश करेंगे कि सरना कोड लागू हो जाए।

परिसंपत्तियों का वितरण

आज के कार्यक्रम में माननीय मंत्री द्वारा जेएसएलपीएस के 740 महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच 3.70 करोड़ रुपये, 39 स्वयं सहायता समूहों एवं 22 ग्राम संगठनों के बीच 33.70 लाख रुपये और 527 स्वयं सहायता समूहों के बीच 18.79 करोड़ रुपये की राशि चेक के माध्यम से वितरित की गई। आज के कार्यक्रम में राजेश ठाकुर, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अनुपमा भगत, सांसद प्रतिनिधि के निजी सचिव आलोक साहू, सांसद प्रतिनिधि साजिद अहमद, माननीय सांसद के सुपुत्र अभिनव सिद्धार्थ आयोजन समिति के अध्यक्ष, सचिव व सदस्यगण व जिला के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

लोहरदगा में चोरी की बड़ी वारदात, शारदा नगर में किराए के आवास से लाखों के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ

लोहरदगा। लोहरदगा जिले के शारदा नगर स्थित किराए के आवास में रह रहे सदानंद जी महाराज के घर में भीषण चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर लगभग 5 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 1 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, वहीं पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सदानंद जी महाराज प्रयागराज कुंभ में एक महीने के प्रवास पर थे। जब वह अपने किराए के मकान लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सुराग जुटाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चोरों को पकड़ने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि शहर में लगातार पुलिस की गश्त पेट्रोलिंग होने के बावजूद चोरों ने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते, तो इतनी बड़ी चोरी नहीं होती। पूरे मामले को लेकर लोहरदगा सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा और अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस लगातार संदिग्धों से पूछताछ कर रही है और चोरों तक पहुंचने के लिए तकनीकी जांच कर रही है। चोरी की इस घटना के बाद शारदा नगर और आसपास के इलाकों में डर और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों में गुस्सा है और वे अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है और जल्द ही इस हाई-प्रोफाइल चोरी की गुत्थी सुलझाने का दावा कर रही है।

कुडू में इंटीग्रेटेड हेल्थ इनफॉरमेशन के तहत उत्कृष्ट स्वास्थ्य कार्यकताओं को किया गया सम्मानित

लोहरदगा। लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कुडू प्रखंड के सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में जिला सर्विलेंस कार्यालय द्वारा वर्ष 2024 में आईएचआईपी (इंटीग्रेटेड हेल्थ इनफॉरमेशन पोर्टल) पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्य उपकेंद्रों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया जिन्होंने पोर्टल पर सर्वाधिक बीमारियों की रिपोर्टिंग की और रोग नियंत्रण के उपायों को समय रहते लागू किया। जिला सर्विलेंस कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नाजिश अख्तर, कुडू के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनामी हीरो, जिला एपिडेमोलार्जिस्ट प्रशांत चौहान, आईडीएसपी डाटा मैनेजर राकेश भूषण और आईडीएसपी डाटा एंट्री ऑपरेटर विमलेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। इंटीग्रेटेड हेल्थ इनफॉरमेशन IHIP केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत काम करता है, जिसमें एएनएम आशा कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में बीमारियों की रिपोर्टिंग प्रतिदिन आईडीएसपी पोर्टल पर करते हैं। यदि किसी क्षेत्र में एक ही बीमारी के पांच या उससे अधिक मरीज मिलते हैं, तो उसे 'आउटब्रेक' के रूप में दर्ज किया जाता है, जिससे स्वास्थ्य विभाग को उस क्षेत्र में बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए त्वरित उपाय करने में मदद मिलती है। इस प्रक्रिया में एएनएम को टैबलेट दिए गए हैं ताकि वे रिपोर्टिंग के काम को आसानी से और प्रभावी तरीके से कर सकें। इस आयोजन में सभी स्वास्थ्य कर्मियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा गया और भविष्य में भी इस प्रकार के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

सेन्हा प्रखंड में आंगनबाड़ी सेविकाओं की बैठक, सरकारी योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन पर जोर

लोहरदगा। लोहरदगा जिले के सेन्हा प्रखंड मुख्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में सोमवार को आंगनबाड़ी सेविकाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महिला पर्यवेक्षिका जया पाण्डेय ने की, जिसमें आंगनबाड़ी सेविकाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं के त्वरित और प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, किशोरी समृद्धि योजना समेत अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रपत्र शीघ्र भरकर कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि सभी लाभुकों का आधार कार्ड अपडेट हो, जिससे उनकी प्रविष्टि पोषण ट्रैकर ऐप पर की जा सके और गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को समय पर सरकारी लाभ प्राप्त हो। बैठक में निर्मला देवी, रजनी देवी, शहनाज बानो, सीता देवी, टिंकी देवी, सलिखा खातून, शांता मिंज, किरण कुमारी समेत अन्य आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान सभी सेविकाओं को योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिससे लाभुकों तक सरकारी सहायता पहुंच सके।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने लोहरदगा में की विभागीय समीक्षा, विकास कार्यों में देरी पर अधिकारियों को लगाई फटकार

लोहरदगा। झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह सोमवार को लोहरदगा परिसदन पहुंचीं, जहां उन्होंने जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान मंत्री ने जिले में सड़क निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और आरईओ विभाग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाने चाहिए। इसके अलावा, मंत्री ने अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और पंचायत स्तर पर संचालित अन्य विकास योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और इनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा, ₹हम लोहरदगा में विभागीय समीक्षा कर रहे थे और सरकार की सभी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले में जितने भी सड़क और पुल निर्माण कार्य चल रहे हैं, उनकी प्रगति की समीक्षा की गई। सरकार की सभी योजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना हमारी प्राथमिकता है।₹ इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और उन्होंने अपनी-अपनी परियोजनाओं की स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री ने सभी अधिकारियों को जनहित से जुड़ी योजनाओं को तेजी से और प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए।

मैट्रिक में 84 छात्र छात्राओं ने दिया उर्दू की परीक्षा

सेन्हा-लोहरदगा: झारखंड अविविद्य परिषद द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा में सोमवार को उर्दू की परीक्षा कदाचारमुक्त शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। उक्त परीक्षा केंद्र लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के सेन्हा कन्या मध्य विद्यालय तथा नंदलाल उच्च विद्यालय सह प्लस 2 अरु को छात्र छात्राओं के सुविधा हेतु परीक्षा केंद्र का चयन किया गया है। नन्दलाल उच्च विद्यालय अरु प्लस 2 स्थित परीक्षा केंद्र में 32 छात्र छात्राएं तथा कन्या मध्य विद्यालय सेन्हा स्थित परीक्षा केंद्र में 52 विद्यार्थियों ने उर्दू का परीक्षा दिया। केंद्राधीक्षक नैंसी सीमा लकड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि कदाचारमुक्त व शांतिपूर्वक परीक्षा सम्पन्न कराने के उद्देश्य से झारखंड अविविद्य परिषद द्वारा प्राप्त गाइड लाइन के अनुसार परीक्षा कराया जा रहा है। तथा परीक्षा प्रारम्भ से पूर्व सभी विद्यार्थियों का प्रवेश पत्र जांच कर परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश कराया गया।और परीक्षा केंद्र के समीप निषेधज्ञा लागू है। प्रखंड क्षेत्र के सभी 84 छात्र छत्राएं परीक्षा में उपस्थित हो उर्दू भाषा का परीक्षा दिया मौके पर दंडाधिकारी कनीय अभियंता राजीव कुमार,शिवशंकर उरांव शिक्षक मेराज अंसारी,शिक्षिका सुनीता देवी समेत अन्य सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के अलावे एएसआई गोवर्धन तुरी,रामचन्द्र राम मांझी दल बल के साथ परीक्षा केंद्र पर मौजूद थे।

सदस्यता अभियान मे झामुमो के शिविरों मे दिख रहा लोगों का उत्साह

झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली ने रांची महानगर के कोकर मे चलाया सदस्यता अभियान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची । झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान में आज दिनांक सोमवार को रांची महानगर अंतर्गत रामलखन सिंह कॉलेज के समीप कोकर, रांची मे शिविर लगाकर सदस्यता अभियान चलाया गया। झामुमो केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम की अध्यक्षता मे चलाए गए सदस्यता अभियान मे मुख्य रूप से रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, अश्विनी शर्मा, सोनू मुंडा, झब्बूलाल महतो एवं आदिल इमाम, अफरोज आलम, लालजी रमण, बबलू राम, आशुतोष वर्मा, रवि टोप्पो, संजय ठाकुर, मो निजाम, परवेज आलम, सुजीत उपाध्याय, विश्वजीत गोप, अमन तिवारी, असद फेराज टिंकू, अवधेश यादव, राजीव कु नन्दी, विजय रविदास, सचिन सिंह , ओमकार राय, गोपाल पांडेय, साहिल यादव राकेश, विक्की, लक्ष्मण राम, मो इरफान, अतिकुर रहमान, राजकुमार ठाकुर, मिथलेश कुमार सिंह, गोविंद, गोपाल दत्ता एवं अन्य महानगर के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए । सदस्यता अभियान को सफल बनाने मे मुख्य रूप से संजय ठाकुर के साथ विक्की एवं अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा। आज के सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली, जिसमें मुख्य रूप से युवा एवं महिलाएं रहीं । पार्टी से जुड़ने वाले सभी नए सदस्यों को जिला संयोजक प्रमुख, संयोजक मंडली के सदस्यगणों और जिला व रांची महानगर के वरिष्ठ नेतागणों ने सदस्यता रसीद देकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है आज हमलोग रांची महानगर अंतर्गत कोकर मे सदस्यता अभियान चला रहे है। जिस तरह झारखंड की जनता ने पूरा समर्थन देकर हमारे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को पुनः मुख्यमंत्री बनाया है, उसी तरह लोग विशेषरूप से महिलाएं सरकार की योजनाओं से प्रभावित होकर पार्टी को मजबूत करने के लिए पार्टी से जुड़ रही हैं। पार्टी द्वारा 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य है और रांची जिला को 5 लाख का लक्ष्य दिया गया है, हमलोग अबतक लगभग 3 लाख नए सदस्य बना चुके है। संयोजक मंडली के सदस्यों द्वारा बताया गया कि पार्टी नेतृत्व के निदेर्शानुसार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पार्टी द्वारा 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य है, और जिस तरह सदस्यता अभियान मे पार्टी से जुड़ने के लिए लोगों का उत्साह देखने को मिल रहा है हम निश्चित ही लक्ष्य से भी ज्यादा नए सदस्य बनाने मे सफल होंगे।

रिनपास के सभी पुराने भवन गिरा कर नये भवन बनाये जायेंगे : मंत्री

रांची. स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि रिनपास रांची की पहचान है. यहां वैसे लोगों का इलाज होता है, जिनको कोई नहीं पूछता है. इस संस्थान को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह दिलायेंगे. मंत्री सोमवार को संस्थान परिसर में आयोजित वार्षिक खेलकूद समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने आगे कहा कि सेवा भावना से काम करें. स्वास्थ्य विभाग टीम वर्क से काम कर रहा है. तीन साल में स्वास्थ्य व्यवस्था में काफी बदलाव हुआ है. हम लोगों के दिलों तक पहुंचने का काम कर रहे हैं. यहां के सभी पुराने भवन को गिराकर नया भवन बनाया जायेगा. इस संस्था को अच्छी तरह चलायेंगे. समारोह में मरीज, विद्यार्थी और कर्मियों के बीच कई तरह की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गयी.

100वें साल पर होगा भव्य कार्यक्रम

राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान का 100वां साल पूरा होने जा रहा है. इस मौके पर भव्य समारोह का आयोजन होना चाहिए. तीन-चार दिनों का कार्यक्रम सितंबर में कराया जाना चाहिए. किसी भी संस्थान का 100 साल पूरा होना उपलब्धि है.

राज्य का गौरव है रिनपास

कांके के विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि रिनपास राज्य का गौरव है. इसको और बढ़ाने की जरूरत है. इसके लिए जो भी सहयोग होगा, किया जायेगा. इसके लिए मिलजुल कर काम करने की जरूरत है. संस्थान की निदेशक डॉ जयति सिमलई ने अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम में अपोलो अस्पताल के सईद अंसारी, पूर्व निदेशक डॉ अमूल रंजन सिंह, डॉ अशोक प्रसाद, डॉ अशोक कुमार नाग, डॉ विनोद, डॉ मनीषा किरण, डॉ सिद्धार्थ सिन्हा, डॉ अभिषेक, डॉ पीके सिंह आदि मौजूद थे.

बिरसा कॉलेज खूंटी में विद्यार्थियों और अभिभावकों की बैठक संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। बिरसा कॉलेज खूंटी के मुंडारी विभाग के मल्टीपरपज हॉल में सोमवार को शिक्षक-छात्र-अभिभावक वार्षिक बैठक संपन्न हुई. इस बैठक में बीए और एमए के विद्यार्थियों ने भाग लिया. बिरसा कॉलेज खूंटी की प्राचार्य के. किड़ो और मुंडारी विभागाध्यक्ष भी इस अवसर पर उपस्थित थे.बैठक से पहले भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और पारंपरिक नृत्य-संगीत प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई. अभिभावकों के स्वागत के लिए विद्यार्थियों ने गोवारी दुरंग गीत प्रस्तुत किए. सहायक प्राध्यापिका सावित्री कुमारी ने सभी का स्वागत किया. इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य ने अभिभावक बैठक की सराहना की और कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों के सुझावों की आवश्यकता है. उन्होंने अपनी परंपरा, भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में योगदान देने पर भी जोर दिया. इसके अलावा अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए खेती के साथ अन्य कृषि से संबंधित व्यवसायों को अपनाने पर बल दिया. मुंडारी विभाग की सहायक प्राध्यापिका इंदिरा कोनगाड़ी ने नई शिक्षा नीति और पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी. सहायक प्रोफेसर काली मुंडू ने शिक्षा और रोजगार पर प्रकाश डाला. सहायक प्रोफेसर वासुदेव हास्सा और नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कॉरनेलियुस मिंज ने भी अपने विचार साझा किए. इस मौके पर साहू हांसदा, गाबोर मुंडु, एस.एस. स्कूल की पूर्व प्रधानाध्यापिका रानी टूटी, नागपुरी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अंजूलता कुमारी, सुनीता टोप्पो, मुंडारी विभाग की डॉ. सिजरेन सुरीन, इंदिरा कोनगाड़ी समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

बाबा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

रांची। न्यू मधुकम में चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तीसरे दिन बाबा भोलेनाथ, बजरंग बली और मां जगदंबा की प्राण प्रतिष्ठा आचार्य पुरूषोत्तम द्वारा मंत्रोचारण के साथ की गई. सुबह से ही श्रद्धालु नहा धोकर मंदिर पहुंचे. मंदिर में बांस से मंडप तैयार किया गया, जिसमें तीन देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गईं. इसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी. दोपहर एक बजे आचार्य ने मंत्रोचारण प्रारंभ किया. हर महादेव, देवा देव महादेव, मां जगदंबा और जय बजरंग बली के जयघोष से वातावरण गूंज उठा. बाबा भोले के साथ नंदी भगवान के भी जयकारे लगाए गए. गणपति बापा मोरिया के जयकारों से भी मंदिर परिसर गूंज उठा. धर्म प्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया. बाबा नगरी देवघर से बाबा की प्रतिमा को मंदिर में स्थापित किया गया. इस अवसर पर क्षेत्र को निरोग और सशक्त बनाने का आह्वान किया गया. साथ ही, सुंदरता, संस्कृति और मोहल्ले को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया.

गोवा से आये विद्यार्थियों ने देखी झारखंड की कला-संस्कृति

रांची . एकेडमिक और कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत गोवा विवि से आये विद्यार्थी व शिक्षक का दल सोमवार को झारखंड की कला एवं संस्कृति से परिचित हुए. वहीं रांची विवि के हिंदी व अंग्रेजी विभागों का भ्रमण भी किया. गोवा विवि दर्शनशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ वाल्टर मेनेजेस के नेतृत्व में भी आये विद्यार्थी व शिक्षक को मोरहाबादी स्थित बेसिक साइंस परिसर में झारखंड की परंपरा के अनुसार गीत संगीत नृत्य से स्वागत किया गया.

आइक्यूएसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने टीम के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर डॉ स्मृति सिंह ने कहा कि हमारा झारखंड बहुत ही सुंदर और कला संस्कृति का धनी राज्य है. रांची विवि सबसे पुराना विवि है, जिसकी प्रतिष्ठित एकेडमिक संस्कृति है. डीएसडब्ल्यू डॉ एसके साहु कहा कि झारखंड की कला-संस्कृति व परंपरा के विशेष महत्व रहा है. इसलिए आपलोग इसे नजदीक से देखें व समझें. डॉ बीके सिन्हा ने कहा कि गोवा की मेहमानबाजी बहुत अच्छी है और हम चाहेंगे कि आप सभी झारखंड की मेहमान बाजी को भी देखें और महसूस करें. एनएसस के को-ऑर्डिनेटर डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि भले देश बड़ा है, भिन्न-भिन्न संस्कृतियां हैं, लेकिन हम सबों में बहुत समानतायें भी हैं. मानवीकी डीन डॉ अर्चना दूबे ने झारखंड आने पर सबों का आभार जताया.

गोवा की टीम को रांची विवि की शॉर्ट फिल्म दिखायी

गोवा की टीम को रांची विवि आइक्वेसी द्वारा तैयार विवि की शॉर्ट फिल्म दिखायी गयी. जबकि गोवा से आये चिन्मय मधु ने भी गोवा विवि पर तैयार शार्ट फिल्म दिखाया. इस अवसर पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया. टीम के सभी सदस्य हेरिटेज टूर के तहत रॉक गार्डेन, टैगोर हिल, ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं म्यूजियम, राजभवन, नक्षत्र वन, हाइकोर्ट, जेएससीए स्टेडियम, धुर्वा डैम तथा विधान सभा भवन देखा. इस अवसर पर डॉ जीसी झा, सुमित डे, दीपाली डुंगडुंग, विवेक दास, मनीष कुमार, फरहान, बिपुल नायक सहित सभी डीन व विभागाध्यक्ष उपस्थित थे.

अमर शहीद वीर बुधू भगत जैसे कई अमर शहीदों को उनकी पहचान नहीं मिल पाई है: सुखदेव भगत

रांची। मैना बगीचा मैदान में आयोजित जतरा सह विकास मेले में सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि अमर शहीद वीर बुधू भगत जैसे कई अमर शहीदों को उनकी पहचान नहीं मिल पाई है. उन्होंने कहा कि जतरा सह विकास मेले का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है, ताकि लोग उनके बलिदान को जान पाएं और इनके कार्यों को झारखंड के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए. मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने शिरकत की.

शहीदों की वीर गाथा पाठ्यक्रम में किया जाएगा शामिल

मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि आजादी के बाद जो पहचान झारखंड के अमर शहीदों को मिलनी चाहिए थी, उसमें कमी है. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इसे दूर करेगी और जो पहचान और विकास उनके गांव की होनी चाहिए, वो करेंगे. शहीद स्थल वाले क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और अमर शहीदों की वीर गाथा को झारखंड के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का हर प्रयास किया जाएगा.

दीक्षांत समारोह के लिए आवेदन करने की तिथि 20 तक बढ़ी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची . रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने सात मार्च 2025 को आयोजित होनेवाले 38वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी गयी है. अब विद्यार्थी 18 फरवरी से 20 फरवरी 2025 तक आवेदन कर सकते हैं. समारोह में स्नातकोत्तर परीक्षा एवं पीएचडी/डी लिट/डीएससी परीक्षा के परीक्षाफल का प्रकाशन एक फरवरी 2024 से 31 जनवरी 2025 के बीच हुआ हो तथा वे उत्तीर्ण हुए हों. वे आवेदन कर सकते हैं. आवेदन करने के बाद ही वे समारोह में उपस्थित हो कर उपाधि/गोल्ड मेडल प्राप्त कर सकते हैं. इस समारोह में टॉपरों के बीच 77 गोल्ड मेडल का वितरण किया जायेगा. आवेदन रांची विवि के वेबसाइट (http//ranchiuniversity.ac.in) पर कर सकते हैं. विद्यार्थी वेबसाइट पर एग्जामिनेशन पोर्टल पर 38वां दीक्षांत समारोह 2025 पर क्लिक कर आवेदन अप्लाइ कर सकते हैं. समारोह की आयोजन मोरहाबादी स्थित दीक्षांत मंडप पर होगा. जिसके मुख्य अतिथि राज्यपाल होंगे. समारोह में लगभग आठ हजार विद्यार्थियों को डिग्री दी जायेगी.

इग्नू का दीक्षांत समारोह पांच को

रांची. इदिया गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 38वां दीक्षांत समारोह पांच मार्च 2025 को होगा. मुख्य कार्यक्रम इग्नू के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में होगा. जबकि रांची सहित देश के 39 क्षेत्रीय केंद्र में भी इसका आयोजन होगा. इग्नू के रांची स्थित क्षेत्रीय केंद्र में इस समारोह का आयोजन किया जायेगा. जिसमें दिसंबर 2023 और जून 2024 में उत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल होंगे. सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी 25 फरवरी 2025 तक इग्नू के वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए विद्यार्थी को 600 रुपये का भुगतान करना होगा.

101 सदस्यों ने बाबा मंदिर को 71 निशान अर्पित किए

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल का 101 सदस्यीय दल सोमवार को श्याम भक्तों के साथ परशुराम निशान भवन में निशान पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ. मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया और मंजू ढानढनिया ने अखंड ज्योति प्रज्वलित की और बाबा श्याम को पेड़ा, फल, और मेवा अर्पित किया. इस दौरान निशान पूजन के प्रभारी श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा, अनिल नारनौली, श्रवण अग्रवाल, बालकृष्ण अग्रवाल, राजीव केडिया, वेद भूषण, जैन पप्पू, अमित झुनझुनवाला, निखिल नारनौली, अमित सरावगी ने पूजन किया. भजनों का कार्यक्रम निरंतर चलता रहा, जिसमें गणेश वंदना से भजनों की शुरूआत हुई. चढ़वा दे बाबा श्याम निशान म्हारो चढ़वा देङ्क जैसे भजनों के गायन से भक्तगण भाव विभोर हो गए. दोपहर 2 बजे मंडल के 101 सदस्यों ने 71 निशानों का पूजन प्रारंभ किया और श्याम भक्तों की टोली ने निशान यात्रा शुरू की. भक्तों के हाथों में लहराते निशान और इष्ट देव के प्रति उनका भाव बहुत ही श्रद्धा भाव से भरा हुआ था. यह यात्रा 4:30 बजे करणी माता मंदिर पहुंची, जहां मंडल द्वारा अल्पाहार और फलाहार की व्यवस्था की गई थी. इसके बाद निशान यात्रा 7:30 बजे खाटू स्थित तोरण द्वार पहुंची और रात 9 बजे श्री श्याम मित्र मंडल का ध्वज निशान बाबा श्याम के समक्ष अर्पित किया गया. इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंजू ढानढनिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, यात्रा उपसंयोजक राजीव रंजन, मित्तल स्नेहा पोद्दार, उपमंत्री अनिल नारनौली, बालकृष्ण अग्रवाल, राजीव केडिया, अमित झुनझुनवाला, भारती चितलांगिया, अन्नपूर्णा सरावगी, विजयश्री साबू, रमा सरावगी, वेद भूषण जैन, पप्पू, नेहा सरावगी, शोभा सिंघानिया समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

युवाओं की सामाजिक संगठनों में बढ़ती भागीदारी अच्छा संकेतः अनुज सिन्हा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। मैथन हॉल में विचार गोष्ठी ह्यशहीदों का सपना और युवाओं की भागीदारीह्न का आयोजन हुआ. यह आयोजन अबुआ अधिकार मंच द्वारा किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक अनुज कुमार सिन्हा शामिल हुए. सिन्हा ने कहा कि लंबे संघर्ष, आंदोलन और शहादत से झारखंड अलग राज्य का गठन हुआ है. युवाओं को इसे संवारने और हर झारखंडी के हक-अधिकार को सुरक्षित और सुनिश्चित करने के लिए आगे आना होगा. कहा कि युवा अपनी क्षमता और ऊर्जा का बेहतर उपयोग अपने भविष्य को संवारने के साथ-साथ झारखंड के सतत विकास में लगाएं. यही झारखंड के शहीदों के प्रति सच्चा विश्वास और सम्मान होगा. उन्होंने झारखंड आंदोलन, धरती पुत्रों के संघर्ष और शहादत पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को अलग राज्य गठन के उद्देश्य को समझना चाहिए और विचारों की क्रांति का अलख जगाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए. कहा कि युवाओं की सामाजिक संगठनों में बढ़ती भागीदारी एक अच्छा संकेत है और इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है.

झारखंड शहीदों के बलिदान की देन हैः प्रो. विनय

कार्यक्रम में प्रो. विनय भरत ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड शहीदों के बलिदान की देन है. इसे संवारने की जिम्मेदारी अब नई पीढ़ी पर है. उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नेतृत्वकारी भूमिका में आगे आएं और झारखंड के समग्र विकास के लिए सक्रिय योगदान दें. उन्होंने झारखंड में रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में युवाओं की भागीदारी को जरूरी बताया.

राज्य के ज्वलंत मुद्दों को सुलझाने के लिए आगे आएं युवाः सरजीत मिर्धा

झारखंड आंदोलन के प्रमुख सेनानी सरजीत मिर्धा ने झारखंड आंदोलन के दौरान अपने संघर्ष के अनुभव साझा किया. युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे राज्य के ज्वलंत मुद्दों को सुलझाने के लिए सकारात्मक पहल करें. उन्होंने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन की रक्षा के साथ-साथ युवाओं को राज्य में शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए आवाज बुलंद करनी होगी.

राजनीतिक दलों ने लड़ने भिड़ने वालों का केवल इस्तेमाल कियाः घनश्याम मुंडा

सभी राजनीतिक दलों के लड़ने भिड़ने वालो का केवल इस्तेमाल किया है. उन्हें ना राज्य से मतलब ना राज्यवासियों से. युवाओं को आगे आना होगा तो चुनावी भावना से ऊपर उठकर अपने अधिकार की लड़ाई लड़े. इस विचार गोष्ठी में हजारों की संख्या में युवा उपस्थित थे, जिन्होंने झारखंड के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लिया. अबुआ अधिकार मंच ने झारखंड के विकास के लिए युवाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपने अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया. इस अवसर पर मुख्य रूप से गौतम सिंह, नीरज वर्मा, घनश्याम मुंडा, विश्वास उरांव, नीतीश सिंह, अभिषेक शुक्ला, अभिषेक झा, अंशुतोष कुमार, विशाल यादव, गुलाबी मुंडा, नेहा महतो, अभिनाश उरांव, सुमित कुमार, मुदस्सर अंसारी, प्रेम, मनजीत, बी.एस. महतो, ऋषभ आनंद, मनजीत साहू, हरिओम महतो, प्रियांशु शर्मा, राजकुमार महतो, गुंचा कमर, रूफी परवीन, मनीषा महतो, ईशा गुप्ता, सुशील, पंचम, साहिल, सिद्धांत, अमन, मुसाबिर, अंकित, राहुल व अदनान मुख्य रूप से मौजूद थे.

राज्य सरकार को आम जनता की बुनियादी जरूरतों पर ध्यान देना चाहिएः राफिया नाज

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि सरकार को महंगे पर्यटन आयोजनों के बजाय आम जनता की बुनियादी जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए.

महंगे पर्यटन आयोजनों पर सवाल

राफिया नाज ने स्काईडाइविंग फेस्टिवल -2025 पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इस तरह का महंगा आयोजन आम लोगों की पहुंच से बाहर है. उन्होंने कहा है कि स्काईडाइविंग जैसी महंगी गतिविधियों को बढ़ावा देना, जो प्रति व्यक्ति 28,000 रुपए की लागत में आयोजित होती है, यह आम जनता के लिए सुलभ नहीं है.

सरकार की प्राथमिकताएं उलट

राफिया नाज ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकताएं पूरी तरह से उलट हैं. उन्होंने कहा है कि सरकार को महंगे पर्यटन आयोजनों पर पैसे खर्च करने के बजाय स्कूलों के बच्चों को बुनियादी सुविधाएं देने पर ध्यान देना चाहिए. विधवा महिलाओं के लिए पेंशन योजना शुरू की जानी चाहिए, वहीं सरकारी कर्मचारियों की लंबित तनख्वाह का भुगतान शीघ्र किया जाना चाहिए.

बरहरवा आरपीएफ ने तस्करी के अवैध शराब ट्रैन से किया बरामद,एक तस्कर गिरफ्तार , 79,780 रुपये के ट्रैन अवैध शराब बरामद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। रविवार को बरहरवा आरिपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार को सूचना मिली कि ट्रेन नंबरझ्03417 अप (झूसी स्पेशल फेयर महाकुंभ) में बड़ी मात्रा में स्लीपर कोच S /3 और S/4 में अवैध शराब तस्करी कर ले जाया रहा है। प्राप्त सूचना के आधार पर जब ट्रेन बरहरवा रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 01 पर समय 9.45 बजे आई तो आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहड़वा संजीव कुमार के नेतृत्व में ,सीपीडीएस टीम मालदा एएसआई आदित्य कुमार ठाकुर,कांस्टेबल/तरुण भूषण ,कांस्टेबल अनिल कुमार दास , कांस्टेबल कुमार प्रियंकर और आरपीएफ टीम बरहड़वा एएसआई जलेश्वर कुमार दुबे, हेड कांस्टेबल संजय कुमार , हेड कांस्टेबल नील कमल बरूई,कांस्टेबल मृत्युंजय कुमार और ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टी हेड कांस्टेबल अनिमेष बिस्वास और कांस्टेबल पी के मंडल के साथ मिलकर स्लीपर कोच S/ 3 और S/4 को सावधानीपूर्वक सर्च किया तो S/ 3 कोच के बाथरूम के पास से एक व्यक्ति को एक पिट्ठू बैग के साथ गिरफ्तार किया गया ,जिसका नाम सुमन कुमार, उम्रझ 20 साल ,पिताझ संजय कुमार ,पताझसंदलपुर,मुफ्फसिल ,मुंगेर बिहार बताया। जब उसके बाग को खोल कर चेक किया गया तो उसमें 48 बोतल ओल्ड मॉन्क रम की मिली जिसकी कीमतझ14,880/-रुपए है। मिली सूचना के आधार पर S/4 कोच को पूर्ण रूप चेक किया गया जिसमे से एक हैंड बैग और तीन पिट्ठू बैग टॉयलेट के अंदर से बरामद किए गए जिनके बारे में कोच में मौजूद यात्रियों से पूछताछ की गई तो सभी ने इन बैगों के बारे अपनी अनभिज्ञता जाहिर की। उसके बाद बरामद किए गए बैगों को खोल कर चेक किया गया तो सभी में अलग अलग ब्रांड की फॉरेन लीकर मिली। सभी को बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 में उतारा गया और अलग अलग कर बैगों को चेक किया गया तो उनमें से

1) 64 पीस हेवर्ड केन बीयर की हैंड बैग में मिली और तीनों पिट्ठू बैगों में

2) कुल 95 बोतल ओल्ड मॉन्क रम की मिली। उपरोक्त सभी को अनक्लेम्ड सीज्ड किया गया।

उपरोक्त गिरफ्तार व्यक्ति और जब्त फॉरेन लीकर को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया।जब्त किए गए अवैध शराब की कुल अनुमानित कीमतझ 79,780/-* रुपए है। इस सम्बन्ध में एक्साइज इंस्पेक्टर साहिबगंज को सूचित कर बरामद अवैध शराब को सुपुर्द कर दिया गया,वहीं गिरफ्तार अभियुक्त को अग्रेषित कार्यवाही हेतु न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सूत्रों की माने तो लम्बे समय से प.बंगाल से अवैध शराब की खरीद कर तस्करी के माध्यम से बिहार ले जाया जाता है,वैसे तो बिहार सरकार द्वारा शराब पूर्ण रूप से पूरे राज्य में प्रतिबंधित है ,तस्करी कर दूसरे राज्यों से शराब ले जाकर तस्करो द्वारा बिहार में अधिक मूल्यों में खपाया जाता है।परंतु रेल पुलिस व रेलवे सुरक्षा फोर्स की सतर्कता से तस्करो के मंसूबे पर काफी हद तक अंकुश लगाई जा चुकी है ,और इसी अभियान में बरहरवा आरिपीएफ लगातार छापेमारी और जाँच अभियान संचालित कर इन तस्करो और अवैध शराब को धर दबोचने में सफलता हासिल कर रहे है,बरहरवा आरिपीएफ इंस्पेक्टर ने कहा कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा पकड़े जाने पर कड़ी कानूनी कार्यवाही कज जायेगीं।

उपायुक्त हेमंत सती ने भूमि संरक्षण योजनाओं की समीक्षा बैठक की

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में भूमि संरक्षण विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों की जानकारी ली और विभागीय पदाधिकारी को कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।बैठक में पदाधिकारी ने अब तक की प्रगति, क्रियान्वित योजनाओं, एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।उपायुक्त ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि भूमि संरक्षण एवं जल प्रबंधन से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए, जिससे कृषि क्षेत्र को लाभ मिल सके। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए।बैठक में भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं का सही क्रियान्वयन ही किसानों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने विभाग को आवश्यक संसाधन और तकनीकी सहायता प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

विदेशी सैलानियों ने किया ऐतिहासिक धरोहर का भ्रमण

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मंगलहाट स्थित जामा मस्जिद तथा बाराद्वारी हमेशा से ही विदेशी पर्यटकों का पसंदीदा स्थान रहा है। जहां आए दिन विभिन्न देशों से विदेशी पर्यटक भ्रमण करने पहुंचते हैं। सोमवार को भी गाइड दीपक मिश्रा के नेतृत्व में आस्ट्रेलिया से दस, यूनाइटेड स्टेट से चार, यूनाइटेड किंगडम से चार कुल चार देशों के 18 विदेशी पर्यटक भ्रमण करने पहुंचे। जहां विदेशी पर्यटकों ने ऐतिहासिक धरोहर के खूबसूरती की दृश्यों को अपने कमरे में कैद किया और ऐतिहासिक धरोहर की सराहना की। इसके बाद ऐतिहासिक धरोहर के पीछे मुगल कालीन मानसिंह शिव मंदिर दर्शन करने पहुंचे। जहां पर्यटकों ने पूजा अर्चना एवं मंदिर परिक्रमा किया इसके उपरांत विदेशी पर्यटकों ने भारतीय रहन सहन को देखने के लिए धरोहर से सटे गांव गढ़तलाव का भी भ्रमण किया और लोगों के साथ जम कर सेल्फी खिंचवाई और बच्चों के बीच चॉकलेट व कुरकुरे भी बांटा।

बिन्दुवासिनी स्टेशन संघर्ष समिति व कांग्रेसियों ने स्टेशन का दर्जा दिलाने को लेकर संयुक्त रुप से किया प्रदर्शन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। मालदा डिवीजन अंतर्गत बिन्दुबासनी हॉल्ट स्टेशन परिसर में बिन्दुबासनी हाल्ट स्टेशन संघर्ष समिति के बैनर तले पूर्ण स्टेशन घोषित करने एवं विभिन्न ट्रेन की ठहराव के मांग को लेकर सोमवार को तीसरे एवं अंतिम दिन भी शांति पूर्वक धरना-प्रदर्शन किया गया,जिसमे कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान भी धरना प्रदर्शन के समर्थन में सैकड़ों समर्थकों के साथ शामिल हुए। शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन में ग्रामीणों ने विभिन्न मांगों की पट्टा लेकर रेल प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। बरकत खान ने अपने सम्बोधन में कहा कि कोरोना काल के पूर्व ट्रेन संख्या 53433,53053 तथा 53022 का ठहराव बिंदुवासिनी हॉल्ट में होता था,लेकिन कोरोना काल के बाद उक्त ट्रेनों का ठहराव बिंदुवासिनी हॉल्ट में में बंद कर दिया गया है जिससे व्यवसायिक वर्ग,छात्र-छात्राओं एवं आम जनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।उक्त ट्रेनों का ठहराव पूर्व की भांति विंध्यवासिनी हॉल्ट में हो, साथ ही विंध्यवासिनी हॉल्ट को पूर्ण रुप से स्टेशन घोषित किया जाए तथा मालदा बर्धमान पैसेंजर ट्रेन को चालू कर इसका ठहराव मालदा से रामपुरहाट तक सभी रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित किया जाए। बरकत खान ने मीडिया को अपने सम्बोधन मे बताया कि अगर उक्त मांगे पूरी नहीं होती है तो आगे उग्र जन आन्दोलन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में लोगों ने अपनी मांगों को लेकर केन्द्र सरकार एवं रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मौके पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, मोरसलीम खान, हजरत अली,मोहम्मद इकबाल, मुखिया इश्तियाक हुसैन, सद्दाम हुसैन, अनंत लाल भगत, भोला महतो, दिनेश तुरी, छोटेलाल रामानी, असगर अली, शुभजित मिश्रा, मोती अंसारी, दाऊद शेख, दौरान चौधरी, अकबर खान, खैरुल मुफाक,अनारूल खान, सुकरान, जहांगीर, तौफिक ,शमसेर खान,सहमत खान, मोहम्मद अख्तरुल, अशफाक, अशोक घोष, कलाम अंसारी सहित सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

जिला कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होंने विशेष रूप से छात्रवृत्ति योजना, आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और आवासीय विद्यालयों की स्थिति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में जिला परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास समेत अन्य उपस्थित रहे।

रोजगार मेला का शुभारंभ जेएसएलपीएस पदाधिकारी संतोष कुमार, मुखिया दीपा देवी,उप प्रमुख मामलात शेख ने दीप प्रज्वलित कर किया

उधवा/साहिबगंज। ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार द्वारा संचालित जेएसएलपीएस अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत रोजगार सुनिश्चित करने हेतु प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत सचिवालय के समीप आम बगान में सोमवार को एकदिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जेएसएलपीएस के जिला वित्तीय अधिकारी संतोष कुमार, पूर्वी उधवा पंचायत के मुखिया दीपा देवी, उप प्रमुख मामलात शेख, बीपीएम उधवा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।रोजगार मेला में विभिन्न कंपनियों के पीआई मौजूद थे। इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत से आए बेरोजगार युवक विभक्तियों ने रोजगार सुनिश्चित करने हेतु अपना-अपना विभिन्न कंपनियों में पंजीकरण कराया है। इस संबंध में जेएसएलपीएस के जिला से आए पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र से गरीब बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार देने का काम किया जा रहा है। पढ़े लिखे गरीब बेरोजगार के लिए रोजगार मेले के आयोजन कर उनको विभिन्न कंपनियों में नौकरी सुरक्षित किया जा रहा उन्होंने बताया कि अब तक बोलो 74 लोगों का पंजीकरण किया जा चुका है।मौके पर अजय कुमार, बेली खातून, उदय मंडल, श्रीनाथ मंडल सहित अन्य जेएसएलपीएस से जुड़े कर्मी व महिलाएं मौजूद थ।

सड़क पर पानी छिड़काव नहीं होने से ग्रामीणों को हो रही काफी परेशानी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मंडरो/साहिबगंज। साहिबगंज मुख्याल से मिजाचौकी हाजीपुर भीठा डिहारी गांव तक एन एच 80 सड़क वर्षों से गढ़ों में तब्दील हो गया था सड़क की मरमती कार्य शुरू है। आपको बता दें भोलियाटोला गांव से डिहारी गांव तक फोर लेन के भरोसे खराब सड़क को अपने हाल पर छोड़ दी गई हैं। ऐसे में सड़को पर चलने वाली छोटे-बड़े वाहनों के पीछे उड़ती धूलकण से आम लोग परेशान हो रहे है। इस परेशानी से आक्रोशित ग्रामीण सोमवार की सुबह मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के डिहारी स्कूल के समीप सड़क पर इकठ्ठा जिला प्रशासन से सड़क पर जल छिड़काव की मांग करने लगे ।ग्रामीणों का कहना कि भोलियाटोला से डिहारी तक एनएच 80 सड़क के दोनों साईड घनी आबादी निवास करती है। सड़क निर्माण नहीं होने के कारण यहां धूलकण बिखरा पड़ा है जहां वाहन के आवागमन से गाड़ी के पीछे काफी धूल उड़ती है।वही ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य कर रहे कंपनी की ओर से जल छिड़काव नहीं किया जा रहा है जिसके चलते ग्रामीणों के घरों में भी धूलकण भर जाता है। इससे लोगों को परेशानी होती है और साथ ही बीमारी होने की आशंका है।वही ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द ही सड़क पर जल छिड़काव नहीं होती हैं तो सभी ग्रामीण सड़क को जाम करेंगे । वही मौके पर विशंभर यादव, भारत लाल यादव, राजेंद्र यादव, बच्चू यादव ,अशोक यादव, शेषनाथ यादव, रोशन यादव, दीनानाथ यादव के साथ कई ग्रामीण मौजूद थे।

उपायुक्त हेमंत सती ने बाल गृह बॉडरी और वेस्ट टू वंडर पार्क का किया निरीक्षण

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती ने बाल गृह बॉडरी का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाल गृह में रहने वाले बच्चों की स्थिति, सुरक्षा और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके साथ ही, उपायुक्त ने बाल गृह के पीछे जिले में नव-निर्माण किए जाने वाले वेस्ट टू वंडर पार्क और डिजिटल लाइब्रेरी का भी स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।वेस्ट टू वंडर पार्क जिले में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है, जिसमें अपशिष्ट सामग्री से कलात्मक और आकर्षक संरचनाएं बनाई जाएंगी। वहीं, डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण से छात्रों और आम नागरिकों को आधुनिक शिक्षा और डिजिटल संसाधनों की सुविधा मिलेगी।

शाहिद सिद्धू कान्हु के छठे वंशज ने गोड्डा के भाजपा सांसद से की मुलाकात

बरहेट/साहिबगंज।सोमवार को शहिद सिद्धू - कान्हू के छठे वंशज मंडल मुर्मू ने गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे से मुलाकात की। इस मुलाकात में कई राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार विमर्श किया गया।

झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी व सचिव मुजीबुर रहमान बने

बरहेट/साहिबगंज। झामुमो के नव मनोनीत प्रखंड अध्यक्ष श्री बर्नार्ड मरांडी सचिव मुजीबुर रहमान एवं उपाध्यक्ष लुखीराम हेंब्रम को झामुमो जिला संयोजक मंडली के सदस्य श्री राजाराम मरांडी बुद्धिजीवी मोर्चा के पूर्व जिलाअध्यक्ष छवि हेंब्रम पूर्व प्रखंड कोषाध्यक्ष पुसा टुडू ने बुके देकर सम्मानित किया।मरांडी ने अपने शब्दों में कहां कि प्रखंड के नये चेहरे अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष से प्रखंड क्षेत्र के कार्यकताओं में उर्जा का संचार होगा।वही प्रखंड बरहेट में प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान को छोड़कर केंद्रीय एवं ज़िले के अनुमोदन पर सभी नये चेहरे को बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी हैं।नव मनोनीत प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने कहां की आलाकमान ने जो दायित्व हमें सौंपा है।उस पर हर पल हर संभव खरा उतरने का प्रयास करेंगे। प्रखंड क्षेत्र के सभी सम्मानित कार्यकर्तागण का समस्या का समाधान करना हम-सब का पहला प्राथमिकता होगी। मौके पर समदा सोरेन,मैनुल हक,जिसू मरांडी, शाम हेंब्रम,आवाजुद्दीन अंसारी, मरांग हेंब्रम,मनोज हांसदा, सहित अन्य मौजूद थे।

बरहैट में 11 दिवसीय अति महारूद्र यज्ञ 17 मार्च से होगी शुरू

बरहैट/साहिबगंज।प्रखंड क्षेत्र के बरहेट बाजार स्थित बाबा भूतेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी 11 दिवसीय अति महारूद्र यज्ञ एवं विराट मेला के 52 वी वर्षगाठ का आयोजन सोमवार से कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होकर 27 मार्च 2025 दिन बृहस्पतिवार को पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा। महायज्ञ की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कमिटी के सभी सदस्य तैयारी में जुट गए हैं उक्त आशय की जानकारी कमिटी के मीडिया प्रभारी दीपक डोकानिया ने दी है।

झामुमो कार्यकताओं ने नवनिर्वाचित पदधारियों को फूलमाला व गुलदस्ता देकर दी बधाई

झामुमो प्रखंड कमीटी का हुआ विस्तार, प्रखंड अध्यक्ष बने अयुब अली एवं सचिव बने विश्वजीत मंडल

उधवा/साहिबगंज। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक मंडली प्रमुख सह बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के द्वारा प्रखंड कमिटी का विस्तार किया गया। जानकारी के अनुसार झामुमो के वरिष्ठ नेता अयुब अली उर्फ बबुआ को उधवा प्रखंड अध्यक्ष की जम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि भैया किस्कू को उपाध्यक्ष, विश्वजीत मंडल को सचिव एवं मो अब्दुल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इधर नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष को पद दिए जाने पर पार्टी के कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की है। कार्यकताओं ने नवनिर्वाचित पदधारियों को फूलमाला व गुलदस्ता देकर बधाई दी है। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष अयूब शेख उर्फ बबुआ ने कहा कि पार्टी ने मुझपर जो भरोसा जताया है इसके लिए मैं पार्टी के वरीय अधिकारी, सांसद,विधायक आभार प्रकट करता हूं। जिस पद की जिम्मेदारी दी गई है,उसका मैं ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करूंगा एवं पार्टी हित में ऊर्जा के साथ काम करूंगा। सभी कार्यकताओं के साथ मिलकर बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूती दिलाने के लिए कड़ी मेहनत के साथ काम करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि ईमानदारी के साथ संगठन को चलाने और प्रखंड के तमाम जनता के समस्याओं का निराकरण करने में कोई कोर कसर नही छोडूंगा। कहा कि राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन राज्य को देश की अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्य कर रहे है। पंचायत के सभी गरीब लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का हर संभव प्रयास करेंगे। बधाई देने वाले में जहांगीर शेख, अहेदुल इस्लाम, जैनुल आबेदीन शेख, जियाउल शेख, केशरूल शेख, खालेख शेख, शेख फरीद, हारुन रशीद, हफीजूर रहमान,काजू मल्लिक, श्रीबोस मंडल, सुधीर मंडल, सकल हेंब्रम, मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम,याशीन शेख सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

सिविल सर्जन साहिबगंज के द्वारा सदर अस्पताल साहिबगंज का किया निरीक्षण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। सोमवार को सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया साहिबगंज के द्वारा सदर अस्पताल साहिबगंज के प्रसव कक्ष, लेबर कक्ष, सिजेरियन सेक्शन, एसएनसीयू, अल्ट्रासाउंड यूनिट, आईपीडी वार्ड, का निरीक्षण किया गया। सिजेरियन डिलीवरी,में उपयोग होने वाले ड्रग्स और उपयोग सामग्रियों के बफर स्टॉक में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभारी एएनएम, हॉस्पिटल मैनेजर और स्टोर कीपर को निदेशित किया और अस्पताल प्रबंधक को पर्याप्त मात्रा में दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की आपूर्ति के लिए प्रत्येक 07 दिनों में एएनएम से स्टोरकीपर को उपयोगिता रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सदर अस्पताल में कार्यरत एएनएम, ड्यूटी उपरान्त दवाइयां, उपभोग्य वस्तुएं, बेडशीट, कंबल का रजिस्टर बनाने तथा लेखा-जोखा का भी हैंड ओवर, टेक ओवर करवावे हेतु अस्पताल प्रबंधक और लिपिक को निर्देशित किया। ड्यूटी रोस्टर के अनुसार अपनी ड्यूटी के समय पर स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थेटिस्ट को कार्य करने के लिए निर्देशित किया, जिससे ऑपरेशन हेतु मरीजों को समय पर सर्जरी की जा सके। माँ और नवजात शिशुओं में होने वाली जटिलताओं को रोका जा सके।अल्ट्रासाउंड रूम में स्वयं अल्ट्रासाउंड हेतु आए पेशेंट का अल्ट्रासाउंड की गुणवत्ता की टेस्टिंग की और बायोमेडिकल इंजीनियर को 24 घंटे में मशीन से संबंधित समस्याओं ठीक करने का निर्देश और हॉस्पिटल मैनेजर को अविलंब अल्ट्रासाउंड की सेवा शुरू करने के लिए निर्देश दिया, जिससे प्रसव पूर्व मरीजों को जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मुफ्त अल्ट्रासाउंड की सुविधा और आयुष्मान कार्ड धारक जो आईपीडी वार्ड में भर्ती हैं ,मुफ्त अल्ट्रासाउंड की सुविधा ले सके।अस्पताल में इलाज के लिए मरीजों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करने के लिए मरीजों के पुराने स्ट्रेचर को बदलकर नया स्ट्रेचर और व्हीलचेयर 24 घंटे उपलब्ध कराने का अस्पताल प्रबंधक को दिशा निर्देश दिए।

सदर युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कौसर आलम ने साहिबगंज विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता से मिल कर सौंपा ज्ञापन

साहिबगंज। सदर युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कौसर आलम ने साहिबगंज विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता शम्भू चौधरी से मिलकर महादेवगंज फिडर से 1100 बोल्ट महादेवगंज से लालबथानी तक आने वाली पोल को लोहा वाला ऊंचा पोल लगवाने के लिए ज्ञापन सौंपा।वहीं कौसर आलम ने बताया कि यह क्षेत्र बाढ़ प्रभावित इलाका है।और यहां हर वर्ष बाढ़ आने के कारण सभी जगह पानी भर जाने के कारण क्षेत्र में बिजली कट दीं जाती हैं और लगभग दो महीने तक यहां बिजली गुल रहती है जबकि बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।श्री आलम ने कहा कि जल्द ही काम शुरू हों जाने से लोगों को गर्मी में परेशानी नहीं होगी।वहीं कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया,कि जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

यातायात निरीक्षक जेएम साहा के स्थानांतरण पर ईजरप्पा ने दी भावभीनी विदाई

ज्योतिर्मयी साहा,यातायात निरीक्षक का तबादला

विगत 30 वर्षों से पाकुड़ में थे पाकुड़ स्थापित

ईजरप्पा एवं स्थानीय लोगों ने की कामकाज की सराहना

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : यातायात निरीक्षक(प्रतीवीक्षक) पूर्व रेलवे पाकुड़ के पद पर स्थापित ज्योतिर्मयी साहा का स्थानांतरण हावड़ा हो गया है। इस अवसर पर ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के द्वारा स्थानांतरित यातायात निरीक्षक (प्रतीवीक्षक)को भावपूर्ण विदाई दिया।इस दौरान उपस्थित ईजरप्पा के सभी कार्यकताओं ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय,सचिव राणा शुक्ला,सह सचिव अनिकेत गोस्वामी, स्टेशन प्रबंधक लखीराम हेंब्रम, यातायात निरीक्षक प्रतिवीक्षक,प्रवीण कुमार,यातायात निरीक्षक कोल नितीश कुमार मौजूद थे।विदाई-सह-सम्मान समारोह में ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हिसाबी राय सचिव राणा शुक्ला,सह सचिव अनिकेत गोस्वामी ने साहा को शाल ओढ़ाकर एवं अंग वस्त्र प्रदान कर माल्यार्पण किया और फूल मालाओं से लाद दिया तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनको सम्मानित किया।इस विदाई की बेला में सभी की आंखें नम थी। पूर्व वार्ड पार्षद बेला मजुमदार ने विदाई गीत का गायन किया।इस अवसर पर ईजरप्पा के अध्यक्ष हिसाबी राय ने कहा कि साहा के कार्यों व क्रियाकलाप एवं उनके व्यक्तित्व के विषय में बखान करना कतई संभव नहीं है,क्योंकि पाकुड़ में सहायक स्टेशन प्रबंधक के रूप में 1995 में पदस्थापन के उपरांत विकास 30 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने रेल सेवा में कई नए कीर्तिमान स्थापित किया है।कई बार उन्हें पूर्व रेलवे के द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सराहा गया एवं सम्मानित भी किया गया।रेल यात्रियों के लिए विभिन्न सुविधाओं को अपने क्षेत्र में उपलब्ध करवाने के लिए साहा सतत प्रयत्नशील रहे एवं किसी भी रेल यात्रियों को कोई परेशानी ना हो हमेशा विशेष ध्यान रहा,जिसका परिणाम है कि आज पाकुड़ रेलवे स्टेशन साफ सुथरा,पेयजल की सुदृढ़ व्यवस्था चहुंओर यात्री सुविधा से पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिपूर्ण है।इनका स्थानांतरण होना न केवल रेलवे अपितु रेल यात्रियों के लिए अपुर्णिय क्षति है।साहा जी जहां भी रहे स्वस्थ रहें,दिघार्यु हो हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना ईश्वर से करते हैं।

इस मौके पर यातायात निरीक्षक ज्योतिर्मयी साहा ने कहा कि मैंने रेलवे के द्वारा दिए गए विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर्मठता और ईमानदारी पूर्वक किया है।मुझे यहां के रेल यात्रियों,रेल कर्मियों,पाकुड़ समाज एवं विशेष कर रेल यात्रियों के सेवा में सतत प्रयत्नशील ईजरप्पा हावड़ा मंडल का बहुत सहयोग मिला है।मैं सहायक स्टेशन प्रबंधक पाकुड़ के पद पर रामपुरहाट से स्थानांतरित होकर पाकुड़ आया था और देखते ही देखते 30 वर्ष कैसे बीत गए पता ही नहीं चला जैसे कल की बात हो यह कहते ही उनके आंखें डबडबा गई।आप सभी का जो सहयोग मुझे मिला है मेरे दिल में है वह अमिट छाप है जो कभी मिट नहीं सकता है।मैं आपका सदैव आभारी रहूंगा और तहे दिल से आपका आभार प्रकट करता हूं। साहा दा के सम्मान में लखीराम हेंब्रम,प्रवीण कुमार,नीतीश कुमार, राणा शुक्ला ने अपने-अपने विचारों को रखा.कार्यक्रम का संचालन अनिकेत गोस्वामी और धन्यवाद ज्ञापन अमित साहा ने किया।कार्यक्रम में शीलादित्य मुखर्जी, बेला मजुमदार,अमित साहा,पिन्टू हाजरा, विष्णु भंडारी,राज ठाकुर, बहादुर मंडल, सादेकुल आलम,राजेश रविदास,अक्षय मंडल, संजय राय,अब्दुल अलीम,दिलदार हुसैन,नजरुल शेख,गुलाम अम्बिया सहित ईजरप्पा के दर्जनों कार्यकर्ता मौजुद थे।

रेलवे फाटक से मौलाना चौक तक निकाली गई प्रभात फेरी

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह- अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर सचिव अजय कुमार गुड़िया के मार्गदर्शन में नब्बे दिवसीय आउटरीच सह- विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रभात फेरी पाकुड़ के रेलवे फाटक से स्वामी विवेकानंद चौक होते हुए मौलाना अबुल कलाम आजाद चौक तक निकाली गई। इस दौरान नब्बे दिवसीय आउटरीच सह विधिक जागरूकता कार्यक्रम के उद्देश्य पर जागरूक की गई। कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, घरेलू हिंसा, साइबर ठग से बचाव को लेकर जागरूक की गई। साथ ही नालसा के योजनाओं से के बारे में जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता से सम्बन्धित पर्ची पुस्तिका वितरण किया गया। इस दौरान लोगों से चौक- चौराहे में उनकी समस्या सुनी गई। जिसमें वृद्धा पेंशन एवं अन्य सरकारी योजनाओं से सम्बन्धित लाभ से वंचित लोगों का आवेदन की प्रक्रिया व जमा करने को लेकर सम्बन्धित पीएलवी का सम्पर्क नंबर दिया गया। मौके पर पीएलवी कमला राय गांगुली, चंद्र शेखर घोष उत्पल मंडल, एजारुल शेख, मैनुल शेख, नीरज कुमार राउत समेत अन्य उपस्थित रहे।

सिंदरी की जन समस्याओं को लेकर संसद ढुलु महतो ने एफसीआईएल प्रबंधन को सौपा ज्ञापन

कुलबीर सिंह@ झारखंड उजाला संवाददाता

सिंदरी/ धनबाद। सिंदरी शहर में वी एस एस की तरह नई आवास नीति, डोमगढ़ आवास से लोगों का विस्थापन , विस्थापन नीति के तहत विस्थापितों को बसाना, पूर्व बंद पड़े मुख्य अस्पताल को फिर से चालू कराने एवं कई मुद्दों को लेकर धनबाद सांसद ढुलू महतो ने सोमवार को एफ सी आई एल प्रबंधन से वार्ता कर ज्ञापन सौपा। वार्ता में संसद के संग धनबाद ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर,सिंदरी चेंबर के अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू, सिंदरी भाजपा नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक एवं एफसीआईएल प्रबंधन की तरफ से कार्यरत जनरल मैनेजर विजय चौधरी, संपदा अधिकारी देवदास अधिकारी एवं लीगल ऑफिसर एसके दत्ता शामिल हुए। दीपक कुमार दीपू ने एफ सी आई एल प्रबंधन से पूर्व वीएसएस की तहत नई आवास नीति लाने के लिए कहा। उन्होंने 2002 से ली गई राशि को सिक्योरिटी के रूप में जमा कराते हुए लीज अवधि के संशोधन करने की बात कही। तीसरा एफसीआईएल द्वारा एक ही आवास में दो बार भाड़ा लिया जा रहा है जिसे तत्काल संशोधित किया जाना चाहिए। चौथा 25 गांव के लोग जिनकी जमीन पर एफ सी आई एल खाद कारखाना बनाया गया उन लोगों को पुनर्वास किया जाए जिससे उन्हें राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। पांचवा सिंदरी के प्राइवेट मकान /झोपड़ी एवं दुकानदारों के लिए स्थाई नीति लाई जाए और सातवां सिंदरी के बंद पड़े 206 बेड वाले अस्पताल को पुनः व्यवस्थित कर चालू किया जाए। संसद द्वारा कहा गया कि10 मार्च वे दिल्ली जाएंगे जहां केंद्रीय मंत्री से मिलकर समस्या का समाधान करेंगे।मौके पर इंद्र मोहन सिंह, शैलेश सिंह, अनिमा सिंह, धनबाद से नितिन भट्ट,राकेश तिवारी, संजू महतो सहित कई उपस्थित थे।

फाइलेरिया उन्मूलन के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला के वरीय पदाधिकारी के देखरेख में लगातार लगाए जा रहे कैम्प

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : जिला स्वास्थ्य टीम द्वारा 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलने वाली फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत पूरे जिले में कैम्प का आयोजन कर लोगों को फाइलेरिया निरोधक गोलियों का सेवन कराया जा रहा है। ग्रामीण इलाकों के अधिक भीड़भाड़ वाले जगहों, विद्यालयों को चिन्हित कर वहां कैम्प आयोजित करने का विशेष निर्देश दिया गया है।इसके तहत नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 16 में जन वितरण प्रणाली विक्रेता तौफीक हुसैन के पास जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह की देखरेख में कैम्प का आयोजन कर लोगों को दवा का सेवन कराया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने उपस्थित लोगों को फाइलेरिया का दवा लेने के लिए प्रेरित किया। महेशपुर में अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ यादव तथा पाकुड़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं लिट्टीपाड़ा बीडीओ संजय कुमार, अमड़ापाड़ा बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता एवं पाकुड़िया में परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, बीडीओ सोमनाथ बनर्जी ने कई जगहों पर कैम्प का आयोजन कराते हुए लोगों को दवा का सेवन कराया।

एचयूआरएल सिंदरी का औद्योगिक दौरा : बीआईटी सिंदरी के विद्युत इंजीनियरिंग छात्रों के लिए एक मूल्यवान सीखने का अनुभव

कुलबीर सिंह@ झारखंड उजाला संवाददाता

सिंदरी/धनबाद। 17 फरवरी 2025: बीआईटी सिंदरी के विद्युत इंजीनियरिंग विभाग ने हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड (एच यू आर एल), सिंदरी का एक दिवसीय औद्योगिक दौरा आयोजित किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को औद्योगिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। इस औद्योगिक भ्रमण का आयोजन डॉ. एच.सी. वर्मा और श्री संजय पाल, सहायक प्राध्यापक, विद्युत विभाग के मार्गदर्शन में किया गया। छात्रों ने संयंत्र में यूरिया और अमोनिया के उत्पादन प्रक्रिया, सुरक्षा उपायों, विद्युत उत्पादन प्रणाली और जनरेटर-ट्रांसफार्मर सिस्टम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

एच यू आर एल के वी.पी (टेक्निकल) श्री गौतम मांझी ने छात्रों को संबोधित किया और औद्योगिक ज्ञान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। इसके अलावा, एचआर विभाग के सहायक प्रबंधक श्री मंशुल जैन ने संयंत्र के संचालन पर विस्तृत जानकारी दी और छात्रों को इंटर्नशिप तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराया। दौरे के दौरान, विद्युत विभाग प्रमुख श्री ए.एस. महाना ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और संयंत्र के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की व्याख्या की। उनकी विशेषज्ञता ने छात्रों को औद्योगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ विकसित करने में सहायता की। इस औद्योगिक दौरे ने छात्रों के ज्ञान को समृद्ध किया और उनके व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने में मदद की। बीआईटी सिंदरी का विद्युत इंजीनियरिंग विभाग भविष्य में भी इस तरह के शैक्षिक दौरों का आयोजन करता रहेगा, जिससे छात्रों को उद्योग की वास्तविक चुनौतियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 355 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : महेशपुर प्रखंड के बिलासी, पाकुड़ प्रखंड के हरिगंज, हिरणपुर प्रखंड के रामकूरा एवं बागशीशा, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सांवलापुर, अमड़ापाड़ा प्रखंड के तालझारी पहाड़ीया बस्ती एवं पाकुड़ प्रखंड के कुड़ापाड़ा में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 355 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ राजेश यादव, डॉ मो अबुतालिब शेख, डॉ कुलेश कुमार, डॉ लावकुश यादव, डॉ मिथलेश सिंह एवं डॉ प्रेम प्रकाश ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। कैंप में योग प्रशिक्षक के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि अगर मनुष्य अपनी जीवन शैली में सुधार कर लेता है तो वह रोगमुक्त जीवन यापन कर सकता है। अगर मनुष्य रोजाना 30 मिनट योग और संतुलित आहार का प्रयोग करें तो वह स्वस्थ रह सकता है।18 फरवरी 2025 को अमड़ापाड़ा प्रखंड के गोरापाड़ा पहाड़िया बस्ती, पाकुड़ प्रखंड के चांचकी, तुलसी नगर एवं शहरकोल, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बासजोर, हिरणपुर प्रखंड के बागशिशा 2 एवं पाकुड़िया प्रखंड के मोगलाबांध में आयुष जांच शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी एवं जांच किया जाएगा।

शॉर्ट सर्किट की वजह से हाईवा गाड़ी जलकर हुई खाक, ड्राइवर ने बचाई अपनी जान

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : रविवार देर रात को अमड़ापाड़ा -पाकुड़ लिंक रोड के सिमालघाट गांव के समीप शॉर्ट सर्किट होने की वजह से एक हाईवा गाड़ी में भीषण आग लग गई जिससे हाईवा गाड़ी बुरी तरह से जलकर खाक हो गई. वहीं सूचना पाने के साथ ही अग्निशमन यंत्र के द्वारा आग को काबू में लाने का काफी प्रयास किया गया पर आग को काबू में नहीं लाया जा सका. अभिषेक ट्रांसपोर्ट के हाईवा संख्या...1 16 ल 5663 पाकुड़ से कोयला उतार कर वापस अमड़ापाड़ा की ओर लौट रहा था,रात के करीब 2:00 बजे गाड़ी में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से अचानक आग लग गई.इसकी भनक लगने के साथ ही ड्राइवर ने करीब 500 मी. दूर तक गाड़ी को आगे बढ़ाया पर आग काफी तेजी से फैलने लगी. इस बीच ड्राइवर अपनी जान बचाने के लिए गाड़ी से कूद कर भाग निकला, आग से गाड़ी की सभी 17 टायर फटने की भयावह स्थिति बनी हुई थी. कोई सामने नहीं जा पा रहा था. वहीं इसकी सूचना मिलने के साथ घटनास्थल पर कोल कंपनी के ट्रांसपोर्ट संबंधित बबलू सिंह मौके पर पहुंचे एवं बीजीआर कोल कंपनी से पानी की टैंकर मंगवा कर आग को बुझाने का अधिक प्रयास किया गया. तत्पश्चात इन्होंने जल्दबाजी में अग्निशमन यंत्र को सूचना दी. अग्निशमन यंत्र के द्वारा काफी देर तक पानी की बौछार कर आग को बुझाने का प्रयास किया गया पर भीषण आग लगी से गाड़ी को बचाया नहीं जा सका. घटनास्थल पर मौजूद लोगों की जानकारी के अनुसार आग काफी तेजी से धधक रही थी. बहरहाल जो भी हो इस भयावह घटना से जान माल की कोई क्षति नहीं हुई. इस संबंध में थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि इसकी लिखित जानकारी मुझे मिली है आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

वाहन ड्राइविंग के दौरान चालक ने खोया संतुलन, हाइवा पेड़ से टकराकर 20 फीट खाई में गिरा

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : बीते सोमवार को एक लोडेड वाहन/ हाइवा के चालक अपने गंतव्य स्थान जाने की नियत से वाहन ड्राइव कर हिरणपुर-कोटालपोखर सड़क मार्ग से जा ही रहा था कि माहरो बड़ा पुल के समीप वाहन का ड्राइवर अचानक संतुलन खो बैठा, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकराकर करीब बीस फीट गहरी खाई में जा गिरा। जिससे वाहन/ हाइवा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। लेकिन गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और चालक एवं खलासी बाल-बाल बचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके चलते ड्राइवर उसे नियंत्रित नहीं कर पाया और यह हादसा हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार इस सड़क पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। हालांकि घटना के तुरन्त बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस को हादसे की सूचना दे दी गई थी।

मानवता की सेवा में हजारीबाग यूथ विंग, 3 मार्च को आयोजित होगा रक्तदान शिविर

रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य है। आइए, 3 मार्च को अधिक से अधिक संख्या में आकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जीवनदान करें : चंद्र प्रकाश जैन

समाज सेवा में रक्तदान का विशेष महत्व है। सभी नागरिकों से आग्रह है कि वे इस महादान में भाग लें और जरूरतमंदों की मदद करें : करण जायसवाल

जागेशवर कुमार @ झारखंड उजाला ब्यूरो।

हजारीबाग: हजारीबाग यूथ विंग द्वारा आगामी 3 मार्च को आयोजित भव्य रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए विभिन्न विद्यालयों, संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के साथ जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह सहित कई अन्य लोगों को संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा आमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। इन सभी से आग्रह किया गया की वे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाएं और रक्तदान के इस पुनीत कार्य में सहयोग करें। इस शिविर के माध्यम से 200 से भी अधिक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, जिन्हें हर 45 दिनों में रक्त की आवश्यकता होती है, उनके लिए जीवनदायी रक्त एकत्रित किया जाएगा। सभी से अपील की गई है कि वे आगे आकर इन बच्चों के लिए एक सहारा बनें। यह रक्तदान शिविर लक्ष्मी सिनेमा हॉल के सभागार में आयोजित होगा और प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। रक्त संग्रहण का कार्य शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से किया जाएगा। रक्तदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर 10 से अधिक रक्त संग्रहण बेड एवं रक्त कुर्सी लगाई जा रही हैं, ताकि रक्तदान प्रक्रिया में किसी को असुविधा न हो। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस महत्त्वपूर्ण सामाजिक कार्य में अपना योगदान दें और मानवता की सेवा में आगे आएं।

संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की

रक्तदान एक महादान है, और यह हमारा नैतिक दायित्व है कि जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। 3 मार्च को आयोजित इस रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक लोग जुड़ें और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए जीवनरक्षक रक्तदान करें। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन का आधार बन सकता है। अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा की यह हजारीबाग यूथ विंग सदैव समाज सेवा के लिए तत्पर रहा है। यह रक्तदान शिविर न केवल जरूरतमंदों की सहायता का माध्यम है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने का भी एक प्रयास है। हम सभी विद्यालयों, संस्थानों और नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और रक्तदान कर एक नई उम्मीद जगाएं.

पानी टंकी निर्माण स्थल को लेकर पदाधिकारीयों ने ग्रामीणों के साथ की बैठक

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

हिरणपुर(पाकुड़) सोमवार को घागरजानी स्थित प्रखंड कार्यालय सभागार में ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में बैठक हुई, जिसमें बीडीओ टुडू दिलीप,अंचल अधिकारी मनोज कुमार, थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे.बताते चलें कि जल जीवन मिशन के तहत बरमसिया स्थित पहाड़ में दाग संख्या 31 पर पानी टंकी निर्माण को लेकर अंचल अधिकारी के द्वारा स्थल का चयन किया गया था,इसको लेकर बीते 13 फरवरी को सीओ सहित थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह एवं डीडब्लूएसडी के पदाधिकारी स्थल निरीक्षण करने पहुंचे थे जहां कुछ ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कहा था कि ग्रामीणों के साथ बैठक होने के उपरांत ही निर्माण कार्य प्रारंभ होने दी जाएगी. इसको लेकर आयोजित बैठक में ग्राम प्रधान दिलीप बेसरा बरमसिया,विप्लव दे डुलमी, लाल यादव तुर्सडीह,सोनू मरांडी छोटा केंदुआ रानू रंजन मुर्मू बड़ा केंदुआ सहित काफी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया,जहां ग्रामीणों ने कहा कि जिस जगह निर्माण स्थल के रूप में चयन हुआ है वह ग्रामीणों की पूजा स्थल है जिसको लेकर ग्राम प्रधानों व ग्रामीणों की सहमति से निर्णय ली गई की पूजा स्थल को छोड़कर पहाड़ में ही करीब 50 से 100 मीटर की दूरी पर जल मीनार का निर्माण किया जाए.इस संबंध में सीओ ने बताया कि प्रखंड में 16 जल मीनार का निर्माण किया जाना है 15 स्थलों पर निर्माण कार्य प्रारंभ है, बरमसिया में जमीन संबंधी विवाद का निपटारा आपसी सहमति से कर लिया गया है, जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा. इस अवसर पर अमित ठाकुर प्रदीप मिश्रा मुंशी सोरेन मंगल मुर्मू बलदेव साहा आदि उपस्थित थे.

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग–अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा–चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

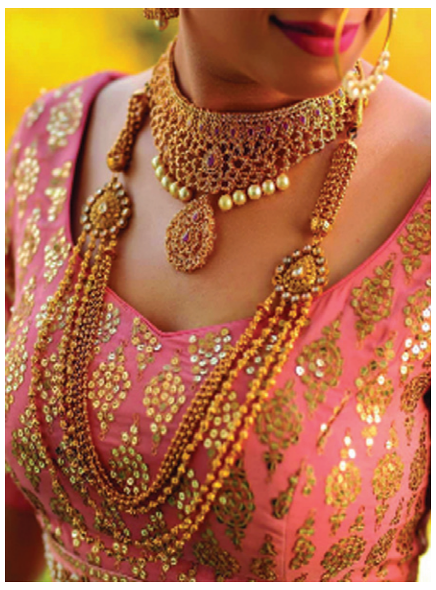

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग–धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता है कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रेस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी-

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी–नेक वाली शर्ट, टी–शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को–ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को–ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू–पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस–बी और एच इन्फलांजी–बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता–पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता–पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार–बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी–पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता–पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता–पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी–कभी मां–बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता–पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए या नहीं?

करण कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

भा देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई बड़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत ही बड़ी खबर नहीं है। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे ने पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखा है। बड़ी खबर यह भी है कि लोग यह समझ चुके हैं कि रेलवे में सुधार की बातें सिर्फ खोखली हैं। बड़ी खबर यह भी है कि तमाम लोगों को इस बात का पक्का विश्वास हो चला है कि पर्वों-त्योहारों और छुट्टियों के समय टिकट खरीदने से लेकर अपने गंतव्य तक पहुँचने तक रेल का सफर परेशान करेगा ही करेगा। बड़ी खबर यह भी है कि रेलवे स्टेशन पर या पटरी पर चलती ट्रेन के साथ कितनी बड़ी दुर्घटना हो जाये, रेल मंत्री कभी नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेंगे। बड़ी खबर यह भी है कि दुर्घटना होने पर मुआवजे या जांच का ऐलान तुरंत ही करने वाले रेल मंत्री अपना इस्तीफा देना तो दूर कभी इस्तीफे की पेशकश तक नहीं करेंगे।

देखा जाये तो रेल मंत्री पद से अश्विनी वैष्णव का इस्तीफा मांगा जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की ही नहीं है। आप रेलवे को समग्र रूप में देखेंगे तो पाएंगे कि कोई बड़ा सुधार कर पाने में अश्विनी वैष्णव पूरी तरह विफल रहे हैं। अगर महाकुंभ की ही बात कर लें तो भले रेल मंत्री ने प्रयागराज के लिए हजारों ट्रेनें चलाने के दावे किये हों लेकिन आप देशभर में सर्वे करा लें तो पाएंगे कि प्रयागराज के लिए ज्यादातर लोगों को ट्रेनों में टिकट मिले ही नहीं और जिनको टिकट मिले उनका सफर आरामदायक नहीं रहा। यही नहीं, हैरानी की बात यह भी रही कि प्रयागराज के लिए रेलवे की वेबसाइट और ऐप पर भले टिकट नहीं थे लेकिन मेकमाई ट्रिप जैसी ट्रैवल साइटों पर 500 रुपए की अतिरिक्ति फीस देकर उसी तारीख के रेलवे टिकट उपलब्ध थे। हम 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन 2025 तक रेलवे को इतना भी आत्मनिर्भर नहीं बना पाये हैं कि उसकी ही वेबसाइट और ऐप पर सभी को कंफर्म टिकट मिल जायें। आज भी रेल यात्रियों को अपना टिकट कंफर्म कराने के लिए वीआईपी कोटा या रेलवे कोटा लगवाने के लिए नेताओं और अधिकारियों से मदद मांगनी पड़ती है जोकि शर्मनाक है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के जांच के आदेश तो दे दिये गये हैं लेकिन सवाल उठता है कि पहले की घटनाओं की जांच रिपोर्टों का क्या हुआ? पिछली घटनाओं के लिए कौन लोग दोषी ठहराये गये, उन्हें कौन-सी कड़ी सजा हुई? क्या इसका विवरण कभी रेल मंत्री देश के सामने रखने का साहस जुटाएंगे? देखा जाये तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना का प्रमुख कारण था ऐन समय पर ट्रेनों के प्लेटफॉर्म का बदला जाना। यह ऐसी चूक है जिसकी वजह से पहले भी दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन रेलवे ने कभी सबक नहीं सीखा। जब रेलवे स्टेशन का प्रबंधन यह देख रहा था कि वहां भारी भीड़ उमड़ी हुई है तो प्लेटफॉर्म बदलने का फैसला टाल कर क्या घटना को रोका नहीं जा सकता था?

बात सिर्फ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भी नहीं है। देश के तमाम शहरों से इस प्रकार की खबरें सामने आ रही हैं कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में लोग भारी भीड़ की वजह से चढ़ नहीं पा रहे हैं। इस प्रकार के भी वीडियो वायरल हैं जिसमें देखा जा सकता है कि यात्री सिर्फ दरवाजों से ही नहीं बल्कि खिड़कियों से भी ट्रेन के भीतर जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर तमाम वायरल वीडियो में भी देखा जा सकता है कि लोग ट्रेनों में नहीं चढ़ पाने को लेकर तोड़फोड़ तक कर रहे हैं। जनता की यह नाराजगी साफ दशार्ती है कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन को लेकर रेलवे की ओर से पर्याप्त तैयारियां नहीं की गयी थीं।

यही नहीं, हमने दुनिया के सबसे ऊँचे पुल पर ट्रेन दौड़ाने का कीर्तिमान तो अपने नाम कर लिया लेकिन जमीन पर बिछी पटरियों पर दौड़ती ट्रेन की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाये हैं। आये दिन होते रेल हादसे दर्शा रहे हैं कि संभवतः मंत्रीजी का पूरा ध्यान इस विभाग पर नहीं है। हाल के रेल हादसों में से अधिकांश के पीछे साजिश का एंगल सामने आया है। यदि ऐसा है तो यह भी सुरक्षा में एक बहुत बड़ी खामी है। यही नहीं, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के दौरान कुली और प्लेटफॉर्म पर स्टॉल लगाने वाले ही यात्रियों के बचाव में उतरे। एक भी यात्री ने यह नहीं बताया कि रेलवे पुलिस ने किसी की मदद की हो या उसे बचाया हो। साथ ही, भगदड़ की घटना के तत्काल बाद जिस तरह प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाईं गयीं वह दिखाता है कि रेलवे के पास अतिरिक्त ट्रेनों की व्यवस्था थी। इसलिए सवाल उठता है कि भीड़ को देखते हुए उन स्पेशल ट्रेनों को पहले क्यों नहीं चलाया गया? रेलवे ने गत शनिवार को प्रयागराज के लिए स्पेशल वंदे भारत ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी लेकिन साधारण ट्रेनों को क्यों नहीं चलाया गया? क्या ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वंदे भारत जैसी महंगी ट्रेनों से रेलवे को ज्यादा आमदनी होती है और साधारण ट्रेनों को चलाने से ज्यादा लाभ नहीं होता? क्या रेलवे ने अब सिर्फ अपने लाभ के बारे में ही सोचना शुरू कर दिया है?

सवाल और भी कई हैं लेकिन उनके जवाब मिलने की संभावना कम ही है। वैसे यह भी एक तथ्य है कि भारतीय रेलवे भारी दबाव में है। रेलवे में सुधार की अत्यंत जरूरत है। रेलवे को ऐसे मंत्री की भी जरूरत है जिसके पास रेलवे के अलावा अन्य किसी मंत्रालय का कार्यभार नहीं हो ताकि वह रेलवे पर ही पूरी तरह से ध्यान दे पाये। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अश्विनी वैष्णव उच्च शिक्षित, अनुभवी और ईमानदार व्यक्ति हैं लेकिन आंकड़े दशार्ते हैं कि उनकी यह योग्यताएं रेलवे के काम नहीं आ पा रही हैं। अश्विनी वैष्णव अक्सर रेलवे की सुनहरी तस्वीर के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते रहते हैं जबकि हकीकत उससे काफी अलग होती है। यही नहीं, आज भले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन या देश के अन्य स्टेशनों पर सब कुछ व्यवस्थित दिखाई दे रहा हो लेकिन सवाल उठता है कि क्या ऐसी ही व्यवस्था जल्द ही आने वाली होली की छुट्टियों और उसके बाद गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी दिखाई देगी? बहरहाल, देखना होगा कि भारतीय रेलवे का भविष्य कैसा रहता है? वैसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बिखरे हुए जूते-चप्पलों, टूटी हुई चूड़ियों, कपड़ों, बैगों के दृश्य और जिन 18 परिवारों में मौत हुई है उनके घर में पसरे मातम का दृश्य हर किसी के मन में सिहरन पैदा कर गये हैं।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली।

मेष राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के चलते आय में बढ़ोतरी होगी और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। घर-परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं, जिसमें धन खर्च की संभावना रहेगी। दाम्पत्य जीवन में तनाव की स्थिति रहेगी। आध्यात्मिक क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। क्रोध की अधिकता रहने से विवाद होने की संभावना रहेगी। आध्यात्मिकता का आश्रय लेने से मन शांत होगा।

वृषभ राशि :- आज का दिन लाभप्रद रहेगा। कारोबार में धनलाभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक क्षेत्र में अधिक सक्रिय रहने से मान-प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। धन व्यय अधिक न हो, इसका ध्यान रखें। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें, अन्यथा परिवार में वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि की संभावना है। बुजुर्गों के आशीर्वाद से सभी कार्य सफल होंगे। व्यापार में विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। बेरोजगारों को रोजगार मिलने की संभावना रहेगी। अटवा हुआ धन वापस मिल सकता है। कार्यभार की अधिकता से थकान महसूस करेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सावदान रहें। अधिक धन व्यय होने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कर्क राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में भाइयों से भरपूर सहयोग मिलेगा और जीवन में सफलता के नये मार्ग खुलेंगे। गृहस्थ जीवन में आनंदपूर्ण वातावरण रहेगा। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग में शामिल हो सकते हैं। समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। अपने साथियों से धोखा मिलने की संभावना रहेगी। अनावश्यक खर्च बढने. से तनाव बढ़ सकता है। तीर्थ यात्रा पर जाना हो सकता है।

सिंह राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में निवेश के नए मौके मिलेंगे, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले अच्छी से सोच-विचार कर लें। निवेश से लाभ प्राप्त होगा। नये कार्य शुरू करने से बचें। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यता विवाद में फंस सकते हैं। कार्यभार अधिक रहने से शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में विघ्न आ सकते हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से सभी कार्य सफल होंगे।

कन्या राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। धन हानि के योग रहेंगे। कारोबार में लाभ मिलेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। मित्रों-परिजनों के साथ पर्यटन का आयोजन होगा। अच्छे खान-पान और अच्छे वस्त्र उपलब्ध होंगे। लंबे समय से बन रही योजना सफल हो सकती है। समजिक कार्यों में रुचि लेंगे। धार्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। कुछ लाभ के सौदे हो सकते हैं। भाइयों के माध्यम से कार्यों में सफलता मिलेगी। मकान-जमीन के कार्य संपन्न होंगे। साझेदारों से भी लाभ होगा। व्यावसायिक स्थल और परिवार का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे। परिवार में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। व्यवसाय से लाभ होने की संभावना है। कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। अध्ययन अध्यापन के क्षेत्र में उन्नती होगी। परिश्रम से किये गये कार्य में सफलता मिलेगी। आकस्मिक धन प्राप्ति होने की संभावना रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। परिवार में आनंद और उल्लासमय वातावरण रहेगा। मानसिक रूप से प्रसन्न और स्फूर्ति का अनुभव होगा। सहकार्मियों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि :- आज का दिन शुभफलदायी रहेगा। व्यवसाय में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। कार्य विस्तार की योजनाएं सफल होंगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। कार्यभार की अधिकता से शारीरिक स्फूर्ति तथा मानसिक उल्लास में कमी आ सकती है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे और नए वस्त्रों की खरीदारी भी करेंगे। वाहन सुख मिल सकता है।

मकर राशि :- नए कार्य का शुभारंभ करने के लिए आज का दिन अच्छा है। कारोबार में लाभ होगा। बुजुर्गों की सलाह लेकर किया गया निवेश भी फायदेमंद रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। किसी प्रिय व्यक्ति से भेंट हो सकती है। सामाजिक रूप से मान-सम्मान प्राप्त होगा। शारीरिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव हो सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कुम्भ राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। निर्धारित कार्य संपन्न नहीं होने से हताशा का अनुभव हो सकता है। किसी भी महत्वपूर्ण कार्य अथवा उसके विषय में निर्णय नहीं लेना ही ठीक रहेगा। समाजिक कार्यों में में दिन बिताना उचित होगा। परिजनों के साथ भी समय बिता सकते हैं। आध्यात्मिकता की ओर रुझान रहेगा। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के योग हैं। क्रोध की अधिकता रहेगी, जिससे कलह होने की संभावना भी रहेगी।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। काफी समय से रुकी योजनाएं शुरू होने की संभावना है। कारोबार में लाभ मिलेगा। कार्यसिद्धि और लक्ष्मी दोनों की प्राप्ति हो सकती है। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित रहेंगे, इसलिए प्रत्येक कार्य करने में आप को उत्साह रहेगा। घर में तथा व्यावसायिक स्थल पर कार्यभार रहेगा। अधिक खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण और स्वास्थ्य का ध्यान रखें। छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा।

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20,000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है।

एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए।

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20,000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है।

उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

राहत का रुख

बजट से पहले यह सरकार के लिए निस्संदेह बड़ी राहत की बात है कि महंगाई की दर नीचे की तरफ उतरनी शुरू हो गई है। पिछले हफ्ते दिसंबर में खुदरा महंगाई दर घट कर 5.72 फीसद पर रहने के आंकड़े आए थे। अब थोक महंगाई के 4.95 फीसद पर होने का आंकड़ा आया है। रिजर्व बैंक ने कहा था कि अगर महंगाई की दर छह फीसद तक सिमट जाती है, तो विकास दर में जल्दी सुधार शुरू हो जाएगा। इस लिहाज से अर्थव्यवस्था के लिए यह उत्साहजनक संकेत है। पिछले दो महीनों से थोक और खुदरा दोनों स्तरों पर महंगाई का रुख नीचे की तरफ बना हुआ है। पिछले साल इसी महीने थोक महंगाई 14.27 फीसद थी। यहां तक कि इस साल नवंबर में यह दर 5.85 फीसद थी। ताजा आंकड़ों में बताया गया है कि थोक महंगाई की दर में गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, खाद्य उत्पादों, वस्त्रों और रासायनिक उत्पादों की कीमतों में नरमी के कारण दर्ज की गई। रिजर्व बैंक के लिए यह राहत की बात इसलिए है कि खुदरा महंगाई की दर बढ़ नहीं रही। यानी उसके मौद्रिक उपाय कारगर साबित हो रहे हैं। मगर अब भी ग्रामीण महंगाई दर छह फीसद से ऊपर बनी हुई है।

थोक महंगाई दर में गिरावट का अर्थ है कि भारी उद्योगों में कुछ गति लौटेगी। अभी विकास दर में भारी उद्योगों का योगदान उत्साहजनक नहीं है। उसकी कई वजहों में से एक वजह महंगाई भी है। महंगाई बढ़ने से वस्तुओं के उत्पादन की लागत बढ़ जाती है, जिसका स्वाभाविक असर खुदरा व्यापार पर पड़ता है। अभी खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें नीचे आ चुकी हैं, जिसकी वजह से खुदरा महंगाई की दर छह फीसद से नीचे आ सकी है। यह फलों, सब्जियों और कई अनाजों के उत्पादन का मौसम है। सब्जियों की पैदावार अच्छी होने की वजह से इनकी कीमतों में कमी आई है। फिर कच्चे तेल और ईंधन की कीमतें न बढ़ने की वजह से ढुलाई का खर्च नहीं बढ़ सका है। इस तरह महंगाई लोगों की सहनशक्ति के नीचे बनी हुई है। संभव है, मौसम बदलने के बाद खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें बढ़ें और खुदरा महंगाई की दर भी बदले, मगर अगले महीने तक ऐसी किसी स्थिति की आशंका नहीं है। महंगाई दर घटने से एक तो रिजर्व बैंक पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव कम हो गया है। दूसरे, आम लोगों को निवेश के मामले में जो अपने हाथ रोकने पड़ रहे थे, वे कुछ खुलेंगे। स्वाभाविक ही, इससे बाजार में पैसे की तरलता कुछ बढ़ेगी। मगर फिर भी महंगाई की दर में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार के सामने चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं।

मौसमी उत्पादन की वजह से बेशक खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें काफी कम हो गई हैं, मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगाई का जो वातावरण बना हुआ है, उसका असर आयात की जाने वाली वस्तुओं पर बना रहेगा। इसलिए निर्यात के मोर्चे पर बेहतरी के प्रयास का दबाव सरकार पर अब भी बना हुआ है। निर्यात नहीं बढ़ेगा, तो भारी उद्योगों में अपेक्षित गति नहीं लौटेगी। आर्थिक विकास में चूंकि भारी उद्योगों का योगदान अधिक महत्त्व रखता है, इसलिए सरकार का जोर उसे बेहतर बनाने पर अधिक है। फिर महंगाई को सहनशील स्तर पर बनाए रखने में लोगों की क्रयशक्ति का बड़ा योगदान होता है। यह तभी बढ़ती है, जब लोगों की कमाई बढ़ती है। इस मोर्चे पर सरकार को अभी बहुत कुछ करना है।

सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम में अपना प्रतिनिधि क्यों चाहती है केंद्र सरकार?

देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री के बयान के बाद कुछ पूर्व न्यायाधीशों ने भी इस मुद्दे पर बयान दिये जिस पर न्यायालय ने नाखुशी भी जताई थी। केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर मांग की है कि उच्च और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का चयन करने वाले कॉलेजियम में सरकार का भी प्रतिनिधि होना चाहिए। इस पत्र पर हालांकि कॉलेजियम में चर्चा के बाद ही कोई निर्णय लिया जायेगा, लेकिन इस पर देश में बहस भी शुरू हो गयी है। कुछ न्यायविद् इसे एनजेएसी अधिनियम की वापसी बता रहे हैं तो वहीं सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि हमने कोई अभूतपूर्व मांग नहीं की है क्योंकि पूरी दुनिया में ही ऐसा होता है। कानून मंत्री का मानना है कि कॉलेजियम प्रणाली में सरकार का प्रतिनिधि होने से इसमें पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही भी आएगी।

देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री के बयान के बाद कुछ पूर्व न्यायाधीशों ने भी इस मुद्दे पर बयान दिये जिस पर न्यायालय ने नाखुशी भी जताई थी। लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह एनजेएसी अधिनियम को रद्द किये जाने पर संसद में चर्चा नहीं होने पर हैरत जताई थी, उससे अंदेशा हो गया था कि सरकार कोई कदम उठा सकती है। अब केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कॉलेजियम में सरकार का प्रतिनिधि रखने की जो मांग की है उससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार न्यायाधीशों के चयन के मुद्दे को सिर्फ कॉलेजियम के भरोसे छोड़ने को तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2015-16 में संसद से पारित एनजेएसी में कॉलेजियम प्रणाली को पलटने का प्रावधान था, हालांकि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था।

न्यायपालिका और सरकार के बीच कॉलेजियम प्रणाली पर मतभेद उस समय भी सामने आये थे जब हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केशवानंद भारती मामले में अदालत के ऐतिहासिक फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा था कि न्यायपालिका, संसद की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकती। उल्लेखनीय है कि उस फैसले ने देश को 'संविधान के मूलभूत ढांचे का सिद्धांत' दिया था। धनखड़ ने जयपुर में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को निरस्त किये जाने पर एक बार फिर सवाल उठाते हुए कहा था कि लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए संसदीय संप्रभुता और स्वायत्तता सर्वोपरि है। बहरहाल, न्यायपालिका और सरकार के बीच जो मतभेद दिख रहे हैं उसका हल सौहार्द्रपूर्ण तरीके से ही निकाला जाना चाहिए।

खान सर बोले-2025 में जीतना है तो री-एग्जाम करवाए सरकार

पटना। BPSC 70वीं PT को रद्द करवाने की मांग को लेकर कैंडिडेट्स एक बार फिर सड़क पर हैं। पटना में आज (सोमवार को) अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले खान सर का भी समर्थन मिला है। सैकड़ों छात्रों के साथ खान सर भी सड़क पर उतरे हैं। अभ्यर्थियों के साथ गर्दनीबाग पहुंचे हैं। खान सर ने कहा कि 'हम लोग कुछ गलत नहीं बोल रहे हैं। हम लोगों की सिर्फ एक ही मांग है री-एग्जाम। एग्जाम में धांधली हुई है। कोई गलत डिमांड नहीं कर रहे हैं। सरकार के हित में री-एग्जाम होगा।' 'सरकार अगर चाहती है कि नाराजगी ना झेले, 2025 का फैसला उनके फेवर में हो तो री-एग्जाम करवा दे। अधिकारियों के सुझाव में सरकार न आए। सरकार बात को इगो पर ले रही है, ये राजनीति नहीं है। इस बार हम अपनी पीठ मजबूत कर के आए हैं।' इधर, गुरु रहमान भी गर्दनीबाग पहुंचे हैं। भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा कि, 'आज मामले पर फैसला हो जाएगा। आज महाजुटान है। कोर्ट में भी सुनवाई होनी है।' इधर, प्रदर्शन को देखते हुए पटना में BPSC और JDU ऑफिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। री-एग्जाम का मामला पटना हाईकोर्ट में भी चल रहा है। इस मामले में पहली

सुनवाई 16 जनवरी को हुई थी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने 30 जनवरी से पहले BPSC को एफिडेविट देने को कहा था। हालांकि कोर्ट ने PT एग्जाम पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कई बार मामला लिस्टेड होकर भी सुनवाई नहीं हुई। आज इस मामले में सुनवाई हो सकती है। आज की डेट में यह मामला 37 नंबर पर लिस्टेड है। BPSC 70वीं PT री-एग्जाम को लेकर प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज समेत कई अन्य याचिकाएं पटना हाईकोर्ट में दायर की गई है। इसे अब एक साथ जोड़ दिया गया है। जनसुराज के अलावा पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और खान सर की ओर से भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसमें री-एग्जाम कराने और प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के खिलाफ दर्ज FIR को वापस लेने की मांग की गई है। पटना के डाकबंगला चौराहा में सुरक्षा बढ़ाई गई है। BPSC अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं। मीडिया से बात करते हुए खान सर ने कहा- 'हमलोग सरकार को बस यही बताना चाहते हैं कि री-एग्जाम से आप लोग का ही भला होगा। आप अपने अधिकारियों के सुझाव में मत आइए। री-एग्जाम होने से आपका ही भला होगा। हमलोगों की मांग कहीं से गलत नहीं है। बिल्कुल धांधली हुई है।' विवाद के बीच 13 फरवरी को खान सर ने नया दावा किया था। उनका कहना है कि, 'हमने 2 महीने तक पता लगाया। हमें जानकारी मिली कि नवादा और गया के ट्रेजरी से पेपर गायब थे। फिर हमें पता चला कि गायब पेपर को BPSC ने बापू परीक्षा केंद्र पर दिया। जो पेपर कबाड़ में बेचना था, वो 4 जनवरी को पेपर दिया गया। जिस कारण 3 गुना परिणाम आए।' इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमें वो वीडियो भी मिल गया है, जिसे लेकर परीक्षा में धांधली की गई। हम लोग 2 महीने से जिस सबूत को खोज रहे थे, वो हमारे हाथ लग गया है।

मुंगेर में छोटे भाई की जगह परीक्षा दे रहा था,गिरफ्तार

सीतामढ़ी में एंट्री नहीं मिलने पर दो छात्राएं बेहोश

पटना। बिहार से मैट्रिक की परीक्षा शुरू हो गई है। एग्जाम 25 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा के लिए राज्यभर में 1677 सेंटर बनाए गए हैं। इस बार परीक्षा में 15.85 लाख छात्र शामिल हुए हैं। इनमें 7.67 लाख छात्र और 8.18 लाख छात्राएं हैं। परीक्षा दो पाली में हो रही है। एग्जाम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुंगेर में एक फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया गया है। टाउन उच्च विद्यायल में आरोपी युवक अपने छोटे भाई के बदले खुद परीक्षा दे रहा था। इधर, सीतामढ़ी में 2 मिनट लेट पहुंची परीक्षार्थियों को एंट्री नहीं मिली, जिसके बाद दो छात्राएं बेहोश हो गईं। भागलपुर के मारवाड़ी पाठशाला में लेट से पहुंचे छात्रों को एंट्री नहीं मिली तो परिजनों ने हंगामा किया। हंगामे के दौरान परिजन ने परीक्षार्थी को मारने की बात कही। युवक ने कहा- लेट हो गए तो क्या लाश गिरा दें इसका? गेट खोलिए वर्दी उतरवाने की हैसियत रखते हैं। पुलिस ने परीक्षार्थियों को समझा बूझकर शांत कराया गया। इधर सुपौल में एग्जाम देने जा रहे छात्रों से भरा ऑटो पुलिस वैन से टकरा गया। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियां नहर में गिर गई। हादसे में 5 छात्र घायल हुए हैं।

पटना से लापता युवती प्रयागराज में मिली

पटना। चित्रगुप्त नगर थाना इलाके से लापता युवती को पुलिस ने प्रयागराज के कोतवाली थाना इलाके से बरामद कर लिया। वह 13 फरवरी को लापता हो गई थी। थानेदार आलोक कुमार ने बताया कि उसका फोटो रेलवे पुलिस के ग्रुप में डाला गया था। 14 फरवरी को प्रयागराज के कोतवाली थाने से कॉल आया कि युवती इस इलाके में है। युवती मानिसक रूप से बीमार है। थानेदार ने बताया कि वह नहीं बता पा रही है कि वह पटना से प्रयागराज कैसे पहुंच गई।

बाढ़ में ट्रैक्टर ने 3 युवक को कुचला 1 की हुई मौत 2 की हालत गंभीर

पटना। बाढ़ के लक्ष्मीपुर गांव के पास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। जबकि, दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना एनटीपीसी थाना क्षेत्र की है। ट्रैक्टर ने तीन युवकों को कुचल दिया है। मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर गांव के राजीव कुमार (21) के रूप में हुई है। घायलों में 25 वर्षीय अजय कुमार और कृष्णा कुमार शामिल हैं। फॉर्म जमा करने जा रहे थे युवक घायलों में से एक को गंभीर स्थिति में पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (पीएमसीएच) रेफर किया गया है, जबकि दूसरे घायल को परिजन निजी अस्पताल ले गए हैं। परिजनों के अनुसार तीनों युवक सड़क किनारे फॉर्म जमा करने जा रहे थे। इस दौरान पंडारक की ओर से आ रहे एक ट्रैक्टर ने बाएं मुड़ते समय उन्हें कुचल दिया। दरगाह से टकराई ट्रैक्टर हादसे के बाद ट्रैक्टर दरगाह से टकरा गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत बाढ़ के अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने राजीव कुमार को मृत घोषित कर दिया है। एनटीपीसी थाने की पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। पूरे मामले की जांच कर रही है।

6 साइबर अपराधी गिरफ्तार लोन देने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

16 मोबाइल, 2 लैपटॉप और 5 एटीएम कार्ड बरामद

पटना। साइबर पुलिस ने रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के न्यू जगनपुरा के पास एक घर के तीसरे तल्ले पर छापेमारी की। इसमें 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग फर्जी एप बना कर लोन देने का ऐड सोशल मीडिया पर डालते थे। इसी से लोग फंस जाते थे। गिरफ्तार आरोपियों में गोलू कुमार, राजेंद्र, मनोहर, एस महेश, मुनीर और गुनापोवास्तया शामिल है। इनसे पूछताछ में पता चला कि ये लोग अभी तक लगभग 500 से ज्यादा लोगों लोन देने के नाम पर ठगी का शिकार बना चुके हैं। इन लोगों ने अब तक 2 करोड़ रुपयों की ठगी की है। ये लोन देने के नाम पर लोगों से टोकन मनी, रजिस्ट्रेशन मनी, कमीशन या जल्दी लोन करा देने के नाम पर लोगों से 20 से 60 हजार तक पहले मांगा लेते थे। बाद में मुकर जाते थे। इनके पास से पुलिस ने 16 मोबाइल, 2 लैपटॉप और 5 एटीएम कार्ड बरामद किया है। फेसबुक पर धनी एप के जरिए लोन देने का करते थे ऐड शातिर फेसबुक पर धनी एप से लोन लेने के लिये फर्जी ऐड डालता था। ये लोग इस नंबर 918981547139 का इसमें डालते थे। लोग इस नंबर पर कॉल करते थे। ये लोग लोन को प्रोसेस करने के लिये लोन अमांउट के आधार पर उनसे रकम ले लेते थे। और बाद में मुकर जाते थे। नालंदा का था सरगना, 40 प्रतिशत देता था कमीशन नालंदा के बिहारशरीफ स्थित बनीलिया हाट निवासी गोलू इस पूरे गैंग का मास्टरमाइंड है। गोलू ने नौकरी के नाम पर कर्नाटक के रहने वाले सभी को बुलाया था। इसके बाद उसे इन्हें साइबर फ्रॉड का ट्रेनिंग देकर ठगी कराना शुरू करा दिया। पुलिस ने इसके अलावा कर्नाटक के राजेंद्र, मनोहर, एस महेश, मुनीर और गुनापोवास्तया को गिरफ्तार किया है। गोलू इन लोगों को ठगी के पैसे में से 40 प्रतिशत का शेयर देता था। गोली ही इन लोगों के खाने पीने रहने और पॉकेट खर्च का सारा पैसा देता था। पुलिस को इन लोगों से कई अहम जानकारी हाथ लगी है। पुलिस इनके बाके के गैंग की तलाश में छापेमारी कर रही है। पटना में साइबर ठगों ने एक महिला से ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

सीवान में भूकंप, जमीन के 10KM अंदर था केंद्र

पटना। बिहार के सीवान में सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 08:02 बजे ये झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.0 थी। भूकंप का केंद्र सीवान में 10 किलोमीटर की गहराई में था। लोग डर से अपने घरों से बाहर निकल आए। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, किसी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है। सीवान में भूकंप की आंखों देखी आत्मा जी पटवा ने बताया 'तेज झटका लगा, पंखा हिलने लगा। चौखट खटखटाने लगी। हम डर के पूरे परिवार के साथ घर से बाहर निकल गए दुर्गा कुमार प्रसाद ने बताया 'हम लोग घर में थे। सामान हिलने लगे। बाहर देखा तो लोग खड़े थे। भूकंप का पता चलते ही हम घर से बाहर आ गए। दिल्ली- NCR में भी भूकंप के झटके इससे पहले आज सुबह करीब 5:36 बजे राजधानी दिल्ली- NCR में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग डर से अपने घरों से बाहर निकल गए। नई दिल्ली में आए भूकंप के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक्स लिखा- 'यह भूकंप काफी डरावना था। महादेव सबको सुरक्षित रखें।'

लैंड फॉर जॉब स्कैम में आज होगी सुनवाई लालू परिवार के पांच सदस्य हैं आरोपी

30 जनवरी को कोर्ट ने 2 अधिकारियों पर केस चलाने की दी थी मंजूरी

पटना। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब मामले में आज सुनवाई होगी। इससे पहले 7 फरवरी को सुनवाई टल गई थी। 30 जनवरी को कोर्ट ने दो अधिकारियों पर केस चलाने की मंजूरी दी थी। इसमें एक पूर्व क्अर अधिकारी आरके महाजन थे। महाजन लालू के रेल मंत्री रहते रेलवे बोर्ड में थे। पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर डीपी सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए थे। एडवोकेट मनु मिश्रा फिजिकली कोर्ट के अंदर मौजूद थे। इससे पहले 16 जनवरी को सुनवाई टल गई थी। उस दिन कोर्ट ने एक रेलवे अधिकारी पर केस चलाने की अनुमति नहीं दी थी। बता दें कि इस केस में लालू परिवार के पांच सदस्य आरोपी हैं। इसमें लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हुई सुनवाई में लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार समेत सभी 9 आरोपियों को जमानत मिल गई थी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी को 1-1 लाख के निजी मुचलके पर बेल दी थी। कोर्ट ने सभी को पासपोर्ट सरेंडर करने के निर्देश दिए थे। लैंड फॉर जॉब मामले में 20 जनवरी 2024 को ED की दिल्ली और पटना टीम के अधिकारियों ने लालू-तेजस्वी से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी। ED सूत्रों के मुताबिक, लालू प्रसाद से 50 से ज्यादा सवाल किए गए थे। उन्होंने ज्यादातर जवाब हां या ना में ही दिए थे। पूछताछ के दौरान कई बार लालू झल्ला भी गए थे। वहीं, तेजस्वी से 30 जनवरी 2024 को लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ चली थी डील 1: CBI ने शुरूआती जांच में पाया कि 6 फरवरी 2008 को पटना के किशुन देव राय ने अपनी जमीन काफी कम कीमत पर राबड़ी देवी के नाम कर दी। यानी 3,375 वर्ग फीट जमीन सिर्फ 3.75 लाख रुपए में राबड़ी देवी को बेच दी। साथ ही इसी साल परिवार के 3 मेंबर्स राज कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार और अजय कुमार को मध्य रेलवे मुंबई में ग्रुप डी के पद पर नौकरी मिल गई। डील 2: फरवरी 2008 में पटना के महुआबाग के संजय राय ने भी सिर्फ 3.75 लाख रुपए में 3,375 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी को बेच दी। CBI ने अपनी जांच में पाया कि संजय राय के अलावा परिवार के 2 अन्य मेंबर्स को रेलवे में नौकरी मिल गई। डील 3: पटना की रहने वाली किरण देवी ने नवंबर 2007 में सिर्फ 3.70 लाख रुपए में अपनी 80,905 वर्ग फीट जमीन लालू यादव की बेटी मीसा भारती को बेच दी। इसके बाद 2008 में सेंट्रल रेलवे मुंबई में किरण देवी के बेटे अभिषेक कुमार को नौकरी मिल गई। डील 4: फरवरी 2007 में पटना निवासी हजारी राय ने अपनी 9,527 स्क्वायर फीट जमीन दिल्ली की कंपनी एके इंफोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड को 10.83 लाख रुपए में बेच दी। बाद में हजारी राय के 2 भतीजे दिलचंद कुमार और प्रेम चंद कुमार को वेस्ट-सेंट्रल रेलवे जबलपुर और साउथ-ईस्टर्न रेलवे कोलकाता में नौकरी मिल गई CBI ने पाया कि एके इंफोसिस्टम्स के सभी अधिकार और संपत्ति साल 2014 में लालू प्रसाद यादव की बेटी और पत्नी को दे दिए गए थे। राबड़ी देवी ने 2014 में कंपनी के ज्यादातर शेयर खरीद लिए और बाद में कंपनी की डायरेक्टर बन गईं। डील 5: पटना निवासी लाल बाबू राय ने मई 2015 में मात्र 13 लाख रुपए में अपनी 1,360 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी के नाम कर दी। उइक ने जांच की तो पता चला कि लाल बाबू राय के बेटे लाल चंद कुमार को 2006 में नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे जयपुर में नौकरी मिली थी। डील 6: बृज नंदन राय ने मार्च 2008 में अपनी 3,375 वर्ग फीट जमीन गोपालगंज निवासी दयानंद चौधरी को 4.21 लाख रुपए में बेच दी। दयानंद चौधरी को साल 2005 में ईस्ट-सेंट्रल रेलवे हाजीपुर में नौकरी मिल गई। 2014 में दयानंद चौधरी ने गिफ्ट डीड के जरिए इस जमीन को लालू प्रसाद यादव की बेटी हेमा को ट्रांसफर कर दिया। CBI ने जांच की तो पाया कि दयानंद चौधरी और लालू प्रसाद यादव दूर के भी रिश्तेदार नहीं हैं।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में पहली बार 20 से 25 मार्च तक सेपक टाकरा वर्ल्ड कप

पटना। बिहार में पहली बार सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 20 से 25 मार्च के बीच होगा। इसकी तैयारी शुरू है। सभी मुकाबले पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के इंडोर हॉल में होंगे। इसमें 20 देशों के 300 से अधिक महिला-पुरूष खिलाड़ी भाग लेंगे। रविवार को इस संदर्भ में सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह दहिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रण शंकरण ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया। इससे पहले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप के आयोजन के लिए बिहार सरकार की ओर से 14 करोड़ की राशि कैबिनेट से मंजूर हो चुकी है। एमओयू के मौके पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक सह सचिव रवींद्र नाथ चौधरी, खेल विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार, बिहार सेपक टाकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके जमुआर, सचिव विजय कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव अरुण कुमार और कोषाध्यक्ष डॉ. करुणेष सहित कई लोग उपस्थित थे। कटिहार में खुलेगा सेपक टाकरा का एकलव्य स्कूल : बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण ने बताया कि अप्रैल में कटिहार में सेपक टाकरा का आवासीय एकलव्य स्कूल खोला जाएगा। तैयारी हो गई है। एकलव्य स्कूल में प्रतिभा चयन और खिलाड़ियों का प्रशिक्षण भी होगा। बिहार में सेपक टाकरा तेजी से आगे बढ़ रहा है और बिहार के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में भी बिहार के होनहार खिलाड़ी बॉबी कुमार थाइलैंड में अभी प्रशिक्षण और अभ्यास कर रहे हैं। सेपक टाकरा बिहार में प्राथमिकता वाले खेलों की सूची में है और जिस खेल में मेडल मिलेगा या मिलने की संभावना है, उस खेल को पूरी शिद्दत के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। इस आयोजन से अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर बिहार की छवि मजबूत होगी। बताया कि यह तय हो गया है कि इस वर्ल्ड कप में खेलने वाली सेपक टाकरा टीम के खिलाड़ियों की जर्सी पर बिहार का नाम प्रमुखता से लिखा रहेगा। इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन ने भविष्य में इस खेल के बिहार में विकास के लिए प्रतिभा खोज से लेकर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और हर तरह के टेक्निकल सपोर्ट देने पर सहमति जतायी है। सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के साथ दूसरे राज्यों के लिए एक रोल मॉडल साबित होगा। सेपक टाकरा 2011 तक नेशनल गेम्स में शामिल था और जल्द ही फिर शामिल हो जाएगा। उम्मीद है कि 2036 के ओलंपिक में इसको शामिल किया जाए। सेपक टाकरा विश्व कप में शामिल होने वाले देश : जापान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, ईरान, वियतनाम, भारत, ब्राजील, पोलैंड, फ्रांस, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, यूएसए, सिंगापुर, चीन, स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, चीनी ताइपे, इटली, लाओस आदि देशों की महिला और पुरूष टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से श्रीलंका, युएसए, सिंगापुर, स्विटजरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई और इटली से सिर्फ पुरुष टीम शामिल होंगे। बाकी देश महिला और पुरुष दोनों वर्ग में भाग लेंगे।

पीएमसीएच का शताब्दी समारोह 25 को, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आएंगी

पटना। पीएमसीएच के शताब्दी समारोह का उद्घाटन 25 फरवरी को ज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। समारोह में वह करीब एक घंटा तक रहेंगी। दोपहर 12:15 बजे आएंगी और 1:15 बजे तक वहां रहेंगी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, सांसद रविशंकर आदि भी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी आयोजन सचिव पद्मश्री डॉ. विजय प्रकाश ने दी। इंडियन रेडक्रॉस के सभागार में रविवार को शताब्दी समारोह की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी।

अब टिकट जांच के बाद ही प्लेटफॉर्म पर इंट्री

पटना। नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के बाद रेल प्रशासन की नींद टूटी है। पटना जंक्शन पर भीड़ प्रबंधन के लिए रविवार सुबह 10:30 बजे दानापुर के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी पहुंचे। स्टेशन और स्टेशन के बाहर के एरिया का मुआयना किया। यात्रियों से बात की। अव्यवस्था देखकर अधिकारियों का क्लास लगाया। बताया कि पटना जंक्शन पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। भीड़ को रिजर्व एरिया में रिप्लेस किया जा रहा है। कुंभ को लेकर रोजाना चार ट्रेनें चलाई जा रही हैं। प्लेटफॉर्म पर विशेष जैकेट वाले कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है ताकि यात्रियों को मदद मिल सके। उन्होंने जंक्शन परिसर और करबिगहिया तरफ एक-एक पंडाल बनाने का निर्देश दिया, जो शाम तक बनकर तैयार हो गए। इनमें 2000 श्रद्धालु बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। प्लेटफॉर्म एक और 10 के प्रवेश द्वार पर टिकट जांच की जा रही है। बिना टिकट वाले लोगों को प्लेटफॉर्म पर जाने से रोका जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे से मॉनिटरिंग चल रही है।

मैट्रिक परीक्षा: आधे घंटे पहले बंद होगा परीक्षा केंद्र का गेट

पटना। बिहार बोर्ड मैट्रिक की वार्षिक परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा में 15 लाख, 85 हजार, 868 परीक्षार्थी शामिल होंगे। 7,67,746 छात्र और 8,18,122 छात्राएं परीक्षा देंगे। 1,677 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षार्थी निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व परीक्षा केंद्र में प्रवेश करेंगे। केंद्र का गेट परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले बंद कर दिया जाएगा। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से होगी। सुबह 8.30 बजे से केंद्र में प्रवेश शुरू होगा। सुबह नौ बजे केंद्र का गेट बंद हो जाएगा। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शुरू होगी। एक बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश शुरू होगा। दोपहर 1.30 बजे गेट बंद हो जाएगा। पटना जिले में 71,669 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। पटना में 73 केंद्रों पर परीक्षा होगी।

खबर संक्षेप

टीटागढ़ रेल को अदाणी सीमेंट से मिला ऑर्डर

कोलकाता। टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल), को अदाणी सीमेंट की अनुषंगी कंपनियों अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड और एसीसी लिमिटेड से विशेष मालवाहक डिब्बों के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए 537.11 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला है। कंपनी के व्यापारिक कामों में आसानी हो सके।

बीते सप्ताह अधिकांश तेल तिलहन की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। विदेशों में खाद्य तेलों के दाम बढ़ने तथा देश में आयात शुल्क मूल्य को पुनर्निर्धारित किये जाने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। निर्यात में सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) का दाम कम मिलने के बीच सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट देखने को मिली।

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस को सबसे ज्यादा हुआ नुकसान

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट का सिलसिला जारी रहा।

चीन के संयंत्र से अरबिंदो फार्मा की यूरोप को दवा आपूर्ति

नई दिल्ली। अरबिंदो फार्मा के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) संथानम सुब्रमण्यन ने कहा है कि कंपनी अपने चीन के संयंत्र से यूरोप के बाजारों में अप्रैल में आपूर्ति शुरू कर देगी। हैदराबाद की दवा कंपनी ने नवंबर, 2024 के अंतिम सप्ताह में इस संयंत्र का परिचालन शुरू किया है। फिलहाल कंपनी वहां अपना उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

टेक्समैको का अमेरिकी कंपनी के साथ समझौता

कोलकाता। टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने रोलिंग स्टॉक यानी पूरी ट्रेन के विनिर्माण और प्रौद्योगिकी एकीकरण में सहयोग बढ़ाने के लिए अमेरिका स्थित ट्रिनिटी रेल ग्रुप एलएलसी के साथ वैश्विक आपूर्ति और सेवा समझौता किया है। रोलिंग स्टॉक घटकों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में काम करेगा।

भारत ने बॉर्बन व्हिस्की पर सीमा शुल्क घटाई

नई दिल्ली। भारत ने बॉर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। अमेरिका के साथ व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की योजना की घोषणा के बीच यह कदम उठाया गया है। बॉर्बन व्हिस्की पर सीमा शुल्क में कटौती की अधिसूचना 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता से ठीक पहले की गई थी। हालांकि, अन्य शराबों के आयात पर मूल सीमा शुल्क में कोई कमी नहीं की गई है।

छोटे शहरों की आईटी प्रतिभाओं को निखारने निवेश की जरूरत

नई दिल्ली

दफ्तर से दूर यानी घर से या किसी अन्य स्थान पर बैठकर काम करने की प्रवृत्ति (रिमोट वर्क) से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पेशेवरों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं।

- कौशल विकास के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने का स्वागत

विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्थितियों में डिजिटल ढांचे में निवेश बढ़ाने तथा प्रतिभाओं का कौशल बढ़ाने की जरूरत है, ताकि वे वैश्विक परियोजनाओं में काम करने के काबिल बन सकें। विशेषज्ञों ने कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के सरकार के कदम की भी सराहना की है, जो युवाओं की क्षमताओं को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की मांग के साथ जोड़ने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

विशेषज्ञों का कहना, डिजिटल ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा

दूसरी व तीसरी श्रेणी के शहरों में अवसर बढ़ रहे

महिंद्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) अतुल सोनेजा ने कहा, 'रिमोट यानी दफ्तर से दूर बैठक काम करने की प्रवृत्ति से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में आईटी पेशेवरों के लिए अवसर बढ़े हैं। इस तरह के बदलाव से आय की क्षमता बढ़ी है और यह समावेशी वृद्धि को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।'

छोटे शहरों में होगा प्रतिभाओं का दोहन : ज्ञानी.एआई के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गणेश गोपालन ने कहा कि छोटे शहरों में प्रतिभाओं का पूरा दोहन करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे, भरोसेमंद इंटरनेट और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश महत्वपूर्ण है।

आईटी क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी

गोपालन ने कहा कि कार्य नीतियों, साइबर सुरक्षा ढांचे और उद्योग सहयोग को मजबूत करने से छोटे शहरों के पेशेवरों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और भारत के आईटी क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। 'स्किल्सकैपिटल' के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) पवन गुप्ता ने कहा कि उनकी कंपनी अप्रैल, 2024 में पेश किए गए एआई आधारित प्रतिभा क्लाउड मंच के माध्यम से पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ रही है।

भारत को स्किल्सकैपिटल के रूप में स्थापित करना

गुप्ता ने कहा, ''हमारा लक्ष्य न केवल एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर और तकनीकी प्रतिभाओं की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करना है, बल्कि भारत के दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों को वैश्विक तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभारना भी है। गुप्ता ने कहा कि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में पेशेवरों को सशक्त बनाकर हम समावेशी विकास को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत को दुनिया की 'स्किल्सकैपिटल' के रूप में स्थापित कर रहे हैं।'

भारत टेक्स 2025 में प्रधानमंत्री मोदी ने की घोषणा

उत्पादकता बढ़ाने पांच वर्षीय कपास मिशन की घोषणा, 500 करोड़ रुपए आवंटित

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कपड़ा क्षेत्र 2030 की समयसीमा से पहले नौ लाख करोड़ रुपये के वार्षिक निर्यात लक्ष्य को हासिल कर लेगा। यह बात इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि आम बजट 2025-26 में कपास की, खासकर अतिरिक्त लंबे रेशे वाली किस्मों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए पांच वर्षीय कपास मिशन की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय कपास प्रौद्योगिकी मिशन के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

मोदी ने 'भारत टेक्स 2025' में कहा, 'हम वर्तमान में दुनिया में वस्त्र और परिधान के छठे सबसे बड़े निर्यातक हैं। कपड़ा निर्यात लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का है। हमारा लक्ष्य इस आंकड़े को तीन गुना करते हुए नौ लाख करोड़ रुपये का निर्यात हासिल करना है।'

उन्होंने कहा, 'इस सफलता का श्रेय पिछले दशक में की गई कड़ी मेहनत और लगातार लागू की गई नीतियों को जाता है, जिनके कारण कपड़ा क्षेत्र में विदेशी निवेश दोगुना हो गया है।'

2030 से पहले लक्ष्य हासिल कर लेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''जिस तरह से काम हो रहा है, मुझे लगता है कि हम 2030 की समयसीमा से पहले ही यह लक्ष्य हासिल कर लेंगे। यह क्षेत्र प्रमुख रोजगार सृजनकर्ता है तथा विनिर्माण क्षेत्र में इसका योगदान 11 प्रतिशत है।केंद्रीय बजट में 2025-26 के लिए कपड़ा मंत्रालय के मद में 5,272 करोड़ रुपये (बजट अनुमान में) के परिव्यय का प्रावधान किया गया है।

बजट 19 प्रतिशत से अधिक

यह वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 4,417.03 करोड़ रुपये के बजट अनुमान से 19 प्रतिशत अधिक है। नयी दिल्ली में 14-17 फरवरी तक आयोजित होने वाला 'भारत टेक्स' कपड़ा उद्योग का सबसे बड़ा आयोजन है। इसमें दो स्थानों पर आयोजित एक विशाल प्रदर्शनी शामिल है, जिसमें सम्पूर्ण कपड़ा परिवेश का प्रदर्शन किया जाएगा।

2030 से पहले सालाना नौ लाख करोड़ रुपए कपड़ा निर्यात की उम्मीद

भारत वर्तमान में दुनिया में वस्त्र और परिधान के छठे सबसे बड़े निर्यातक

अतिरिक्त लंबे रेशे वाली कपास की किस्मों की उत्पादकता बढ़ाई जाएगी

120 देशों से अधिक देश भाग ले रहे : मोदी ने कहा कि 'भारत टेक्स' एक बड़ा वैश्विक आयोजन बन रहा है, जिसमें 120 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत उच्च गुणवत्ता वाले कार्बन फाइबर के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बैंकिंग क्षेत्र, कपड़ा क्षेत्र को करे सहायता

प्रधानमंत्री ने बैंकिंग क्षेत्र से कपड़ा क्षेत्र को सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया क्योंकि एक इकाई को केवल 75 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है और 2,000 लोगों को रोजगार मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत के कपड़ा और परिधान निर्यात में पिछले वर्ष सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ध्यान तकनीकी कपड़ा क्षेत्र पर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश कपड़ा क्षेत्र के लिए कुशल प्रतिभाओं का एक समूह तैयार करने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान तकनीकी कपड़ा क्षेत्र पर है। भारत इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। प्रधानमंत्री ने कपड़ा क्षेत्र के लिए अपने '5एफ दृष्टिकोण' को रेखांकित किया, जिसमें 'खेत (फार्म) से फाइबर; फाइबर से फैक्ट्री; फैक्ट्री से फैशन; फैशन से विदेशी (फॉरेन)' शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दृष्टिकोण किसानों, बुनकरों, डिजायनरों और व्यापारियों के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। मोदी ने कपड़ा उद्योग से नए उपकरण विकसित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग करने का भी आह्वान किया।

जापानी कंपनियां की 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत पर नजर

नई दिल्ली

- महामारी के बाद जापानी कंपनियां भारत को आधार के रूप में देख रही
- रणनीति में वैकल्पिक देशों में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करना शामिल

कोविड-19 महामारी के बाद जापानी कंपनियां भारत को अपने एक आधार के रूप में देख रही हैं, क्योंकि वे चीन पर निर्भरता कम करने के लिए अपने विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के लिए 'चीन प्लस वन' रणनीति अपना रही हैं। वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट के विशेषज्ञों ने यह कहा है। इस रणनीति में वैकल्पिक देशों में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करना शामिल है, जिसमें भारत एक महत्वपूर्ण लाभार्थी के रूप में उभर रहा है। डेलॉयट जापान के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) केनिची किमुरा ने कहा, ''कोविड के बाद, जापानी कंपनियां 'चीन-प्लस' आपूर्ति श्रृंखला रणनीतियों की सक्रियता से खोज कर रही हैं, जिसमें भारत एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। जहां कुछ कंपनियां जापान लौट गईं, वहीं अन्य भारत को न केवल एक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही हैं, बल्कि इसे पश्चिम एशिया और अफ्रीका जैसे उच्च-वृद्धि वाले बाजारों के प्रवेश द्वार के रूप में भी देख रही हैं।''

भारत लाएगा आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाएगा

डेलॉयट दक्षिण एशिया के सीईओ रोमल शेट्टी ने कहा कि 'चीन प्लस वन' रणनीति ने जापानी कंपनियों को भारत में संभावनाएं तलाशने और निवेश करने के लिए प्रेरित किया है, जिसका उद्देश्य अपनी आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना और देश की आर्थिक क्षमता का लाभ उठाना है।

हीरो मोटोकॉर्प का राजस्व में 10 फीसदी से अधिक वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली

- कंपनी राजस्व में दो अंकीय वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही
- दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 10,260 करोड़ रुपए रहा

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प नए उत्पाद और खंडों में सतत निवेश के जरिये अगले वित्त वर्ष में अपने राजस्व में दो अंकीय वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) विवेक आनंद ने यह बात कही है।

दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 10,260 करोड़ रुपये रहा है। चालू वित्त वर्ष में भी कंपनी को अपने राजस्व में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है। विश्लेषकों से बातचीत में आनंद ने कहा, ''इस साल हमने राजस्व में दो अंकीय वृद्धि का अनुमान लगाया है। पहले नौ माह के प्रदर्शन और इस तिमाही (चौथी) की शुरुआत को देखते हुए हमारा मानना है कि अगले साल भी ऐसा ही होगा। हम राजस्व में दो अंकीय यानी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करेंगे। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 37,789 करोड़ रुपये रही थी, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 34,158 करोड़ रुपये थी। कारोबारी परिदृश्य के बारे में उन्होंने कहा कि कंपनी नए उत्पादों और खंडों पर अपना निवेश जारी रखेगी।

आनंद ने कहा, ''हम प्रीमियम और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पोर्टफोलियो में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा हम डिजिटल और प्रौद्योगिकी में निवेश के जरिये हीरो 2.0 और प्रीमिया तथा ऑनलाइन माध्यम से ग्राहक सेवाओं में सुधार करेंगे।''

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बढ़ रही मांग

आनंद ने कहा, ''ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मांग में निरंतरता और सुधार के साथ 125 सीसी पोर्टफोलियो में वृद्धि, नए उत्पादों की पेशकश और पावर ब्रांड में निवेश के जरिये हम उद्योग से अधिक वृद्धि हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं।''

जयपुर में बीते साल घरों की बिक्री पांच फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। जयपुर में 2024 में घरों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 10,695 इकाई हो गई, लेकिन मूल्य के लिहाज से यह 39 प्रतिशत बढ़कर 8,388 करोड़ रुपये हो गई। रियल एस्टेट आंकड़ा विश्लेषक कंपनी प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। प्रॉपइक्विटी के अनुसार, 2023 में राजस्थान की राजधानी में घरों की बिक्री 10,187 इकाई रही थी, जिसका मूल्य 6,019 करोड़ रुपये था। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक समीर जसूजा ने बिक्री मूल्य में वृद्धि का श्रेय रियल एस्टेट परियोजनाओं की बढ़ती लागत को दिया, क्योंकि भूमि, श्रम और निर्माण सामग्री की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, डेवलपर्स अधिक प्रीमियम और लक्जरी आवास परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं, जिससे बिक्री मूल्य में वृद्धि हो रही है।

नाबार्ड ने ओडिशा की ऋण क्षमता 2,52,000 करोड़ रुपए आंकी

- 2025-26 के लिए अनुमान लगाया गया
- ऋण परियोजना पिछले वित्त वर्ष से 20 फीसदी ज्यादा

भुवनेश्वर

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ओडिशा की ऋण क्षमता 2,52,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है। यह अनुमान शनिवार को यहां एक सेमिनार के दौरान जारी बैंक के 'स्टेट फोकस पेपर' में लगाया गया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ऋण परियोजना (2,51,952 करोड़ रुपये) पिछले वित्त वर्ष के 2,10,140 करोड़ रुपये से लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने राज्य के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए बैंक ऋण बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इस प्रयास का समर्थन कर रही है।

पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर बल
उपमुख्यमंत्री ने सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बैंकरों से कृषि वृद्धि को गति देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए मूल्य श्रृंखलाओं और नवीन एवं नए युग की परियोजनाओं को वित्तपोषित करने का भी आग्रह किया।

कम पैदावार से कपास उत्पादन पर पड़ेगा असर ...

मुंबई। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने कहा कि गुजरात और उत्तरी क्षेत्र में कम पैदावार के कारण चालू सत्र (2024-25) में कुल कपास उत्पादन घटकर 301.75 लाख गांठ रहने का अनुमान है। सीएआई के आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 के पूर्ववर्ती सत्र के दौरान कपास का उत्पादन 327.45 लाख गांठ था। सीएआई के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने कहा, 'कम पैदावार के कारण कुल उत्पादन पर असर पड़ने के आसार हैं। हमारे अनुमान गुजरात, पंजाब और हरियाणा में कपास की कम पैदावार की रिपोर्ट पर आधारित हैं। हालांकि, कपास की गुणवत्ता बहुत अच्छी रहेगी।' इस बीच, जनवरी 2025 के अंत तक कुल कपास आपूर्ति 234.26 लाख गांठ रहने का अनुमान है। इसमें 188.07 लाख गांठ की ताजा पेराई, 16 लाख गांठ का आयात और सत्र की शुरुआत में 30.19 लाख गांठ का शुरुआती भंडार शामिल है।

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली

- पिछले सप्ताह बाजार की धारणा रही प्रभावित
- कंपनियों के तिमाही नतीजों का हुआ सीजन समाप्त

कंपनियों का तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी।

विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी कोषों की लगातार निकासी, कंपनियो के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों और वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की आशंका से पिछले सप्ताह शेयर बाजारों की धारणा प्रभावित हुई। शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी लगातार आठवें कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमुख-शोध, संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन समाप्त होने के साथ अब बाजार की निगाह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों की वजह से पैदा हुए हालात और वैश्विक घटनाक्रमों पर रहेगी।''

धारणा को प्रभावित करेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के साथ अब बाजार की निगाह आगे के संकेतों के लिए एफपीआई के प्रवाह और मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर रहेगी।

वैश्विक आर्थिक चिंताओं के बीच गोल्ड खरीदने की होड़

चीन चबा जाएगा पूरी दुनिया का सोना... अंधाधुंध गोल्ड की खरीदी

नई दिल्ली

वैश्विक आर्थिक चिंताओं के बीच दुनिया भर में सोना खरीदने की होड़ मची हुई है। यहां तक कि भारत का पड़ोसी देश चीन जो सोने के उत्पादन में दुनिया का नंबर वन देश है, वह भी जमकर सोना खरीद रहा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में चीन ने दुनिया भर के देशों की तुलना में सबसे ज्यादा 378.2 टन सोने का उत्पादन किया था।

- चीन ने सबसे ज्यादा 378 .2 टन सोने का किया उत्पादन

जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता होती है, निवेशक सोने की ओर रुख करते हैं। चीन की जनता भी इस ट्रेंड को फॉलो कर रही है और भारी मात्रा में सोने की खरीदारी कर रही है। दरअसल, चीन में पारंपरिक निवेश विकल्पों जैसे रियल एस्टेट और स्टॉक मार्केट में गिरावट आई है, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है। ऐसे में लोगों ने सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में देखना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, चीन का केंद्रीय बैंक भी लगातार अपने गोल्ड रिजर्व को बढ़ा रहा है और अमेरिकी कर्ज से दूरी बना रहा है।

क्या सोने की कीमतें और बढ़ेंगी?

चीन के आम निवेशक और सरकार दोनों ही सोने में निवेश कर रहे हैं, जिससे सोने की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। विश्लेषकों का मानना है कि अगर चीन इसी रफ्तार से सोना खरीदता रहा, तो इसकी कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती हैं। साथ ही यह संकेत भी मिल रहे हैं कि चीन भविष्य में सोने को डॉलर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है। अगर ऐसा हुआ, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में सोने का महत्व और बढ़ जाएगा, और डॉलर की स्थिति कमजोर हो सकती है।

चीन की सोची समझी रणनीति

इससे स्पष्ट है कि चीन की सोने की खरीदारी सिर्फ निवेश नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। आर्थिक अनिश्चितताओं, अमेरिकी डॉलर पर घटती निर्भरता और निवेशकों की बढ़ती रुचि के चलते चीन में सोने की मांग तेज हो गई है। इसका असर न सिर्फ चीन, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

चीन घटा रहा अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता

चीन लंबे समय से अपने रिजर्व फंड्स को डाइवर्सिफाई कर रहा है और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। पिछले एक दशक से चीन ने अमेरिकी ट्रेजरी बांड्स में अपने निवेश को कम किया है।

फ्रोजन बत्तख मांस के आयात के लिए दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। सरकार ने देश में 'प्रीमियम फ्रोजन'' बत्तख (डक) मांस के आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय के नोटिस के अनुसार, आयातक निदेशालय से इस संबंध में मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें कहा गया, ऐसे आयातकों को हलफनामा देना होगा कि आयातित उत्पाद तीन-सितारा और उससे अधिक रेटिंग वाले होटलों के लिए है, जैसा कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है। वे संभावित पात्र प्रतिष्ठान भी उपलब्ध कराएंगे। मंत्रालय ने तीन-सितारा और उससे अधिक रेटिंग वाले होटलों को इस मांस के सीधे आयात के लिए बिना किसी मंजूरी के अनुमति दी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में शमी के पास रहेगी भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान

अर्शदीप सहित अन्य युवा गेंदबाजों को करेंगे प्रेरित

वडोदरा (एजेंसी)। बेंगलुरू (ईएमएस)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस बार भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान अनुभवी मोहम्मद शमी के पास रहेगी। शमी इसे समझते हैं और इसी लिए वह दुबई पहुंचते ही अभ्यास करते दिखे। शमी एक साल से अधिक समय के बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें लय हासिल करने में थोड़ा समय जरुर लग सकता है पर उसके बाद उन्हें खेलना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं रहेगा। प्रशंसकों को उम्मीद है कि शमी के होने से टूर्नामेंट में बुमराह की कमी काफी हद तक पूरी हो जाएगी। बुमराह चोट के कारण टीम से बाहर हैं। शमी की तैयारियों और फिटनेस को लेकर काफी आशंकाएं भी हैं। भारतीय टीम को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को पहला मैच खेलना है। शमी ने चोट से उबरने के बाद घरेलू क्रिकेट के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेली थी पर उनकी गेंदबाजी में पहले वाली धार नहीं दिखी। बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में अपेक्षाओं पर खरे उतरने का दबाव अलग होता है। ऐसे में बुमराह की गैर मौजूदगी में उन पर दबाव और बढ़ जाएगा। चैम्पियंस ट्रॉफी में शमी को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा से सहायता मिलेगी पर जहां अर्शदीप बुमराह के स्तर के गेंदबाज नहीं हैं वहीं राणा एकदम नये गेंदबाज हैं। इसी को लेकर पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी का मानना है कि शमी के पास काफी अनुभव है और वह इस चुनौती से निपट सकेंगे। बालाजी ने कहा, 'उसने 2019 एकदिवसीय विश्व कप और 2023 विश्व कप में अच्छी गेंदबाज की थी। शमी के पास अनुभव है और बुमराह के आने से पहले भारत के आक्रमण की जिम्मेदारी उसी पर थी। उन्होंने कहा, 'अगर भारतीय टीम को अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो शमी को नई गेंद से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पहले छह ओवर में नई गेंद से अच्छा प्रदर्शन भारत के लिए अंतर पैदा करेगा। अगर शमी शुरुआती विकेट दिलाते हैं तो भारतीय टीम का मनोबल काफी बढ़ेगा। शमी की जिम्मेदारी विकेट लेना ही नहीं बल्कि अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों को प्रेरित कर उनसे बेहतर प्रदर्शन लेना भी रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान पहुंची, इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच

लाहौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंच गई। टूर्नामेंट की शुरुआत बुधवार को कराची में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। पाकिस्तान गत चैंपियन भी है जिसने 2017 इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत को हराकर खिताब जीता था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 'एक्स' पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए लाहौर पहुंच गई है। वे 22 फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना पहला मैच खेलेंगे।' टीम दो समूह में पाकिस्तान पहुंची। पहले समूह में कप्तान स्टीव स्मिथ, कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल थे जो दुबई के रास्ते कोलंबो से पाकिस्तान पहुंचे। दूसरा समूह भी कोलंबो से दुबई होते हुए लाहौर पहुंचा जिसमें 15 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के दो अतिरिक्त सदस्य शामिल थे।

हाइब्रिड मॉडल समझौते के अनुसार अपने सभी मैच दुबई में खेलने वाले भारत की तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम भी चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी क्योंकि वे हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलकर यहां आए हैं। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती मैच के बाद ऑस्ट्रेलिया अपना दूसरा मैच 25 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगा जबकि 28 फरवरी को फिर से गद्दाफी स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला खेलेगा।

बुमराह की गैर मौजूदगी से उम्मीदें जगी, चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले बोले बांग्लादेश के पूर्व सलामी बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरूल कायेस ने कहा है कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में उनकी टीम के पास 20 फरवरी को चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के तेज आक्रमण को दबाव में लाने का मौका होगा।

कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है। लेकिन बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिये क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को फायदा मिलेगा।'

कायेस ने बांग्लादेश के लिए 39 टेस्ट, 78 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी पर भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की जिम्मेदारी होगी जिसमें हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी हैं। कायेस ने कहा, 'शमी की वापसी बड़ी बात है। वह इस समय फिटनेस समस्या से जूझ रहा है लेकिन लय हासिल करने पर वह बांग्लादेश के लिये बड़ा खतरा होगा।'

बांग्लादेश टीम में अनुभवी हरफनमौला शाकिब अल हसन और खराब फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज लिटन दास नहीं हैं। कायेस ने कहा, 'मुझे शाकिब की कमी खलेगी क्योंकि वह शानदार खिलाड़ी है। किसी भी मैच में उसका योगदान काफी रहता है। इस समय बांग्लादेश की टीम संघर्ष कर रही है क्योंकि अगर शाकिबत नहीं खेलता है तो उन्हें एक अतिरिक्त स्पिनर उतारना होगा।'

उन्होंने कहा, 'लिटन का फॉर्म भी चिंता का सबब है लेकिन बीपीएल के कुछ मैचों में उसने रन बनाए हैं। सौम्य सरकार और तंजीद तमीम ने भी रन बनाए हैं। मुझे लगता है कि टीम को बल्लेबाजी में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मेहदी हसन मिराज चैम्पियन खिलाड़ी है और वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर सकता है।'

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंचते ही भारतीय टीम अभ्यास में जुटी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत के इरादे से दुबई पहुंची भारतीय टीम ने समय गंवाये ही अभ्यास शुरु कर दिया है। इसके तहत कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित पूरी भारतीय टीम अभ्यास के लिए मैदान में उतरी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट ने फार्म हासिल कर लिया है और ऐसे में ये अभ्यास सत्र में उत्साहित दिखे।

इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल के साथ बात करते और सलाह लेते हुए दिखे। इसके बाद शमी ने जमकर गेंदबाजी की। वहीं ऑलरांडर हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर ने कुलदीप यादव और अन्य स्पिनरों की गेंदें खेलीं। इस दौरान पांड्या के एक शॉट से ऋषभ पंत के घुटने में गेंद लगी हालांकि उपचार के बाद कुछ ही देर में ऋषभ को राहत मिल गयी और वह पैड पहनकर बल्लेबाजी अभ्यास करने पहुंच गये।

रोहित ओर कोहली ने भी इस दौरान जमकर अभ्यास किया। नेट अभ्यास के दौरान तेज गेंदबाज हर्षित राणा, स्पिनर वरूण चक्रवर्ती के अलावा ऋषभ ने फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ अभ्यास किया। भारतीय टीम पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना पाकिस्तान से होगा। भारत अपना अंतिम लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

आकाश चोपड़ा बोले, चैम्पियंस ट्रॉफी हो सकता है इन खिलाड़ियों का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद तीन भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा खेल से संन्यास ले सकते हैं। इन तीनों ने ही पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। चोपड़ा का मानना है कि बढ़ती उम्र और खराब फार्म को देखते हुए इन तीनो ही क्रिकेटरों के संन्यास का समय भी करीब आ गया है। ऐसे में उन्हें लगता है कि चैम्पियंस ट्रॉफी तीनो का ही अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। इन क्रिकेटरों को ये अंदाजा है कि भविष्य की योजनाओं का वे हिस्सा नहीं है। ऐसे में ये स्वयं ही युवाओं के लिए जगह खाली कर देंगे। चोपड़ा ने कहा. 'चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अगला आईसीसी इवेंट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल है जिसमें भारतीय टीम नहीं पहुंची है। ऐसे में कोहली, रोहित या जडेजा के पास खेलने का कोई अवसर नहीं है। वहीं अगला आईसीसी इवेंट अगले साल टी20 विश्व कप है और इस प्रारुप से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। इसके बाद 2027 में एकदिवसीय विश्व कप है और तब तक ये तीनो ही 40 के करीब पहुंच जाएंगे और ऐसे में इनके खेलने की कोई संभावना नहीं है। चोपड़ा ने कहा कोहली और जडेजा भले ही अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं पर सवाल यह होना चाहिए कि क्या भारत को इन खिलाड़ियों की जरूरत है या उस समय बेहतर विकल्प हैं। अगर है तो हमें उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए युवाओं को अवसर देना चाहिये।

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम आसानी से पाकिस्तान को हरा देगी : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि 23 फारवरी को पाकिस्तान से होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लीग मैच में भारतीय टीम आसानी से जीतेगी। हरभजन ने कहा कि हाल के समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन दोनो टीमों का रहा है उसको देखते हुए इसमें भारतीय टीम हावी रहेगी। हरभजन ने कहा है कि इस मुकाबले को जरुरत से ज्यादा हाइप दी जा रही है। हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाक को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो बार हार का सामना करना पड़ा था। पाक को पहले लीग चरण और उसके बाद फाइनल में हार मिली थी। जिसमें पहले लीग चरण और फिर फाइनल में उसे हार मिली थी। पाकिस्तान की एकमात्र जीत इस सप्ताह की शुरुआत में कराची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 353 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिली थी। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 और फिर एकदिवसीय सीरीज में जीत हासिल की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। हरभजन ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को बहुत ज़्यादा बातें हो रही हैं पर इसमें कुछ भी विशेष नहीं है। भारतीय टीम बेहतद मजबूत है और कहीं भी जीत सकती है जबकि पाक को हाल ही में अपनी धरती पर भी न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। अगर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के आंकड़े देखें तो आपको सही स्थिति दिखेगी। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पाक टीम अभी संघर्ष कर रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम रन नहीं बना पा रहे हैं, ऐसे में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में उतर रही टीम की राह बेहद कठिन है। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि आंकड़े उन मैचों से बनते हैं जो पहले खेले जा चुके हैं और कोई भी भविष्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकता पर एक भविष्यवाणी के तौर पर मुझे लगता है कि दोनों टीमों में बहुत अंतर है। भारतीय टीम परिपक्व दिख रही है जबकि पाकिस्तान के पास अनुभव की कमी है। इस बार उसके गेंदबाज भी फार्म में नहीं हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं रोहित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 11000 रन के आंकड़े के करीब भी हैं। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 12 रन की जरुरत है! ऐसा करने पर वह सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और विराट कोहली के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय बन जाएंगे। उनके पास इस टूर्नामेंट में 50 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरे करने का भी मौका होगा। उनके नाम अभी तक 49 शतक हैं। ऐसे में उन्हें केवल एक शतक चाहिये। इसके अलावा रोहित के पास चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर भी है। रोहित ने अभी तक 260 पारियों में 338 छक्के लगाये हैं। वह अगर टूर्नामेंट में 12 छक्के और लगाते हैं तो 300 से कम पारियों में 350 छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे ज्यादा छक्के केवल शाहिद अफरीदी के नाम हैं। अफरीदी ने 369 पारियों में 351 छक्के लगाये हैं। वहीं रोहित 527 पारियों में 631 छक्कों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

जर्मनी के खिलाफ जीत की लय को कायम रखने उतरेगी भारतीय पुरूष हॉकी टीम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। खराब शुरूआत के बाद अपने अभियान को ढर्रे पर लाने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में मंगलवार को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी के खिलाफ जीत की लय को कायम रखने उतरेगी। भारत को प्रो लीग के घरेलू चरण के पहले मैच में स्पेन ने 3.1 से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने हालांकि मजबूती से वापसी करते हुए रिटर्न मैच में स्पेन को 2.0 से मात दी। दो मैचों में तीन अंक लेकर भारत अब तालिका में आठवें स्थान पर है और अगले मुकाबले जीतकर ऊपर जाना चाहेगा।

भारतीय टीम ने रविवार को जबर्दस्त खेल दिखाते हुए मनदीप सिंह और दिलप्रीत सिंह के गोल के दम पर जीत दर्ज करके पूरे तीन अंक हासिल किया। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन हालांकि पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं हो पाने से परेशान होंगे। भारत को दो मैचों में सात पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन एक पर भी गोल नहीं हो सका। कप्तान हरमनप्रीत सिंह को दूसरे मैच में आराम दिया गया था जिनकी जगह उतरे हॉकी इंडिया लीग के स्टार जुगराज सिंह कमजोर साबित हुए। दिलप्रीत, मनदीप और सुखजीत सिंह अभी तक एक एक गोल कर चुके हैं और जर्मनी के खिलाफ इसमें इजाफा करना चाहेंगे। भारतीय डिफेंस ने भी दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय चरण में अपना पहला मैच खेल रही जर्मन टीम चार मैचों में चार अंक लेकर सातवें स्थान पर है। जर्मनी ने अभी तक एक ही मैच जीता है लेकिन रफेल हार्टकोफ, गोंजालो पेलाट और थियेस प्रिंज जैसे उसके फॉरवर्ड खिलाड़ी दो दो गोल कर चुके हैं।

दोनों टीमों का सामना अक्टूबर 2024 में दिल्ली में दो मैचों की श्रृंखला में हुआ था जिसमें जर्मनी ने पहला और भारत ने दूसरा मैच जीता। जर्मनी ने शूटआउट में श्रृंखला अपने नाम की। आगामी मैचों के बारे में हरमनप्रीत ने कहा, 'जर्मनी की टीम बहुत अच्छी है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्पेन के खिलाफ मिली जीत से हौसले बुलंद है लेकिन अभी भी प्रदर्शन में काफी सुधार करना है। पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करना होगा।'

मुकेश कुमार के प्रयासों से गोपालगंज में खुलेगी क्रिकेट एकेडमी

गोपालगंज (एजेंसी)। क्रिकेटर मुकेश कुमार के प्रयासों से अब बिहार के गोपालगंज जिले में भी एक अत्याधुनिक क्रिकेट एकेडमी खुलने जा रही है। इसके साथ ही यहां पर नया क्रिकेट स्टेडियम भी बनेगा। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मुकेश आजकल गोपालगंज जिले में स्थित अपने पैतृक आवास को देखने पहुंचे हैं। इस क्रिकेटर ने जिले के युवाओं के लिए कई नए प्रयास शुरू किए हैं। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित क्रिकेट कार्यशाला में भी उन्होंने युवाओं को टिप्स दिये हैं। मुकेश ने जिला प्रशासन से क्रिकेट एकेडमी के लिए जमीन मांगी है। उन्होंने कहा कि गोपालगंज की युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, केवल उन्हें बेहतर ट्रेनिंग की जरूरत है। उन्होंने जिला प्रशासन से क्रिकेट एकेडमी के लिए दो एकड़ के करीब जमीन मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने स्टेडियम बनाने के लिए सहायता मांगी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम बनाने में कई तरह के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है, इसके लिए नेशनल स्तर के विशेषज्ञ को गोपालगंज भेजा जाना चाहिये। मुकेश शहर के मिंज स्टेडियम में अभ्यास कर रहे है। वह आइपीएल के 18वें सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते दिखेंगे।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडिम में पिछली हार का हिसाब बराबर कर पायेगी भारतीय टीम ?

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को होने वाले मुकाबले का सभी प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में दोनो ही टीमों के प्रशंसकों की खासी तादाद भी रहेगी। मैच के सभी टिकट पहले ही बिक गये हैं और सभी को उम्मीद है कि उन्हें एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत और पाक का ये मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच जिस मैदान पर होने जा रहा है वहीं 2021 में पाक ने जीत हासिल की थी। ऐसे में देखना होगा होगा कि भारतीय टीम पिछल हार का हिसाब बराबर कर पाती है या नहीं। उसे इस बार उतरते समय सावधान रहना होगा क्योंकि उसपर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। पाक टीम तब हुए उस मुकाबले में 10 विकेट से जीत थी और उसे किसी आईसीसी विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ पहली जीत मिली थी। उस मैच में शाहीन शाह अफरीदी ने 3 विकेट विकेट लिए थे जबकि बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ 152 रन का की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई थी। तब जसप्रीत बुमराह भी विकेट लेने में विफल रहे थे। भारतीय टीम ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कुल 6 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 5 में उसे जीत मिली है जबकि 1 मैच टाई रहा है। वहीं पाकिस्तान ने दुबई के इस मैदान पर 22 मैचों में से 8 जीते है जबकि 13 में वह हारी है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। पाकिस्तान की टीम ने दुबई में भारत से ज्यादा टी20 मुकाबले खेले हैं, ऐसे में वह मैदानों की अभ्यस्त है। इसमें भी उसका रिकॉर्ड अच्छा रहा है।

बिना नाकामी के कामयाबी नहीं, कड़ी मेहनत करते रहो : मैरी कॉम-लेखरा-सुहास

दुबई (यूएई) (एजेंसी)। नई दिल्ली - महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम, पैरालम्पिक स्टार अवनि लेखरा और सुहास यथिराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' पहल के तहत स्कूल के बच्चों को तनाव से निपटने के टिप्स देते हुए कहा कि नाकामी के बिना कामयाबी नहीं मिलती और कड़ी मेहनत हमेशा काम आती है। तीनों खिलाड़ियों ने बच्चों को नाकामी से उबरने, फोकस बनाये रखने और सुनौतियों का सामना करने की भी सलाह दी।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे बच्चों के लिए 2018 से आयोजित किया जा रहा है। दो बार की पैरालम्पिक चैम्पियन निशानेबाज लेखरा ने कहा, 'लोग कहते हैं कि सफलता असफलता की विलोम है। लेकिन मेरा मानना है कि नाकामी ही कामयाबी का सबसे बड़ा हिस्सा है। नाकामी के बिना कभी कामयाबी नहीं मिलती।'

आम तौर पर टाउन हॉल प्रारूप में होने वाला परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम इस बार दिल्ली में सुंदर नर्सरी में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों को स्कूली बच्चों के सवालों का जवाब देने के लिए बुलाया। उन्होंने 10 फरवरी को इसकी शुरूआत खुद की। छह बार की विश्व चैम्पियन और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने मुक्केबाजी कैरियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।

मैरी कॉम ने कहा, 'मुक्केबाजी महिलाओं का खेल नहीं है। मैने यह चुनौती स्वीकार की क्योंकि मैं खुद को साबित करना चाहती थी और देश की सभी महिलाओं को बताना चाहती थी कि हम कर सकते हैं और मैं कई बार विश्व चैम्पियन बनी।' उन्होंने कहा, 'आपके जीवन में भी अगर आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं तो भीतर से मजबूत होना होगा। शुरूआत में मैने कई चुनौतियों का सामना किया। कई बार मैं हतोत्साहित हो जाती थी क्योंकि चुनौतियां काफी थी।' उन्होंने कहा, 'हर क्षेत्र कठिन है। कोई शॉर्टकट नहीं होता। आपको मेहनत करनी होती है। अगर मैं कर सकती हूं तो आप क्यो नहीं।'

दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता बैडमिंटन स्टार और आईएएस अधिकारी सुहास ने कहा, 'अच्छी चीजें आसानी से नहीं मिलती। सफर चलता रहना चाहिए। सूरज की तरह चमकना है तो जलने के लिए भी तैयार रहना होगा।' बच्चों ने दबाव, आशंकायें, बेचैनी और भटकाव से जुड़े कई सवाल पूछे। सुहास ने बताया कि कैसे नाकामी के डर को मिटाने से उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में मदद मिली।

उन्होंने कहा, 'आपका दिमाग ही आपका सबसे बड़ा दोस्त और दुश्मन है। मैने 2016 में एशियाई चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मैं इतना डर गया था कि पहला मैच हार गया और दूसरे में पीछे चल रहा था। फिर 30 सेकंड के ब्रेक के दौरान मैने खुद से कहा कि जब इतनी दूर आये हो तो सबसे बुरा यही हो सकता है कि आप हार जाओगे। हार के डर से उबरकर अपना स्वाभाविक खेल दिखाओ।' सुहास ने कहा, 'मैने वह मैच ही नहीं बल्कि छह मैच और जीते और चीन में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला गैर वरीय खिलाड़ी बना। सबक यह है कि हार के डर से उबर जाओ, सामने कौन है इसके बारे में सोचे बिना अपना सर्वश्रेष्ठ दो।'

चैम्पियंस ट्रॉफी में अर्शदीप को निशाना बनाये विरोधी टीमें : डेविड लॉयड

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने कहा है चैम्पियंस ट्रॉफ में भारतीय टीम को अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। लॉयड का मानना है कि बुमराह की अनुपस्थिति विरोधी टीमों के बल्लेबाजों का अर्शदीप सिंह को निशाना बनाना चाहिये। लॉयड के अनुसार बुमराह के नहीं होने पर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा जिसका लाभ विरोधी टीमों को मिलेगा।

टीम के पास केवल एक अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ही हैं। शमी भी लंबे समय के बाद चोट से उबरकर लौटे हैं। ऐसे में वह पहले जैसी गेंदबाजी शायद ही कर पाये। ऐसे में टीम के पास केवल युवा अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाह हैं। इन दोनो ने कुल 12 एकदिवीसीय खेले हैं। जिसमें से 9 अर्शदीप ने खेले हैं जबकि हर्षित ने तीन मैच खेले हैं।. लॉयड ने आगे कहा, 'अगर आप विरोध टीम के बल्लेबाज हैं, तो अर्शदीप को निशाना बनाये। आप आक्रमण कर उसे चुनौती दें। यह टी20 क्रिकेट नहीं. आपको खेलेने के लिए लंबा समय मिलेगा। अर्शदीप अब तक अधिककतर टी20 मैचों में ही सफल रहे हैं। 63 टी20 मैचों में उनके नाम 99 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर, 9 एकदिवसीय मैचों में अर्शदीप को कुछ ही विकेट मिले हैं।

संक्षिप्त खबर

चाकू से जानलेवा हमला करने वाला संदिग्ध इस्लामी आतंकवाद से प्रेरित था : ऑस्ट्रियाई अधिकारी

ऑस्ट्रिया। ऑस्ट्रिया के अधिकारियों का कहना है कि दिनदहाड़े राहगीरों पर चाकू से हमला करने का आरोपी इस्लामी आतंकवाद से प्रेरित था। इस घटना में 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए थे। हमले के संदिग्ध 23 वर्षीय सीरियाई व्यक्ति को शनिवार को दक्षिणी शहर विलाच में हमले के बाद गिरफ्तार किया गया था। गृह मंत्री गेरहार्ड कार्नर ने रविवार को कहा कि उन्हें इस शहर में निर्दोष लोगों पर चाकू से अंधाधुंध हमला करने वाले एक इस्लामी हमलावर के प्रति गुस्सा है। कार्नर ने विलाच में संवाददाताओं से कहा कि हमलावर का आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से संबंध था और वह ऑनलाइन सामग्री के जरिये बहुत ही कम समय में कट्टरपंथ की तरफ बढ़ा। गवर्नर पीटर कैसर ने 42 वर्षीय एक सीरियाई व्यक्ति का आभार व्यक्त किया, जो एक खाद्य वितरण कंपनी के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि इस सीरियाई व्यक्ति ने संदिग्ध की ओर गाड़ी चलाई तथा स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद की। गवर्नर ने कहा, यह दर्शाता है कि आतंकवाद की बुराई के साथ-साथ मानवीय अच्छाई भी एक ही राष्ट्रीयता में कितनी निकटता से जुड़ी हुई है।

नक्शा परियोजना के तहत राजस्थान की 10 नगरपालिकाओं के इलाकों का ड्रोन सर्वेक्षण होगा

नयी दिल्ली। देशव्यापी नक्शा परियोजना के तहत राजस्थान की 10 नगरपालिकाओं के इलाकों का ड्रोन सर्वेक्षण होगा और डिजिटल मैपिंग कर भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार, इस परियोजना की शुरुआत 18 फरवरी को होगी और राज्य स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा करेंगे। स्वायत्त शासन विभाग के आधिकारिक बयान के अनुसार डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन कार्यक्रम के अंतर्गत 18 फरवरी को राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में नक्शा परियोजना की शुरुआत होगी। राजस्थान सरकार ने इस परियोजना के लिए राज्य के 10 शहरों का चयन किया है। इसके तहत भिवाड़ी, किशनगढ़, ब्यावर, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर, पुष्कर, बगरू, बहरोड़, नवलगढ़ और नाथद्वारा में नगरपालिका के सारे भूमि क्षेत्र का ड्रोन सर्वेक्षण द्वारा डिजिटल मैपिंग कर भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा।

भुवनेश्वर में अपार्टमेंट लूटने वाले गिरोह का सदस्य मुठभेड़ में घायल, मध्य प्रदेश का निवासी है आरोपी

भुवनेश्वर: ओडिशा की राजधानी में अपार्टमेंट में लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के एक सदस्य को दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने रविवार रात भुवनेश्वर के बाहरी इलाके बलियांता इलाके में मुठभेड़ के दौरान मध्य प्रदेश के एक खूंखार अपराधी के पैर में गोली मार दी। घटना उस समय हुई जब वह अपने साथियों के साथ लूटपाट की कोशिश कर रहा था। लुटेरे कैपिटल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, उसके साथी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहे। आरोपी की पहचान अर्जुन के रूप में हुई है। इस संबंध में बलियांटा पुलिस अधिकारी रवींद्रनाथ मेहर ने बताया, कल रात बलियांटा इलाके में गश्त के दौरान पुलिस को एक अपराधी समूह मिला जो एक अपार्टमेंट में लूट की योजना बना रहा था। उसी समय लुटेरे ने पुलिस पर गोलियां चलाई। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की. वहीं, डीसीपी पिनाक मिश्रा ने बताया कि आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के अर्जुन अनारे के रूप में हुई है। अर्जुन और उसका गिरोह बलियांता में एक अपार्टमेंट में चोरी की योजना बना रहा था। उस समय पुलिस नियमित गश्त कर रही थी। पुलिस को देखकर अर्जुन और उसके साथियों ने भागने का प्रयास किया। पीछा करने के दौरान अर्जुन ने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

अहम रणनीतिक बैठक के बाद कांग्रेस संदेश देने की कोशिश करेगी

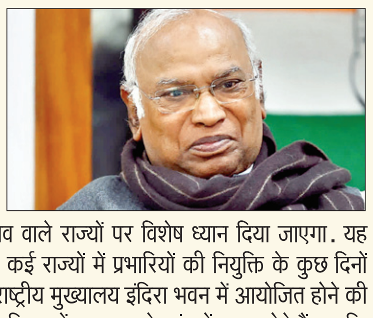

नई दिल्ली: विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे 19 फरवरी को सभी राज्य प्रभारियों और महासचिवों के साथ संगठन को नया रूप देने की रणनीति की समीक्षा करेंगे, जिसमें चुनाव वाले राज्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. यह स्ट्रेटजी सेशन खड़गे द्वारा कई राज्यों में प्रभारियों की नियुक्ति के कुछ दिनों बाद हो रहा है. इसके नए राष्ट्रीय मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित होने की संभावना है. गौरतलब है कि बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे. बिहार में एनडीए, केरल में एलडीएफ और पश्चिम बंगाल में टीएमसी का शासन है. तीनों राज्यों में से बिहार और पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का संगठन मजबूत नहीं है. केरल में कांग्रेस मजबूत है, लेकिन एलडीएफ को हराने के लिए उसे अच्छे अभियान की जरूरत है. यह पुरानी पार्टी तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके की सहयोगी है, लेकिन राज्य सरकार का हिस्सा नहीं है. तमिलनाडु और पुडुचेरी के एआईसीसी इंचार्ज गिरीश चोडांकर ने ईटीवी भारत से कहा, तमिलनाडु मूल रूप से कांग्रेस विचारधारा वाला राज्य है. वहां विकास के अवसर हैं. मैं जल्द ही राज्य का दौरा करूंगा और राज्य नेतृत्व के साथ संगठन पर चर्चा करूंगा. खड़गे ने पहले कहा था कि पूरा 2025 संगठन के पुनर्निर्माण के लिए समर्पित होगा, जिसे पिछले दशकों में नजरअंदाज किया गया था और एआईसीसी में युवा चेहरों को शामिल किया जाएगा.

सैम पित्रोदा ने चीन की तरफदारी की, कहा, भारत का रवैया टकराव वाला
भाजपा बरसी, कहा, यह भारत की अस्मिता, कूटनीति और संप्रभुता परआघात

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की चीन से संबंधित टिप्पणी पर भाजपा हमलावर हो गयी है. भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार सैम पित्रोदा ने दिन दहाड़े कर दिया है. गंभीर बात यह है कि जिस प्रकार की बात सैम पित्रोदा ने कही है, वह भारत की अस्मिता, कूटनीति और संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है. इसी प्रकार के कई बयान राहुल गांधी भी विदेश में दे चुके हैं. कुछ समय पहले उन्होंने अपने विदेश दौरे पर कहा कि चीन ने बेरोजगारी की समस्या को बहुत अच्छे से दूर किया है. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, गलवान में हमारे 20 सैनिक शहीद हो गये और उसके बाद आपके नेता इस प्रकार की भाषा बोलता है तो यह निंदनीय है.

चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने कहा है कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है. आईएएनएस से बात करते हुए सैम पित्रोदा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम पड़ोसी देश को पहचानें और उसका सम्मान करें. पित्रोदा ने भारत-चीन संबंधों को लेकर सलाह दी कि भारत अपनी मानसिकता बदले. यह धारणा छोड़ दे कि चीन हमारा दुश्मन है.सैम पित्रोदा ने एक तरह से आरोप लगाया कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से टकराव वाला रहा है, जो दुश्मनी पैदा करता है, हमें सोचने का यह तरीका बदलना चाहिए,

यह जरूरी नहीं कि हम हमेशा चीन को दुश्मन करार दें

यह जरूरी नहीं कि हम हमेशा चीन को दुश्मन करार दें. यह सिर्फ चीन के लिए नहीं बल्कि सभी देशों के लिए होना चाहिए. इस क्रम में सैम पित्रोदा ने कहा, मुझे नहीं पता कि चीन से क्या खतरा है. कहा कि अब सभी देशों को एक साथ आने का समय है. हमें सीखने, संवाद बढ़ाने, सहयोग करने और मिलकर काम करने की जरूरत है, हमें कमांड और कंट्रोल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा. उन्होंने कहा कि चीन चारों ओर है, चीन बढ़ रहा है, हमें इसे पहचानना और समझना होगा. जान लें कि पित्रोदा की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हुई बैठक के बाद आयी है. याद करें कि 13 फरवरी को हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और चीन के बीच चल रहे तनाव में मध्यस्थता करने की पेशकश की, भारत ने ट्रंप के इस प्रस्ताव को तुरंत ठुकरा दिया था.

चीन पर सैम पित्रोदा के बयान पर घमासान, जयराम रमेश ने दी सफाई

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा द्वारा चीन की तरफदारी वाले बयान ने दिल्ली की राजनीति में हलचल मचा दी है. पित्रोदा के बयान से मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस असहज हो गयी है. भाजपा ने हल्ला बोल दिया है. विवाद बढ़ते देख पित्रोदा के चीन संबंधी बयान से कांग्रेस ने खुद को अलग कर लिया है. कांग्रेस महासचिव और मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया. कहा कि पित्रोदा के विचार पार्टी के रुख को जाहिर नहीं करते. जयराम रमेश ने लिखा कि सैम पित्रोदा द्वारा चीन पर व्यक्त किये गये कथित विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं. चीन हमारी विदेश नीति, बाह्य सुरक्षाऔर आर्थिक क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है. कांग्रेस ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाये हैं. इसमें 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से चीन की दी गयी क्लीन चिट भी शामिल है. लिखा कि चीन पर हमारा हालिया बयान 28 जनवरी 2025 को जारी किया गया था. यहअत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद को इस स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकालने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है. सैम पित्रोदा ने चीन को लेकर कहा कि मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि सभी देश आपस में सहयोग करें, टकराव नहीं. हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही टकराव वाला रहा है और इस रवैये से दुश्मन पैदा होते हैं जो बदले में देश के अंदर समर्थन जुटाते हैं. हमें इसे बदलने की जरूरत है. हमें यह मानना बंद करना होगा कि चीन पहले दिन से ही हमारा दुश्मन है.

कार्यस्थल पर सीनियर की डांट-फटकार को इरादतन अपमान नहीं माना जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक कर्मचारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कंपनियों और संस्थानों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि कार्यस्थल पर सीनियर की डांट-फटकार को 'इरादतन अपमान' नहीं माना जा सकता है. कहा कि अगर कार्यस्थल पर सीनियर द्वारा जूनियर को डांट-फटकार किया जाता है तो इसे 'जानबूझकर अपमान' मानकर आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इसे आपराधिक दायरे में लाने से कार्यस्थल का अनुशासन प्रभावित होगा और पूरे तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ेगा.

डांट को इरादतन अपमान मानने से ऑफिस का अनुशासनपूर्ण माहौल होगा प्रभावित

दरअसल राष्ट्रीय मानसिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के एक सहायक प्रोफेसर ने कार्यवाहक निदेशक पर अपमानित करने का आरोप लगाया था. शिकायतकर्ता का कहना था कि निदेशक ने उसे सार्वजनिक रूप से डांटा. इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि कार्यस्थल पर सीनियर्स की डांट-फटकार (अपशब्दों या बदतमीजी) को भारतीय दंड संहिता की धारा 504 के तहत अपराध या अपमान के रूप में नहीं देखा जा सकता. क्योंकि इसे अपराध के दायरे में लाने पर गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं. ऐसा करने से ऑफिस का अनुशासनपूर्ण माहौल प्रभावित हो सकता है. इसलिए इस तरह की फटकार को कार्यस्थल की अनुशासनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए.

सीनियर का जूनियर से काम को निष्ठा के साथ करने की उम्मीद एक सामान्य अपेक्षा

जस्टिस संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि आरोप केवल कयास हैं और कार्यस्थल पर प्रबंधन द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करना अपेक्षित है. कोर्ट ने कहा कि 'यह एक सामान्य अपेक्षा है कि जो व्यक्ति कार्यस्थल पर प्रबंधन करता है, वह अपने जूनियर से अपने पेशेवर कर्तव्यों को पूरी निष्ठा और समर्पण से निभाने की उम्मीद करेगा. बता दें कि भारतीय दंड संहिता की धारा 504 में शांति भंग करने के इरादे से अपमान करने का प्रावधान है. इसमें दो साल तक की सजा हो सकती है.

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री 26 फरवरी तक बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के बाद, प्लेटफॉर्म टिकटों की काउंटर से बिक्री को 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है. रेलवे प्रशासन का यह कदम प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया है. सूत्रों के अनुसार, अब स्टेशन पर कोई प्लेटफॉर्म टिकट जारी नहीं किया जायेगा. ऐसे में अब जिन यात्रियों के पास जनरल टिकट या रिजर्व टिकट है, वहीं प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं. इधर भगदड़ के बाद रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था किये गये हैं. यात्रियों की सुविधा के लिए आरपीएफ और टीटी को हर एंट्री पॉइंट पर तैनात किया गया है. रेलवे स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इंस्पेक्टर रैंक के छह अधिकारियों को भी तैनात किया गया है.

प्लेटफॉर्म नंबर 16 से विशेष ट्रेन आने की घोषणा से मची भगदड़

दरअसल शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ प्रयागराज जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रही थी. इसी दौरान, रेलवे ने अचानक प्लेटफॉर्म नंबर 16 से एक विशेष ट्रेन के आने की घोषणा की. इस घोषणा के बाद, जो यात्री पहले से प्लेटफॉर्म 14 पर थे, वे भी प्लेटफॉर्म 16 की ओर दौड़ पड़े. इससे अफरा-तफरी मच गयी और भीड़ बेकाबू हो गयी, जिससे लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे. इस भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गयी, जिनमें 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं, जो बिहार, दिल्ली और हरियाणा के रहने वाले थे. दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगगड़ के दौरान मरने वाले 18 लोगों में नौ लोग बिहार के थे. जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और राज्य के मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है.

मप्र के शहडोल में अवैध कोयला खदान धंसी, दंपति की दबने से मौत

एजेंसी

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिलेमें कोयला खदान की मिट्टी धंसने से दंपति की मौत हो गई। यह खदान अवैध तरीके से संचालित की जा रही थी। वहां पर पति-पत्नी कोयला लेने गए थे। हादसा रविवार देर शाम धनगवां गांव में हुआ। पहले खनन माफिया ने इसे छिपाने का प्रयास किया। जब ग्रामीणों ने हंगामा किया, तब यह मामला सामने आया। हादसे की जानकारी पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और एसपी रामजी श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। देर रात जेसीबी की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला गया। शवों का मर्ग कायम करते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। साथ ही आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

यह घटना बुढ़ार थाना क्षेत्र की है। बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया कि मामला धनगवां के चुनहा गढ़ई क्षेत्र में कोयले की अवैध खदान चल रही है। यहां पांच मजदूर काम कर रहे थे। इस दौरान खदान धंस गई। इसमें दबकर दंपति की मौत हो गई। उनकी पहचान ओमकार यादव उर्फ भौतु (40) और उसकी पत्नी पार्वती यादव (36) के रूप में हुई है। दंपति धनगवां के अहिरान मोहल्ला के रहने वाले थे। मृतक की पांच बेटियां ममता यादव (18), रजनी यादव (15), शशि यादव (11), उर्मिला यादव (9) और शिवानी यादव (2) हैं जबकि 6 महीने पहले बेटे रवींद्र यादव की सात साल की उम्र में सांप के काटने से मौत हो गई थी। दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया है। पुलिस अधिकारी और प्रशानिक अधिकारियों ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया है। फिलहाल, पुलिस पता लगी रही है कि आखिर कौन अवैध तरीके से खदान का संचालन कर रहा था। वहीं तीन अन्य मजदूर-बुदु मिश्रा, रीटू बैगा, कृष्णा यादव को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। ग्रामीणों ने खदान में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई थी। इस पर अधिकारियों ने जेसीबी से खुदाई कराई। हालांकि, दंपती के अलावा कोई और शव नहीं मिला। ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी को बताया कि गांव में पिछले कई महीनों से कोयले की अवैध खदानें चल रही हैं। हर दिन कई मजदूर सुरंग के अंदर घुसकर कोयला निकालने का काम करते हैं। इसकी शिकायत कई बार स्थानीय अधिकारियों को दी गई, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की।

कोलकाता में पीली टैक्सियों का अंत: 1 हजार हिंदुस्तान एंबेसडर होंगी रिटायर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थानीय लोग अपने शहर के अतीत को संजोकर रखते हैं. यही वजह है कि यहां के लोग शहर में चलने वाली पीली एंबेसडर टैक्सियों के बंद होने का शोक मना रहे हैं. दरअसल, इस साल शहर की सड़कों पर सालों से दौड़ रही 1000 हिंदुस्तान एंबेसडर कारें रिटायर होने जा रही हैं. स्नब नोज वाली हिंदुस्तान एंबेसडर पहली बार 1950 के दशक में सड़क पर उतरी थी. इसका डिजाइन उसके बाद के दशकों में शायद ही बदला हो. यह एक समय भारत की गड्ढों वाली सड़कों पर राज करती थी. ये टैक्सी आजकल कोलकाता के बाहर शायद ही कभी देखने को मिले, लेकिन कोलकाता में यह पूर्वी शहर की पहचान का प्रतीक है. हालांकि, अब इनकी संख्या तेजी से घट रही है और जो कारें बची भी हैं, उन्हें अगले तीन सालों में पूरी तरह से सड़कों से हटा दिया जाएगा. पिछले चार दशकों से एंबेसडर कैब के ड्राइवर वाले कैलाश साहनी ने एएफपी को बताया, मुझे अपनी कार अपने बेटे की तरह पसंद है. 70 वर्षीय साहनी ने कहा, यह एक सिंपल कार है. इसमें कोई इलेक्ट्रॉनिक्स नहीं है, कोई तामझाम नहीं है. यह अविश्वसनीय है कि चीजें कितनी बदल गई हैं... इन टैक्सी कारों का अंत हमारे अंत का भी संकेत है. साहनी कोलकाता के उन हजारों कैब ड्राइवरों में से हैं, जिन्होंने शहर की धुंध की समस्या को कम करने के लिए 2009 में शुरू किए गए सख्त इमिशन स्टैंडर्ड के अनुरूप अपने वाहन त्याग दिए हैं. बंगाल टैक्सी एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार इस साल की शुरूआत में सिर्फ 2500 एंबेसडर टैक्सियां ही चल रही थीं।

जयशंकर ने ओमान के अपने समकक्ष के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा सहयोग पर की चर्चा

एजेंसी

ओमान। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को ओमान के अपने समकक्ष बद्र अलबुसैदी के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा सुरक्षा में द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की। जयशंकर आठवें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ओमान की राजधानी मस्कट पहुंचे हैं। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से मिलकर बहुत खुशी हुई। (मैं) आठवें हिंद महासागर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने में उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना करता हूं। उन्होंने लिखा, व्यापार, निवेश और ऊर्जा पर परस्पर सहयोग पर हमने व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने राजनयिक संबंधों की 70 वीं वर्षगांठ पर संयुक्त रूप से प्रतीक चिह्न जारी किया।

उन्होंने मांडवी टू मस्कटः इंडियन कम्युनिटी एंड शेयर्ड हिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड ओमान नामक एक पुस्तक का भी संयुक्त रूप से विमोचन किया। ओमान सरकार का कहना है कि अगस्त 2024 में उसके देश में रह रहे भारतीयों की संख्या करीब 664,783 है।

जेलेंस्की संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, रुबियो करेंगे अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

एजेंसी

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता की लगातार उठ रही मांग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रविवार देर रात को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सऊदी अरब के दौरे पर अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे जो आगामी दिनों में रूसी अधिकारियों के साथ सीधी बातचीत करेगा। अमेरिका के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि रुबियो की इस यात्रा का उद्देश्य यूक्रेन पर रूस के लगभग तीन साल से जारी युद्ध को समाप्त कराना है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह संकेत दिया था कि वह सऊदी अरब में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि रियाद में होने वाली वार्ता में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के भी भाग लेने की उम्मीद है। रुबियो की यह यात्रा पिछले हफ्ते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद हो रही है।

पुतिन के साथ बातचीत में ट्रंप ने कहा था कि वे अपनी-अपनी टीम द्वारा तुरंत बातचीत शुरू करने पर सहमत हुए हैं। ट्रंप की पुतिन के साथ यह बातचीत 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस को अलग थलग करने की अमेरिका की नीति के उलट थी। हालांकि, ट्रंप ने जेलेंस्की से भी अलग से बात की। जेलेंस्की ने कहा था कि वह यूक्रेन के बारे में किसी भी ऐसी बातचीत को स्वीकार नहीं करेंगे जिसमें उनका देश शामिल नहीं हो।

यूरोप के देशों की सरकारों ने भी इसमें भूमिका की मांग की है। फॉक्स न्यूज चैनल के संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स कार्यक्रम में विटकॉफ ने कहा कि वह और वाल्ट्ज राष्ट्रपति के निर्देश पर बैठकें करेंगे और उन्हें रूस-यूक्रेन के संबंध में कुछ अच्छी प्रगति की उम्मीद है। इस बीच, जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के बाद जेलेंस्की अबू धाबी पहुंचे। उनके कार्यालय द्वारा जारी फुटेज में रविवार देर रात को हवाई अड्डे पर उन्हें और उनकी पत्नी ओलेना का अमीरात के अधिकारी स्वागत करते दिख रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद जेलेंस्की की यह यूएई की पहली यात्रा है।

जेलेंस्की के कार्यालय ने ऑनलाइन संदेश में कहा, हमारी शीर्ष प्राथमिकता हमारे अधिक से अधिक लोगों को कैद से मुक्त कराकर स्वदेश वापस लाना है। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, हम निवेश और आर्थिक साझेदारी के साथ-साथ बड़े पैमाने पर मानवीय कार्यक्रम पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। हालांकि, संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने जेलेंस्की के आगमन की तत्काल खबर नहीं दी।

डंकी रूट की भयावह दास्तां, लुट गए जमीन-पैसे, हथकड़ी और जंजीर हुई नसीब

एजेंसी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के अवैध प्रवासियों के खिलाफ की जा रही कड़ी कार्रवाई के बाद सैकड़ों भारतीयों को हथकड़ियों और जंजीरों के साथ स्वदेश लौटना पड़ा. अमृतसर का रहने वाले दलजीत सिंह उन लोगों में शामिल हैं, जो अपने परिवार के बेहतर भविष्य की चाहत में अमेरिका गए थे और सबकुछ लुटाकर अपने घर लौट आए. दलजीत पिछले साल अपने पैतृक गांव को छोड़कर अमेरिका गए थे. उन्होंने बताया- अमेरिका से भारत लौटने के दौरान पैरों में जंजीरें और हाथों में हथकड़ियां पहनाई गई थीं. हालांकि अमृतसर पहुंचने से पहले हथकड़ियां हटा ली गई थीं.

दलजीत ने सुनाई डंकी रूट की भयावह कहानी

दलजीत सिंह ने डंकी रूट की भयावह दास्तान बयान की. डंकी मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं. दलजीत ने बताया- उनके गांव के एक व्यक्ति ने 2022 में उन्हें एक ट्रैवल एजेंट से मिलवाया. एजेंट ने उसे कानूनी प्रक्रियाओं के तहत अमेरिका भेजने का आश्वासन दिया था और इसके बदले 65 लाख रुपये लिए थे. दलजीत ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और एजेंट को अपनी एक एकड़ जमीन का अग्रिम अनुबंध सौंप दिया. दलजीत ने बताया, जमीन गिरवी रखने के बाद उसने नवंबर 2022 में अपनी यात्रा शुरू की थी. उन्हें पहले दुबई भेजा गया. हालांकि 18 महीने बिताने के बाद वह भारत लौट आये थे. उसके बाद उन्हें डंकी रूट से 26 अगस्त को मुंबई से ब्राजील भेजा गया.

जोधा अकबर की ऑस्कर में होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

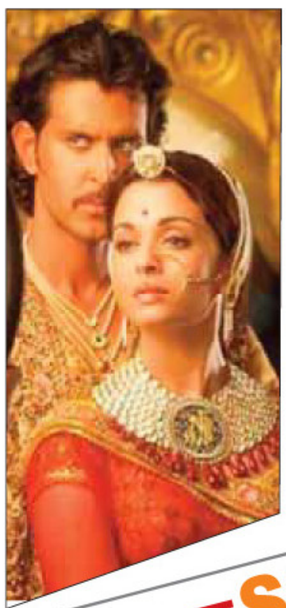

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन साल 2008 में आई फिल्म जोधा अकबर में साथ नजर आए थे। दर्शकों ने इस पीरियड ड्रामा फिल्म को खूब पसंद किया था। भारत में ये फिल्म हिट साबित हुई थी। इस फिल्म को 17 साल पूरे हो गए हैं। अब ऋतिक और ऐश्वर्या की फिल्म को लेकर ऑस्कर ने खास ऐलान किया है। ऑस्कर अवॉर्ड के आयोजक 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का ऐलान किया है। आशुतोष गोविरकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म जोधा अकबर की मार्च में स्पेशल स्क्रीनिंग होगी।

लाइफ Style

कृति
कबीर के साथ बसाने वाली हैं घर

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में हैं। कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ उनकी रिलेशनशिप की खबरें अक्सर आती हैं। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि दोनों इस साल शादी की तैयारी कर रहे हैं।

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों खूब लाइमलाइट में हैं। हालांकि, इसकी वजह उनकी फिल्में और अभिनय कम, बल्कि पर्सनल लाइफ ज्यादा है। काफी वक्त से कृति सेनन अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ उनके कथित अफेयर की खबरें सुर्खियों में हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों इस साल शादी की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए कृति ने कबीर के माता-पिता ने मुलाकात की है। काफी वक्त से कृति सेनन और कबीर के अफेयर की चर्चा है। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा जा चुका है। हालांकि, अफेयर की खबरों पर दोनों ने अब तक चुप्पी साधी हुई है। आधिकारिक तौर पर दोनों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। लेकिन, अक्सर इन्हें साथ में फेस्टिवल मनाते और पार्टी में शामिल होते देखा जाता है। अब दोनों के जल्द शादी करने को लेकर खबरें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि कृति और कबीर साल 2025 में शादी रचाने की तैयारी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि दोनों परिवार से मिलने के लिए दिल्ली गए हैं। कृति और कबीर को हाल ही में एयरपोर्ट पर साथ में देखा गया। इससे पहले हाल ही में कृति और कबीर को बेंगलुरू में एक शादी में साथ देखा गया था। कबीर लंदन बेस्ड बिजनेसमैन हैं।

हॉलीवुड मसाला

जर्सी पहन दर्शकों को दिया सरप्राइज

मुंबई। 'परफेक्ट' और 'शेप ऑफ यू' जैसे हिट गानों के फेमस सिंगर एड शीरन ने 15 फरवरी, शनिवार को गुरुग्राम में लाइव परफॉर्मेंस दी। ये उनके 'द मैथमैटिक्स टूर' का आखिरी कॉन्सर्ट था, जिसका समापन ग्रैंड तरीके से हुआ। इस कॉन्सर्ट के वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शो के आखिरी में एड शीरन ने टीम इंडिया की जर्सी भी पहनी और दर्शकों को उनके प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्हें टीम इंडिया की जर्सी पहने देख फैंस खुशी से झूम उठे।

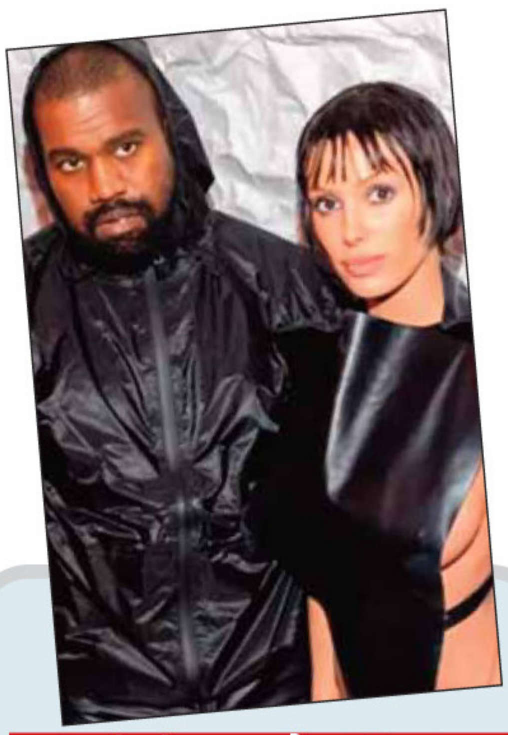

कान्ये वेस्ट और बियांका नहीं ले रहे तलाक...

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रैपर कान्ये वेस्ट और बयिांका सेंसोरी की तलाक की खबरें झूठी निकली हैं। कपल की टीम ने बयान जारी करते ही इन अफवाहों का खंडन किया है। साथ ही बताया है कि कपल इस वक्त लॉस एंजिल्स में है। 'बीते कुछ समय में यह पांचवीं या छठी बार है, जब मीडिया में गलत तरीके से इस तरह की अफवाह उड़ी है। बता दें कि इससे पहले 'डेली लाइफ' ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि ग्रैमी इवेंट में हुई फजीहत के बाद रैपर और उनकी पत्नी ने अलग होने का फैसला किया है। इसमें रैपर के करीबी दोस्तत के हवाले से कहा गया है कि इस तलाक के लिए बियांका ने 5 मिलियन डॉलर की एलिमनी मांगी है।

तीन हिंदी फिल्में साइन कर चुकीं हैं मावरा

मुंबई। पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा हुसैन की फिल्म 'सनम तेरी कसम' की री-रिलीज को लेकर इन दिनों काफी चर्चा हो रही है। मावरा की फिल्म को पहली रिलीज पर कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला था। हालांकि, अब इस फिल्म को फैंस बहुत सराह रहे हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मावरा ने 'सनम तेरी कसम' फिल्म शूट करने के बाद तीन अन्य हिंदी फिल्में भी साइन की थीं। मावरा ने बताया कि इस फिल्म के बाद उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। हालांकि, अलग-अलग कारणों से उन्हें इन फिल्मों से पीछे हटना पड़ा था। अभिनेत्री ने इस बारे में खुलकर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि फिल्म छोड़ने के बाद वह फिल्म जिन लोगों के हिस्से आती है, फिल्म पर उन्हीं का हक होता है। अभिनेत्री ने 'सनम तेरी कसम 2' फिल्म का हिस्सा बनने को लेकर भी बात की।

हाथ में तिरंगा लिए दौड़ते आए नजर

मुंबई। सोशल मीडिया पर आयुष्मान खुराना का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्हें 'मां तुझे सलाम' गीत गाते हुए और उस पर परफॉर्म करते हुए देखा गया। दरअसल, अभिनेता ने वडोदरा में 'महिला प्रीमियर लीग 2025' की ओपनिंग नाइट पर एक यादगार प्रस्तुति दी। इस दौरान अभिनेता ने 'मां तुझे सलाम' गाने पर प्रदर्शन किया। सामने आए वीडियो में आयुष्मान खुराना हाथ में तिरंगा लेकर मैदान में दौड़ते हुए और एआर रहमान के गाने 'मां तुझे सलाम' गाने पर प्रस्तुति देते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। इस दौरान अभिनेता ब्लैक आउटफिट में नजर आएं। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपनी शानदार प्रस्तुति को भारत की भावना और महिला शक्ति को समर्पित किया। अभिनेता के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अपनी आगामी फिल्म 'थामा' पर काम कर रहे हैं।

टीवी मसाला

कपिल शर्मा ने भी किया था माता-पिता को लेकर भद्दा कमेंट

नई दिल्ली। 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में रणवीर इलाहाबादिया के माता-पिता को लेकर आपत्तिजनक बयान ने उन्हें मुश्किलों में डाल दिया है। एक तरफ सोशल मीडिया पर उनका जमकर विरोध हो रहा है। दूसरी ओर वह कानूनी पचड़े में फंसते भी नजर आ रहे हैं। रणवीर और समय रैना के शो को बंद करने की भी अपील की जा रही है। हालांकि, सोशल मीडिया पर इस मामले में दो पक्ष सामने आ रहे हैं।

अमिताभ को सामने देखते ही अक्षय ने छू लिए पैर...

मुंबई। महाराष्ट्र ठाणे में आयोजित इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का फिनाले एक शानदार और सितारों से सजा आयोजन रहा। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अमिताभ बच्चन, सुपरस्टार अक्षय कुमार और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की मौजूदगी ने इस आयोजन को और खास बना दिया। सोशल मीडिया पर इन सितारों की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में अक्षय और अमिताभ बच्चन के बीच खास रिश्ता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें अमिताभ बच्चन को सामने देखते ही अक्षय कुमार उनके पैर छूने लगते हैं। बाद में दोनों एक- दूसरे को गले लगाते हैं और बातचीत करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। इस वीडियो को खूब प्यार मिल रहा है। एक्टर की तारीफ हो रही है।

अक्षय और अमिताभ वक्त, एक रिश्ता जैसी फिल्मों में पिता-बेटे के किरदार में नजर आए थे। अमिताभ बच्चन को वीआईपी स्टैंड में सचिन तेंदुलकर के साथ बातचीत करते हुए देखा गया, जहां वह मजी मुंबई टीम को सपोर्ट कर रहे थे।

बेड पर लेटकर किया डायरेक्शन, बंद हुई शूटिंग तो हीरो ने किया बजट का जुगाड़

नई दिल्ली। सुपरस्टार आमिर खान की 'लगान' इंडियन सिनेमा की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इसका डायरेक्शन आशुतोष गोवारिकर ने किया था। रिलीज के बाद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल साबित हुई थी। आमिर खान की 'लगान' के लिए अपूर्व लखिया ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान का किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि स्लिप डिस्क की समस्या की वजह से आशुतोष गोवारिकर ने बेड पर लेटकर 'लगान' का डायरेक्शन किया था। एक इंटरव्यू के दौरान अपूर्व लखिया ने फिल्म 'लगान' को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया, 'जब आमिर बोर हो जाते थे, तो वे गुजरात भर से शतरंज के चैंपियन्स को शूटिंग पर बुलाते थे और ब्रेक के दौरान उनके साथ खेलते थे। वहां चारों ओर ताश के खेल भी चलते रहते थे। लोगों को खुद का मनोरंजन करना ही पड़ता था, है ना?' अपूर्वा ने उस समय का भी जिक्र किया जब अशुतोष गोवारिकर स्लिप डिस्क की समस्या के कारण बेड पर लेटकर 'लगान' डायरेक्ट कर रहे थे।

रिलीज के बाद फिल्म ने जीते थे 8 नेशनल अवॉर्ड

आशुतोष ने बेड पर लेट किया डायरेक्शन : उन्होंने कहा, 'अगर आप तस्वीरें देखेंगे, तो मैं आशुतोष गोवारिकर के बगल में बैठा था माइक के साथ। जो आशुतोष बोलते थे, उसे मैं माइक पर अनाउंस करता था। अशुतोष की मेडिकल इमरजेंसी के दौरान हम बड़े पैमाने पर शॉट्स ले रहे थे। चूंकि हम ऐसे सीन्स शूट नहीं कर रहे थे, जिनमें उन्हें जाकर सीधे एक्टर्स से बातचीत करनी पड़े। इसलिए हम उस मुश्किल से बच गए। लेकिन हां, इसमें हमारी योजना से थोड़ा ज्यादा समय लग गया।'

220 दिनों का बढ़ गया था शूटिंग शेड्यूल : शूटिंग शेड्यूल के बारे में बात करते हुए अपूर्वा ने बताया कि 'लगान' जैसी फिल्म एक बार ही बनती है। उन्होंने कहा, 'हमने 80 दिनों का शेड्यूल बनाया था, लेकिन 300 दिनों तक शूटिंग चली। इसके कई कारण थे, जैसे बजट की समस्याएं भी शामिल थीं। दो दिन शूटिंग बंद हो गई थी। इस बीच आमिर ने फंड की व्यवस्था की। फिर सेट पर एक जानवर की मौत हो गई और मेनका गांधी की टीम शूटिंग रोकने के लिए आ गई। हमने बहुत ठंडे मौसम में शूटिंग शुरू की और बहुत गर्म मौसम में भी जारी रखी थी।'

56 डिग्री तापमान में की थी गाने की शूटिंग: अपूर्व लखिया ने यह भी खुलासा किया कि आमिर और ग्रेसी सिंह के गाने 'ओ रे छोरी' को 56 डिग्री सेल्सियस तापमान में शूट किया गया था। उन्होंने कहा, 'हम केवल सुबह 6 बजे से 10 बजे तक और शाम 4.30 से 6.30 बजे तक शूट कर सकते थे।

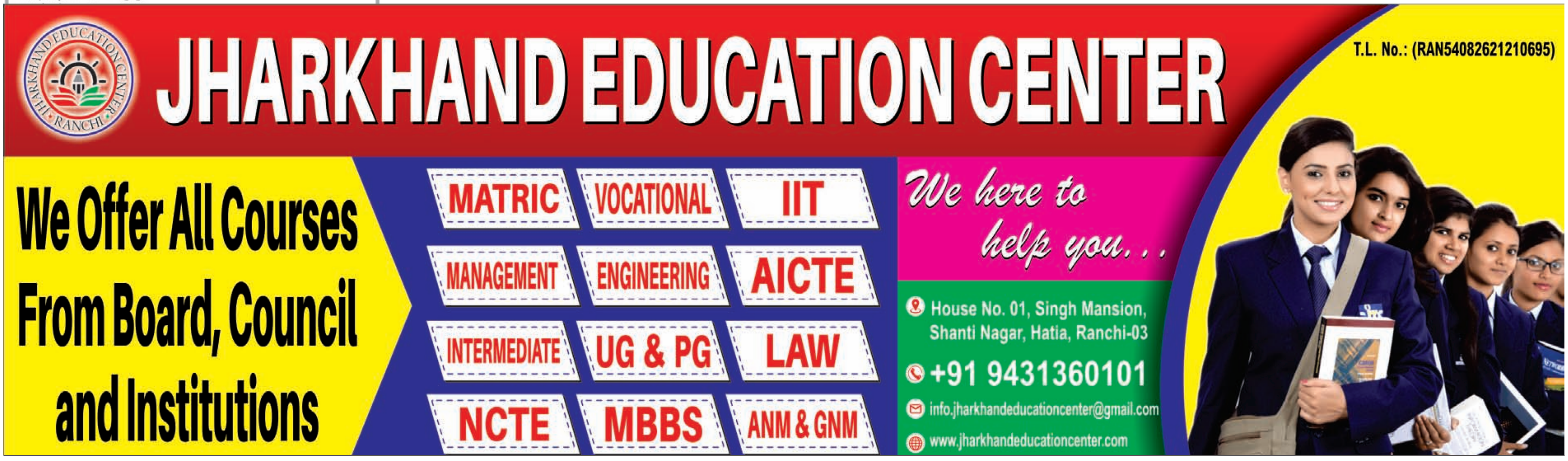

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.